THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 90 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.1 2082 गुरुवार, 26 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देवगौड़ा बोले-आपातकाल भारत के लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला, नई पीढ़ी को जानना जरूरी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश में लगे आपातकाल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। 'द इमरजेंसी डायरीज' किताब के विमोचन से पहले पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों ने उस दौर की घटनाओं और लोकतंत्र की अहमियत को याद किया। देवगौड़ा ने आपातकाल को भारत के लोकतांत्रिक अस्तित्व पर सबसे गंभीर हमला करार दिया। पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने इस किताब की भूमिका लिखते हुए कहा कि भारत के गणराज्य के शुरुआती वर्षों को लोकतंत्र को बचाने की जद्दोजहद के रूप में देखा जाता है।

'आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम'

किस तरह संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया? कोई भारतीय कभी नहीं भूलेगा : मोदी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आपातकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। यह वो वक्त था जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।

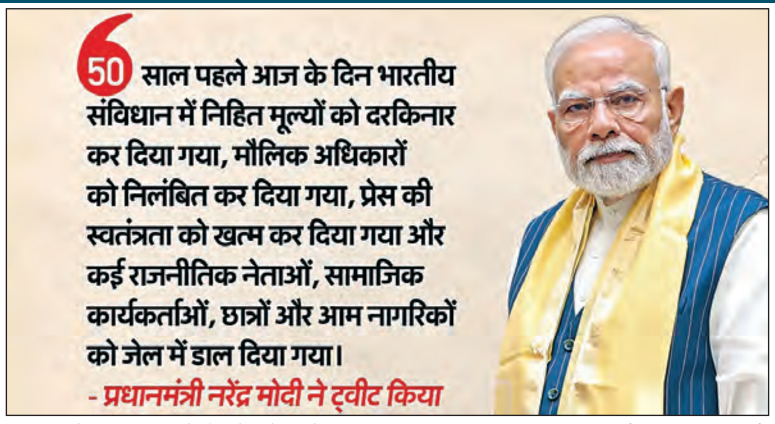

संसद की आवाज दबाई गई

पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबाई गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनकी हरकतों का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। उनका लक्ष्य था भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े। जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

गरीबों और वंचितों के सपने पूरे करेंगे

पीएम ने लिखा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करेंगे।

तब मैं आरएसएस का प्रचारक था

आपातकाल के दिनों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है। जिसकी प्रस्तावना एचडी देवगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे। पीएम मोदी ने कहा कि द इमरजेंसी डायरीज आपातकाल के दौरान मेरी यात्रा का वृत्तांत है। इसने उस समय की कई यादें ताजा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं कि वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें।

'कमाल का सफर था जय हिंद! जय भारत!'

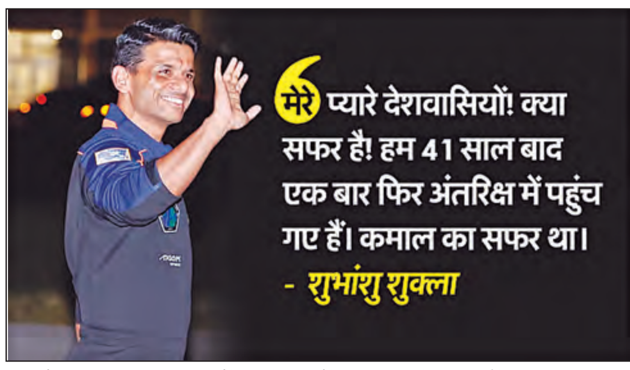

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद बोले शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक मिशन के तहत तीन अन्य लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर निकलकर इतिहास रच दिया। 29 मई से अब तक छह बार लॉन्चिंग टाले जाने के बाद आखिरकार एक्सिओम-4 मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे आईएसएस की ओर रवाना हुआ।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों! क्या सफर है! हम 41 साल बाद एक बार फिर अंतरिक्ष में वापस पहुंच गए हैं। कमाल का सफर था। यह एक अद्भुत सफर है। हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधों पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है, जो मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। मेरी यह यात्रा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। मैं चाहता हूं कि आप सभी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए... आइये, हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करें। जय हिंद! जय भारत!

माता-पिता ने भी ऐतिहासिक प्रक्षेपण को देखा

लखनऊ में शुभांशु शुक्ला के सिटी मोंटेसरी स्कूल में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां उनके माता-पिता ने इस ऐतिहासिक प्रक्षेपण को देखा। लखनऊ में जन्मे शुभांशु शुक्ला, नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा हैं। शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। यह यात्रा राकेश शर्मा के 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के हिस्से के रूप में कक्षा में आठ दिनों के प्रवास के 41 साल बाद हुई है।

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, 3 लोग बहे

शिमला, 25 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बारिश हो रही है। कुल्लू जिले में 3 जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। इसके कारण कई जगह बाढ़ की स्थिति बनी है।

बाप-बेटी समेत 3 लोग पानी में बह गए। उधर, उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। 7 लोगों में 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया।

कार्यक्रम खत्म होते ही अचानक बिगड़ी उपराष्ट्रपति धनखड़ की तबीयत

> एमपी रहे डॉ. महेंद्र को गले लगाकर रोए

नैनीताल, 25 जून (एजेंसियां)। कुमाऊं विश्वविद्यालय का कार्यक्रम खत्म होने के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अचानक तबीयत खराब हो गई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज बुधवार को तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हल्द्वानी पहुंचे। हल्द्वानी आर्मी हैलीपेड पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री की ओर से कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या, सांसद अजय भट्ट, हल्द्वानी मेयर गजराज बिष्ट, वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष दीपक महरा, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी वंदना, एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा सहित अन्य अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया था। नैनीताल में कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे।

सीबीएसई साल में 2 बार कराएगा 10वीं के एग्जाम

> पहली परीक्षा सभी के लिए अनिवार्य > दूसरी ऑप्शनल; रिजल्ट अप्रैल और जून में आएगा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन साल 2026 से 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम्स दो बार कराएगा। इसके लिए अब मंजूरी मिल चुकी है। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने यह जानकारी दी है। पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। 12वी बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा।

सप्लीमेंट्री परीक्षा खत्म होगी

नए सिस्टम के लागू होने के बाद सप्लीमेंट्री परीक्षा नहीं होगी। स्टूडेंट्स को ऑप्शन मिलेगा कि वे साल में एक बार एग्जाम दें या दोनों एग्जाम में शामिल हों। यदि कोई स्टूडेंट दोनों परीक्षाएं देता है, तो उसके बेस्ट स्कोर को ही फाइनल माना जाएगा। साथ ही, यदि कोई स्टूडेंट किसी सब्जेक्ट में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाता है, तो वह दूसरी बार में उस सब्जेक्ट को दोबारा दे सकेगा। सूत्रों की मानें तो जरूरी नहीं होगा कि स्टूडेंट पहली और दूसरी परीक्षा में सभी सब्जेक्टस का एग्जाम दे और दूसरी में भी वही दोहराए। वह अपने नंबर में सुधार के लिए सिर्फ उस सब्जेक्ट की परीक्षा दे सकेगा जिसमें उसके मार्क्स अच्छे नहीं हैं।

युवा मोदी ने इंदिरा की तानाशाही का विरोध किया : शाह

> 2014 में पीएम बन कांग्रेस को उखाड़ फेंका

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किताब का विमोचन करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि पांच दशक पहले कैसे अपनी युवावस्था के दौरान नरेंद्र मोदी ने दमन करने वाली ताकतों के खिलाफ आवाज उठाई। शाह ने इस कार्यक्रम के दौरान बताया कि मोदी ने गुजरात में न केवल आंदोलन की अगुवाई की, बल्कि उन्होंने 19 महीने की चुनौतीपूर्ण अवधि में गरीबों की मदद के लिए भी कड़ा संघर्ष किया।

युवा नरेंद्र मोदी ने 19 महीने तक आंदोलन में भाग लिया

आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर आज पीएम मोदी की किताब 'द इमरजेंसी डायरीज, ईयर दैट फोर्ज्ड आवर लीडर्स' का विमोचन हुआ। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह किताब पीएम मोदी की युवावस्था से जुड़ी घटनाओं के बारे में है। आपातकाल लागू किए जाने के समय वे एक युवा कार्यकर्ता थे, जिन्होंने 19 महीने तक आंदोलन में भाग लिया। पीएम मोदी ने मीसा बंदियों के घर जाकर उनके इलाज की व्यवस्था की। उस समय बहुत सारे गुप्त समाचार पत्र प्रकाशित होते थे। शाह ने कहा, पीएम मोदी ने उन समाचार पत्रों को बाजारों, छात्रों और महिलाओं के बीच वितरित किया और 24-25 साल की उम्र में गुजरात में संघर्ष का नेतृत्व किया। इस किताब में संघर्षों की पूरी कहानी है। प्रधानमंत्री मोदी ने साधु, सरदारजी, हिप्पी, अगरबत्ती या अखबार विक्रेता के रूप में जमीन पर काम किया।

जम्मू में चोरी के आरोपी को जूतों की माला पहनाई

> पुलिस ने गाड़ी के बोनट पर बैठाकर सड़कों पर घुमाया, जांच के आदेश

श्रीनगर, 25 जून (एजेंसियां)। जम्मू में चोरी के एक आरोपी को जूतों की माला पहनाकर सड़क पर परेड कराने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में कुछ पुलिस कर्मी आरोपी को पुलिस की गाड़ी के बोनट पर बैठाते नजर आ रहे हैं। वहां मौजूद लोग आरोपी की इस हालत पर पुलिस की तारीफ करते भी नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वीडियो में दिख रहा व्यक्ति एक मरीज के अटेंडेंट से लूटपाट करने का आरोपी है। जिसे शहर के एक अस्पताल के बाहर पकड़ा गया। बाद में लोगों ने उसके हाथ बांधकर और गले में जूतों की माला डालकर सड़कों पर घुमाया। हालांकि, घटना की निंदा करते हुए जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जोगिंदर सिंह ने मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। जोगिंदर ने कहा कि पुलिस कर्मियों की कार्रवाई गैर-पेशेवर और अनुचित थी।

पुलिस का दावा-आरोपी कुख्यात चोर

बख्शी नगर पुलिस स्टेशन के जिस एसएचओ की निगरानी में यह घटना हुई उसने बताया कि आरोपी एक कुख्यात अपराधी है और हाल ही में पकड़े गए एक गिरोह का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आरोपी नशे में था और हाथापाई और लंबे समय तक पीछा करने के बाद पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले अपने मरीज के लिए दवाई खरीदते समय 40,000 रुपए की लूट का शिकार हुए एक व्यक्ति ने शहर के बीचों-बीच एक अस्पताल के बाहर आरोपी को पहचान लिया और उससे भिड़ गया। आरोपी ने चाकू से हमला करके उस व्यक्ति को घायल कर दिया और भागने की कोशिश की।

इजराइल से आज 224 भारतीय नागरिक लौटे

> भारतीय दूतावास ने ईरान में ऑपरेशन सिंधु बंद किया
> इजराइल-ईरान में सीजफायर के बाद फैसला

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंधु के तहत बुधवार सुबह 224 भारतीय नागरिक इजराइल से भारत लौटे। ईरान-इजराइल के तनाव के बीच दोनों देशों से अब तक 3394 भारतीयों को भारत लाया जा चुका है। इससे पहले 24 जून की रात 12.01 बजे 282 भारतीयों को लेकर एक फ्लाइट ईरान के मशहद से दिल्ली पहुंची थी। उधर, भारतीय दूतावास ने मंगलवार देर रात बताया था कि ईरान से भारतीयों को निकालने के अभियान को बंद कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम हो गया है। दूतावास ने इवैक्युएशन (लोगों को निकालने) के लिए नए नामों को रजिस्टर करने के लिए खोली गई डेस्क को बंद कर दिया।

हालांकि, एक्स पर एक पोस्ट में दूतावास ने लिखा कि भारत ईरान के हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है और अगर वहां मौजूद भारतीयों को किसी भी तरह का खतरा होता है तो हम अपनी रणनीति में बदलाव करेंगे। भारत ने दोनों देशों के बीच बढ़ती दुश्मनी को देखते हुए, ईरान और इजराइल से भारतीयों को वापस लाने के लिए पिछले हफ्ते ऑपरेशन सिंधु शुरू किया था।

दूतावास ने कहा-जो जहां हैं वहीं रहें, हालात पर नजर रखें

भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखे पोस्ट में मशहद के लिए निकलने की प्लानिंग कर रहे भारतीयों को सलाह दी कि वे जहां हैं, वहीं रहें और खबरों पर नजर रखें।

दूतावास ने पहले से होटल में रह रहे लोगों से कहा कि वे मशहद की सद्र होटल में चले जाएं, क्योंकि मिशन बाकी होटलों में कमरे खाली कर देगा।

पोस्ट में कहा गया है, दूतावास सद्र होटल में कमरों को 2 और रातों (26 जून को चेकआउट समय तक) के लिए अपने पास रखेगा।

इससे नागरिकों को यह सुनिश्चित करने का समय भी मिलेगा कि ईरान में हालात सामान्य हो रहे हैं। बयान में यह भी बताया गया कि यदि किसी भारतीय को सलाह या सहायता की जरूरत है, तो वे टेलीग्राम चैनल या हेल्पलाइन के जरिए संपर्क कर सकते हैं। ये चैनल अगले कुछ दिनों तक खुले रहेंगे।

पीएफआई की हिट लिस्ट में 972 लोग, पूर्व जज का नाम भी शामिल

> एनआईए ने कोर्ट में पेश किए दस्तावेज

कोच्चि, 25 जून (एजेंसियां)। केरल में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की खतरनाक साजिशों का खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोर्ट में बताया कि पीएफआई के पास करीब 972 लोगों की हिट लिस्ट थी, जिनमें अन्य समुदायों के प्रभावशाली लोग, एक पूर्व जिला जज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोग शामिल थे।

एनआईए द्वारा कोर्ट में पेश दस्तावेजों के अनुसार, पीएफआई ने अपने गुप्त 'रिपोर्टर्स विंग' के जरिए इन लोगों की निजी जानकारी एकत्र की थी। इसमें नाम, उम्र, फोटो, पद और रोजमर्रा की गतिविधियों तक का विवरण रखा गया। यह जानकारी जिला स्तर पर इकट्ठा कर संगठन के राज्य स्तर के नेताओं तक पहुंचाई जाती थी।

एजेंसी ने बताया कि पीएफआई की तीन मुख्य शाखाएं थीं. 'रिपोर्टर्स विंग', 'फिजिकल और आर्म्स ट्रेनिंग विंग' और 'सर्विस विंग/हिट टीम्स'। रिपोर्टर्स विंग एक तरह से संगठन की खुफिया शाखा थी, जो खासतौर पर हिंदू समुदाय के नेताओं की जानकारी जुटाती थी। इन सूचनाओं का इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर हत्या जैसे हमलों को अंजाम देने में किया जाता था।

एस के श्रीनिवासन की हत्या मामले में खुलासा

यह खुलासा उस समय हुआ, जब एनआईए ने साल 2022 में हुए वरिष्ठ आरएसएस नेता एस के श्रीनिवासन की हत्या मामले में आरोपी कुछ लोगों की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ये दस्तावेज कोर्ट में सौंपे। श्रीनिवासन की हत्या 16 अप्रैल 2022 को उनकी दुकान में कथित रूप से पीएफआई के कार्यकर्ताओं ने कर दी थी। एनआईए ने कोर्ट को बताया कि जिन दस्तावेजों को बरामद किया गया है, उनमें साफ उल्लेख है कि 972 लोगों की सूची तैयार की गई थी, जिनमें एक पूर्व जिला जज भी शामिल थे। इसके अलावा, 'पेरियार वैली कैंपस' को भी एजेंसी ने कुर्क किया है, जिसे पीएफआई का कथित आर्म्स ट्रेनिंग सेंटर बताया गया है।

'अपनी असफलता छिपाने के लिए भाजपा आपातकाल पर ड्रामा कर रही'

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि देश में अघोषित आपातकाल लागू है। उन्होंने भाजपा सरकार पर अपनी प्रशासनिक विफलता को छिपाने के लिए संविधान हत्या दिवस का नाटक करने का आरोप लगाया। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटाक्ष पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जिस सरकार में सहनशीलता नहीं है और जो भाईचारे और आजादी को पनपने नहीं देती, उसे दूसरों को उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस के इंदिरा भवन में एक आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में खरगे ने भाजपा-आरएसएस की आलोचना की और कहा कि 'जिन लोगों ने देश की आजादी, संविधान निर्माण में कोई भूमिका नहीं निभाई और बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को खारिज कर दिया, वे आपातकाल लागू होने के 50 साल बाद आपातकाल का मुद्दा उठा रहे हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए खरगे ने कहा कि उनके और उनके शासन के कारण संविधान खतरे में है। कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार में अभिव्यक्ति की कोई आजादी नहीं है।

कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में शशि थरूर को लेकर कहा-मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है।

मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं। द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में थरूर ने लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन इसे और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए। इस आर्टिकल को थरूर का कांग्रेस पार्टी को नाराज करने और उसकी लीडरशिप के साथ उनके संबंधों में बढ़ती दरार के रूप में देखा गया।

पहली बार फ्रांस से बाहर राफेल के एम88 इंजन का रखरखाव

हैदराबाद में एमआरओ शॉप, 150 नौकरियों का सृजन होगा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। राफेल के इंजन का मेंटेनेंस कराने वाली कंपनी सफरन एयरक्राफ्ट इंजन ने बड़ी घोषणा की है। इसके मुताबिक फ्रांस के बाहर पहली बार राफेल लड़ाकू विमान के इंजन का रखरखाव किया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में राफेल के एम88 इंजन को समर्पित एक नई एमआरओ शॉप का निर्माण कराया जा रहा है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि यह साइट फ्रांस से बाहर एम88 मॉड्यूल का रखरखाव करने वाली पहली साइट होगी। इससे 2040 तक यानी अगले 15 वर्षों में 150 नौकरियों का सृजन होने का अनुमान है।

बीएमसी चुनाव में देरी की क्या है वजह? उद्धव ठाकरे की पार्टी बोली- 'तो फिर कोर्ट जाएंगे'

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। देश की सबसे अमीर महानगरपालिका यानी बीएमसी मुंबई के चुनाव को लगातार तारीख पर तारीख मिल रही है। अब एक बार फिर बीएमसी चुनाव की तारीख टल गई है। सरकार ने वार्ड स्ट्रक्चर ढांचे को बनाने की समय सीमा को बदल दिया है जिसको लेकर विपक्ष भी सवाल खड़े कर रहा है। समय सीमा बढ़ने के चलते अब बीएमसी चुनाव नवंबर या दिसंबर में ही संभव हो सकते हैं, उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 4 महीने में बीएमसी चुनाव करवाने हैं, लेकिन सरकार कह रही है कि वार्ड बनाने में इन्हें दिक्कत हो रही है यानी सुप्रीम कोर्ट का भी अपमान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "इतनी देरी लग रही है, जिसका मतलब है कि चुनाव 2026 में होगा, लोगों को दिक्कत हो रही है। ना नाले साफ हो रहे हैं और सड़कों पर गड्ढे हैं।

इसका जिम्मेदार कौन है? सरकार स्पष्ट करे कि अगर वह चुनाव नहीं करवा सकती तो हम दोबारा कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।" वहीं बीजेपी नेता और विधान परिषद नेता प्रसाद लाड ने कहा,"अगर वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया अगस्त तक पूरी हो जाती है तो बीएमसी चुनाव की घोषणा भी अगस्त तक संभव है। ऐसे में मुंबईकरों को अक्टूबर या नवंबर में अपने पार्षदों को चुनने का मौका मिल सकता है। राज्य सरकार का दावा है कि सीमांकन प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है और समय सीमा के भीतर पूरी करने की कोशिश जारी है।'

बंगाली और बांग्लादेशी का फेर

पश्चिम बंगाल के 22 लाख लोगों की सुरक्षा को लेकर क्यों टेंशन में ममता बनर्जी?

कोलकाता, 25 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के मजदूरों की सुरक्षा को लेकर टेंशन में हैं। सीएम ने दावा किया है कि बंगाली बोलने वाले लोगों को बीजेपी शासित प्रदेशों में बांग्लादेशी कहा जा रहा है। हालांकि, उनके पास नागरिकता साबित करने के सभी दस्तावेज हैं। सीएम ने कहा इसकी इजाजत नहीं होनी चाहिए। सीएम ने कहा, उन्हें इस बात की जानकारी मिली है कि राजस्थान में 300-400 बंगाली बोलने वाले मजदूरों को एक इमारत में कैद कर दिया गया था। मजदूरों ने वैध दस्तावेज दिखाए थे, उसके बाद भी मजदूरों को कैद किया गया। सीएम ने इसी मामले को उठाते हुए कहा, क्या बांगला भाषा बोलना जुर्म है? मुझे लगता है कि पीएम मोदी इस मामले को नहीं जानते हैं। मैं इस मामले की उनको जानकारी देकर इस तरफ उनका ध्यान आकर्षित करूंगी।

बंगाल के मजदूरों को लेकर टेंशन में सीएम ममता

सीएम ने साथ ही कहा, न सिर्फ राजस्थान बल्कि इस तरह के मामले मध्य प्रदेश और दिल्ली से भी मामले सामने आए हैं। नबन्ना के सूत्रों के अनुसार, यह घटना कथित तौर पर राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के एक शहर और दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक हिस्से भिवाड़ी में हुई थी। यह खैरथल-तिजारा शहर, जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर दूर, अलवर शहर से 85 किमी दूर और राजस्थान-हरियाणा सीमा पर स्थित है। यहीं पर मजदूरों के साथ यह मामला पेश आया, जहां उन्हें कैद किया गया।

बीजेपी से पूछे सवाल

सीएम ने आगे कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, जो भी 1971 तक भारत में आ चुका है वो भारतीय नागरिक है। बनर्जी ने कहा कि विभिन्न राज्यों के 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूर बंगाल में काम करते हैं। लेकिन हम ऐसे कदम उठाने की कभी सोच भी नहीं सकते। क्या होगा अगर ऐसे कदम यहां अन्य राज्यों के प्रवासियों के खिलाफ उनकी मातृभाषा बोलने के लिए उठाए जाते? क्या बंगाली बोलना बीजेपी शासित शासन अपवित्र मानता है?" सीएम ने कहा कि 22 लाख बंगाली बोलने वाले मजदूर दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "क्या तमिल भाषी लोगों को श्रीलंका भेज दिया जाएगा क्योंकि वो तमिल बोलते हैं, या गोरखा समुदाय के भारतीयों को नेपाली बोलने के लिए नेपाल भेज दिया जाएगा?" सीएम ने आगे कहा, मैं अक्सर लोगों से यहीं रहने और काम करने का आग्रह करती हूं, लेकिन कई लोग रोजगार की तलाश में राज्य से बाहर जाते हैं। क्या बंगाली में बात करना उनका अपराध है? उनके पास सभी नागरिकता दस्तावेज हैं। सीएम ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी शासित राज्यों में दलितों पर कथित अत्याचार पर उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों और दलितों पर हमले हो रहे हैं। जब भी बंगाल में किसी छिटपुट घटना का आरोप लगाया जाता है तो वो (केंद्र) अलग-अलग केंद्रीय आयोगों की कम से कम 10 अलग-अलग टीमें भेजते हैं। लेकिन जब उनके लोगों के शासित राज्यों में दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर नियमित रूप से हमले होते हैं तो केंद्र चुप रहता है। इस बीच, टीएमसी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, बंगाली भाषी मजदूरों को बीजेपी शासित राज्यों में गंभीर अपमान और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। इटाहार, उत्तर दिनाजपुर के 300 से अधिक मजदूर, जो काम के लिए राजस्थान चले गए थे, उन पर 'बांग्लादेशी' होने का झूठा आरोप लगाया गया और हिरासत में लिया गया।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

लग्जरी कार चोर यश देसाई चेन्नई से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 2 साल से फरार चल रहे एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी यश देसाई लग्जरी कारों की चोरी करने वाले इंटरस्टेट सिंडिकेट का एक अहम सदस्य है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आरोपी को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक आरोपी यश देसाई जो कर्नाटक का रहने वाला है। उसके ऊपर दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके से साल 2023 में चोरी हुई टोयोटा फॉर्च्यूनर कार की चोरी का आरोप था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में जांच के दौरान दो अन्य आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर महाराष्ट्र के पनवेल से कार बरामद कर ली थी।

बिक्रम मजीठिया के घर रेडः विजिलेंस टीम ने दी दबिश

कागजात खंगाल रही एजेंसियां पुलिस-रैपिड एक्शन फोर्स तैनात

चंडीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ पंजाब की मान सरकार ने बुधवार को सबसे बड़ा एक्शन लिया। अकाली नेता विक्रम मजीठिया के घर विजिलेंस की रेड पड़ी है। मजीठिया के अमृतसर स्थित आवास पर छापेमारी जारी है। बिक्रम मजीठिया के ग्रीन एवेन्यू स्थित घर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी रास्ते भी बैरिकेड लगाकर बंद किए गए हैं। पता चला है कि मजीठिया घर में ही हैं। पंजाब सरकार की अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों की ओर से नशा तस्करी के मामले में मजीठिया के अमृतसर ग्रीन एवेन्यू स्थित घर की तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने कई दस्तावेज भी अपने कब्जे में ले लिए हैं। अभी छानबीन चल रही है और किसी को भी मजीठिया के घर की तरफ आने जाने नहीं दिया जा रहा है। आसपास के घरों और कोठियों में भी सुरक्षा कर्मचारी तैनात कर दिए गए हैं। मजीठिया के घर के बाहर रास्तों पर पंजाब पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवान तैनात किए गए हैं। रेड पर बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि मैंने बहुत पहले ही कहा था कि जब भगवंत मान सरकार को नशीली दवाओं के झूठे मामले में मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो अब मेरे खिलाफ एक नया झूठा मामला दर्ज करने की तैयारी है। मजीठिया ने कहा कि आज विजिलेंस के एसएसपी की अगुवाई में टीम ने मेरे घर पर छापेमारी की है। भगवंत मान यह बात समझ लें, जितने भी मामले दर्ज कर लें, न तो मैं डरूंगा और न ही आपकी सरकार मेरी आवाज दबा सकती है। मैंने हमेशा पंजाब के मुद्दों की बात की है और आगे भी करूंगा। मुझे अकाल पुरख, गुरु साहिब पर पूरा भरोसा है। अंत में सच की जीत होगी।

महू के पास निर्माणाधीन सुरंग ढही, दो की मौत

इंदौर, 25 जून (एजेंसियां)। महू के पास इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा गिर गया। मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसा बुधवार सुबह करीब 4 बजे हुआ। पुलिस और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हैं। उन्होंने प्राथमिक तौर पर इसकी वजह बारिश को बताया गया है। झारखंड निवासी विकास राय (29) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सिंगरौली निवासी लालजी कौल ने इंदौर के अस्पताल में दम तोड़ दिया। सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार के मुताबिक, हादसा टनल नंबर 3 में हुआ। इसका काम हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। सुरंग ढहने से जान गंवाने वाला विकास राय झारखंड में गिरिडीह जिले के झोंका वर्मासिया का रहने वाला था। शव पोस्टमॉर्टम के लिए इंदौर के जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं, लालजी कौल को गंभीर रूप से घायल होने के बाद इंदौर में तेजाजी नगर के जीवन ज्योति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। यहां से एमवाय अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल नदी के पास दो सुरंगें बनाई जा रही हैं। सुरंगें बनने और हाईवे के निर्माण पूरा होने के बाद खंडवा से इंदौर जाने में लगभग ढाई घंटे समय की बचत होगी। अभी इंदौर से खंडवा जाने में साढ़े चार से पांच घंटे तक लग जाते हैं। पहली सुरंग 500 और दूसरी 300 मीटर लंबी होगी।

साइबर अपराध से जुड़े 100 करोड़ के धन शोधन मामले में ईडी की दबिश

गुजरात और महाराष्ट्र में छापेमारी

मुंबई/अहमदाबाद, 25 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को गुजरात और महाराष्ट्र में जालसाजों से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत छापेमारी की। मामला कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध और 100 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि विदेश में स्थानांतरित करने से जुड़ा हुआ है। गुजरात के सूरत-अहमदाबाद में और मुंबई में संघीय जांच एजेंसी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की गई।

सूत्रों ने बताया कि धन शोधन का मामला गुजरात पुलिस की ओर से मकबूल डॉक्टर, काशिफ डॉक्टर, बासम डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई, माज अब्दुल रहीम नाडा और कुछ अन्य के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है। उन्होंने बताया कि आरोपियों पर फर्जी यूएसडीटी ट्रेडिंग (क्रिप्टो करेंसी), डिजिटल अरेस्ट, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के फर्जी नोटिस भेजकर निर्दोष व्यक्तियों को धमकाने जैसे विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के जरिए आम जनता को ठगने का आरोप है। इस साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से भोले-भाले व्यक्तियों से प्राप्त धन को फर्जी व्यक्तियों के केवाईसी का उपयोग करके या केवाईसी दस्तावेजों को जाली बनाकर खोले गए बैंक खातों में एकत्र किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, अवैध धन को विभिन्न 'अंगड़िया' या हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से क्रिप्टो करेंसी में बदला गया। उन पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि विदेश भेजने का संदेह है।

दिल्ली के रिठाला में धू-धूकर जली सीसीटीवी फैक्ट्री

4 लोगों की मौत, चारों तरफ छाया धुएं का गुबार; करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के रिठाला इलाके में एक सीसीटीवी फैक्ट्री में जबरदस्त आग लग गई। आग लगते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने आग बुझाने की कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। इसके बाद फायर ब्रिगेड को घटना की खबर दी गई। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में 4 लोगों की मौत हुई है। आग पर काबू पाने के लिए बुलडोजर से पीछे की दीवार को तोड़ा गया। ये फैक्ट्री रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास है। आग लगने की वजह के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन करोड़ों का नुकसान होने की आशंका है। स्थानी निवासियों ने बताया कि 2-3 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। मौके पर 10 दमकल गाड़ियां मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है,

'बीते 11 वर्षों से देश में अघोषित आपातकाल लागू' कांग्रेस का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि बीते 11 वर्षों से देश में अघोषित आपातकाल लागू है। भारतीय लोकतंत्र पर व्यवस्थागत और खतरनाक तरीके से पांच गुना ज्यादा हमला किया जा रहा है, जिसे अघोषित आपातकाल कहना सही होगा। कांग्रेस ने दावा किया कि देश में बेलगाम नफरती भाषण दिए जा रहे हैं और नागरिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान जारी कर कहा कि 'सरकार के आलोचकों को बदनाम किया जा रहा है। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा नफरत और कट्टरता फैलाई जा रही है। प्रदर्शन करने वाले किसानों को खालिस्तानी करार दिया जा रहा है और जाति जनगणना की मांग करने वालों को शहरी नक्सली बताया जा रहा है।' जयराम रमेश ने कहा कि 'महात्मा गांधी के हत्यारों का महिमामंडन किया जा रहा है, अल्पसंख्यक डर में जी रहे हैं, दलित और अन्य हाशिए पर पड़े वर्गों पर निशाना साधा जा रहा है, मंत्री नफरती भाषण दे रहे हैं और उसके बदले उन्हें पुरस्कृत किया जा रहा है।'कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय आया है, जब केंद्र सरकार संविधान हत्या दिवस मना रही है। आज देश में आपातकाल लागू हुए पूरे 50 साल बीत गए हैं। इंदिरा गांधी ने साल 1975 में देश में आपातकाल लगाया था।

विभिन्न राजनीतिक पार्टियों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि 'संविधान का पूरा सम्मान करते हुए इंदिरा गांधी ने उस समय आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र में आपातकाल को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है, इसलिए आप इसे संविधान हत्या दिवस नहीं मान सकते। इंदिरा गांधी जोड़-तोड़ करके, पैसे का इस्तेमाल करके चुनाव जीत सकती थीं, लेकिन इंदिरा गांधी ने ऐसा नहीं किया। इंदिरा जी लोकतंत्र की चौकीदार थीं। पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल है।' सपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि 'जब आपातकाल लगाया गया और उसके बाद संघर्ष हुआ, तो यह दूसरा स्वतंत्रता संग्राम बन गया। मैं भी एक राजनीतिक कार्यकर्ता हूं और उस संघर्ष में सक्रिय था, मैंने इसे देखा। देश की स्थिति भयावह थी, कोई बोल या लिख नहीं सकता था। प्रेस पर पूरी तरह से सेंसरशिप थी। वर्तमान स्थिति उस पिछली स्थिति से काफी मिलती-जुलती है। आज अघोषित आपातकाल है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्ण नहीं है। सरकार के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया जाता है, मनगढ़ंत मुकदमे चलाए जाते हैं और उसे गिरफ्तार किया जाता है। आज भी सच्ची राजनीतिक स्वतंत्रता का अभाव है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्थापित मूल्यों और भारत की स्वतंत्रता के उद्देश्य की अवहेलना की जाती है।'

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला की लज्जा भंग करने के आरोपी को किया बरी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस व्यक्ति की बरी किए जाने की निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया, जिस पर एक महिला की लज्जा भंग करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। हाईकोर्ट में जस्टिस अमित महाजन ने दिल्ली सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सितंबर 2017 के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। निचली अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 509 के तहत बरी कर दिया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा यह कानून है कि केवल गाली-गलौज करने या गलत तरीके से इशारे करने के आरोप, जब तक वे विशेष रूप से साफ न हों और पूरे कारण सहित न हों, तब तक धारा 509 के तहत अपराध नहीं बनते।

आरोपी की मंशा महिला की लज्जा भंग करने की थी - जस्टिस महाजन

दिल्ली हाईकोर्ट ने साल 2025 में आए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला भी दिया, जिसमें यह कहा गया था कि गंदे शब्दों का इस्तेमाल अगर स्पष्ट कारण से पूरी तरीके से अलग हो और कोई ठोस कारण न हो, तो उसे धारा 509 के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। कोर्ट में जस्टिस महाजन ने कहा कि इस मामले में कहा गया है कि आरोपी ने गंदे शब्दों के साथ कुछ अभद्र इशारे भी किए थे, लेकिन आरोप सामान्य प्रकृति के हैं। न तो कोई विशेष शब्द बताए गए हैं और न ही इशारों को जानकारी दी गई है, जिससे यह साबित हो सके कि आरोपी की मंशा महिला की लज्जा भंग करने की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा

दिल्ली हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा है और इसलिए निचली अदालत से दिया गया आरोपी को बरी का आदेश पूरी तरह न्याय के तहत उचित है और उसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

डिवाइडर से टकराई कार; तीन दोस्तों की मौत

छत्रपति संभाजीनगर, 25 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। डिवाइडर से टकराकर एक कार अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 2 लोग बुरी तरह से घायल हैं।हादसा छत्रपति भाजीनगर-जलगांव हाईवे के पास मौजूद फुलम्बरी तहसील के बिल्दा गांव में हुआ। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पांचों दोस्त कार में घर की तरफ जा रहे थे, तभी अचानक उनकी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई और हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की शिनाख्त सईद मारूफ (18 साल) अर्फत बागवान (20) और रेहान सईद के रूप में हुई है।

जेल में बंद शख्स को जमानत के बावजूद रिहा नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूपी सरकार को 5 लाख मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। यूपी के गाज़ियाबाद जेल में बंद एक शख्स को ज़मानत का आदेश मिलने के बावजूद रिहा न किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को 5 लाख का अंतरिम मुआवजा आरोपी आफताब को दिए जाने का आदेश दिया है। कोर्ट के जमानत के आदेश के बाद रिहा ना किए जाने की जांच गाजियाबाद जिला जज को सौंपी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से 27 जून तक आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट मांगी। सुप्रीम कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को करेगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान डीजी जेल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच रिपोर्ट को देखने के बाद हम तय करेंगे कि मुआवजे की राशि किसी जिम्मेदार अधिकारी से वसूली जाए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आपने उसे कल ही रिहा कर दिया। इससे पता चलता है कि आपने हमारे आदेश की अवहेलना की। आपने उसे केवल तकनीकी आधार पर सलाखों के पीछे रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच रिपोर्ट देखने दीजिए अगर किसी को दोषी पाया जाता है तो हम व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करेंगे। अगर कोई अधिकारी इसमें शामिल है तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने डीजी जेल से कहा कि अदालत के आदेश का कैसे पालन किया जाना चाहिए ये अपने अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बताइए। अगर अदालत के आदेश के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखा जाए तो हम क्या संदेश दे रहे हैं? आज वरिष्ठ अधिवक्ता और उत्तर प्रदेश की अपर महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कोर्ट को बताया कि डीजी जेल ने मेरठ रेंज के उप महानिरीक्षक द्वारा मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जेल अधिकारियों के आचरण पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह स्वतंत्रता का मामला है और वह जानना चाहेगा कि जमानत के बावजूद उस व्यक्ति को हिरासत में क्यों रखा गया। अवैध धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था आफताब बता दें कि आफताब नाम के व्यक्ति के खिलाफ अवैध धर्मांतरण के आरोप में 2024 में मुकदमा दर्ज किया गया था। 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में उसे ज़मानत दी थी।

एमसीडी के टोल बूथों को हटाने के लिए एनएचएआई ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अंतरराज्यीय सीमाओं से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए जा रहे प्रवेश (टोल) बूथों को हटाने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इन बूथों पर नगर निगम द्वारा वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) से प्रवेश शुल्क और ग्रीन चार्ज वसूला जाता है। जिसके कारण दिल्ली की सीमाओं पर खासकर दिल्ली में प्रवेश करने वाली लेन में दिन भर यातायात प्रभावित होता है और शाम के समय भयंकर जाम लग रहा है। दिल्ली से गाजियाबाद और नोएडा को जोड़ने वाला एनएच-9 और दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाला एनएच-48 सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले हाईवे हैं, जिन पर इसका असर साफ दिखता है।

राजमार्ग विकास में किए गए निवेश का नहीं मिल रहा परिणामः एनएचएआई

प्राधिकरण ने लंबित एमसी मेहता मामले में आवेदन दायर किया है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की निगरानी कर रहा है और 1980 के दशक से आदेश पारित कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एनएचएआई ने अपने आवेदन में सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि दिल्ली से कनेक्टिविटी सुधारने के लिए राजमार्ग विकास में किए गए भारी निवेश से टोल संग्रह बिंदुओं के कारण सीमाओं पर भीड़भाड़ के कारण वांछित परिणाम नहीं मिले हैं। अधिकारियों ने कहा कि एनएचएआई ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे सहित एनसीआर में कई परियोजनाओं का उल्लेख किया है, जिन्हें दिल्ली के लिए नहीं बनाए गए वाहनों के लिए बाईपास के रूप में बनाया गया था। इन दोनों परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद लागू किया गया था। अधिकारियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि चूंकि वाहनों से पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) का संग्रह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में शुरू किया गया था, इसलिए केवल सर्वोच्च न्यायालय ही इस मामले पर निर्णय ले सकता है।

टोल कलेक्शन प्वाइंट को सीमा से दूर शिफ्ट करने की अपील

इस अपील में यह अनुरोध किया गया है कि टोल कलेक्शन प्वाइंट को सीमा से दूर शिफ्ट किया जाए और 2015 में दिए गए पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) से जुड़े आदेश में बदलाव किया जाए। अधिकारी के अनुसार ईसीसी सिर्फ कमर्शियल वाहनों से लिया जाता है, टैक्सियों से नहीं लिया जाता है। एमसीडी फिलहाल दिल्ली की सीमाओं पर प्रमुख जगहों पर ईसीसी वसूलती है।इसमें गुरुग्राम का सिरहौल बार्डर, गाजीपुर, बदरपुर, टिकरी और कुंडली आदि शामिल हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने दिल्ली और हरियाणा प्रशासन के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। अब अंतिम फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या रहता है और एनएचएआई और एमसीडी कितनी जल्दी इन बदलावों को लागू कर पाते हैं। अगर यह योजना सफल होती है, तो दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिल सकती है। दिल्ली की सीमीओं पर 154 टोल बूथ हैं, इसमें से 13 बड़े टोल बूथ हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: ख़ुद को धोखे में मत रखो कभी सचाई को अपनाओं नहीं तो ज़िंदगी ख़त्म हो जाएगी और आपको पता ही नहीं चलेगा ।

तेलंगाना सरकार बनकाचेरला परियोजना को रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई करेगी : उत्तम

मंत्री उत्तम ने जला सौधा में शीर्ष सिंचाई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को जला सौधा में वरिष्ठ सिंचाई अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की और तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा करने तथा प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से कई सख्त निर्देश जारी किए।

उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार आंध्र प्रदेश सरकार की गोदावरी-बनकाचेरला लिंक परियोजना को रोकने के लिए कानूनी कार्यवाही करेगी, जिसे उन्होंने अवैध और राज्य के हितों के लिए हानिकारक बताया। मंत्री ने अधिकारियों को परियोजना को चुनौती देने के लिए तुरंत कानूनी रोडमैप तैयार करने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि तेलंगाना का पक्ष मजबूती से रखा जाए। समीक्षा बैठक हाल ही में हुए घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहाँ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को विस्तृत ज्ञापन दिया, जिसमें गोदावरी-बनकाचेरला प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई गई। 19 जून को हुई बैठक के दौरान, तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र से परियोजना की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट को मंजूरी न देने का आग्रह किया और तेलंगाना के मौजूदा आवंटन और उपयोग योजनाओं को बाधित करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री ने राज्य नेतृत्व को आश्वासन दिया कि अभी तक कोई मंजूरी नहीं दी गई है और इस मामले पर विचार-विमर्श करने के लिए जल्द ही शीर्ष परिषद की बैठक बुलाने का वादा किया।राज्य की प्रतिबद्धता को और पुख्ता करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि गोदावरी-बनकाचेरला लिंक परियोजना पर विस्तृत प्रस्तुति 30 जून को दोपहर 3 बजे प्रजा भवन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रस्तुति को अपडेट किया जाए ताकि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान परियोजना की शुरुआत कैसे हुई, इस पर स्पष्ट दस्तावेज शामिल किए जा सकें, जिससे आंध्र के वर्तमान कदम के पीछे की राजनीतिक पृष्ठभूमि उजागर हो सके। कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने सुरंग प्रौद्योगिकी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध दो प्रतिष्ठित सेना अधिकारियों को राज्य में सुरंग से संबंधित और अन्य सिंचाई कार्यों की देखरेख के लिए तेलंगाना सिंचाई विभाग में शामिल करने की प्रक्रिया पर चर्चा की। ये अधिकारी हाल ही में रोहतांग और जोजिला सुरंग परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल थे। भारतीय सेना के पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ जनरल हरपाल सिंह को मानद सलाहकार के रूप में तेलंगाना सिंचाई विभाग में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। सुरंग प्रौद्योगिकी और निर्माण में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित विशेषज्ञ कर्नल परीक्षित मेहरा जुलाई में विभाग में शामिल होंगे। तेलंगाना के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंत्री ने मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला के क्षतिग्रस्त बैराजों पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के निष्कर्षों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बिना देरी के एनडीएसए की सिफारिशों को लागू करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि एनडीएसए ने खुद ही जीर्णोद्धार कार्यों के लिए डिजाइन सलाहकार के रूप में काम करने की पेशकश की है। स्थिति की तात्कालिकता पर जोर देते हुए, उन्होंने साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट की मांग की और चेतावनी दी कि केंद्रीय जल आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार युद्ध स्तर पर जीर्णोद्धार कार्य आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सिंगुर नहर सहित अन्य प्रमुख कार्यों की स्थिति की भी समीक्षा की, जहां निविदाएं पहले ही आमंत्रित की जा चुकी हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों से औपचारिकताओं में तेजी लाने और समझौतों पर जल्द से जल्द हस्ताक्षर सुनिश्चित करने को कहा। डिंडी परियोजना के संबंध में, उन्हें चल रहे अंतर-संबंध समन्वय और बोरवेल के बाद की डिजाइन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने और परियोजना के निष्पादन को तेज करने के लिए संबंधित जिला कलेक्टरों से मिलने का निर्देश दिया। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना पर अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि कई एजेंसियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं, जिनमें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फर्म भी शामिल हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि एक लिडार सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए, जिसमें कहा गया कि लागत कोई बाधा नहीं है, लेकिन गुणवत्ता और गति सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को देश में उपलब्ध सर्वोत्तम जनशक्ति, उपकरण, बुनियादी ढांचे और उन्नत तकनीकों को तैनात करने का निर्देश दिया। यदि आवश्यक हो, तो परियोजना को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति की भर्ती की जानी चाहिए।

रिटायर्ड जीएसटी अधिकारी के घर से 60 लाख रुपये के सोना, हीरे और नकदी की लूट

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मधुरानगर कॉलोनी में चोरों ने एक सेवानिवृत्त जीएसटी अधीक्षक के घर को निशाना बनाया और 60 लाख रुपये मूल्य के सोने, हीरे के आभूषण और नकदी चुरा ली। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, चोरों ने मधुरानगर के सत्यदेवी विला में स्थित अकुला हरि राव के घर में घुसने के लिए कथित तौर पर डुप्लीकेट चाबियों का इस्तेमाल किया। उन्होंने लॉकर तोड़ दिए और अंदर रखे कीमती सामान चुरा लिए। हरि राव अपने परिवार के साथ 21 जून को आंध्र प्रदेश स्थित अपने पैतृक स्थान के लिए निकले थे। 24 जून को लौटने पर उन्होंने मुख्य दरवाजा खुला पाया और घर का सामान बिखरा पड़ा था। घर के अंदर जाकर उन्होंने पाया कि बेडरूम का लॉकर जबरदस्ती खोला गया था और कीमती सामान गायब था। उनकी शिकायत के आधार पर मधुरानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने तेलंगाना में चल रही विभिन्न पहलों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। अश्विनी वैष्णव ने जी किशन रेड्डी को बताया कि भारतीय रेलवे छोटी और मध्यम दूरी की ट्रेन यात्रा को बेहतर बनाने के लिए नई पीढ़ी की मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) ट्रेनें शुरू करने का इरादा रखता है। 16-20 कोच वाली नई एमईएमयू ट्रेनें तेलंगाना के काजीपेट में रेल निर्माण इकाई (आरएमयू) में बनाई जाएंगी और विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान गैर-शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगी।काजीपेट में रेल निर्माण इकाई (आरएमयू) का निर्माण 716 करोड़ रुपये के संशोधित लागत अनुमान के साथ किया जा रहा है और जनवरी 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है। उत्पादन की गतिविधि मई 2026 के आसपास शुरू होने का अनुमान है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-WCC-003

लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-BOXNWC-82-25-1 (Misc-Static-Services - BOXN Wagon Cleaning)

विवरण: VNCW/विशाखापट्टनम में OEC, RYD, CSL एवं पार्टस लोडस (C&W द्वारा चिह्नित) पर खाली रेकों के निरीक्षण/जांच के दौरान साफ किए गए वैगनों से प्राप्त अवशेष (Residue) के निपटान के साथ-साथ सफाई के लिए वैगन सफाई ठेका।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 30.06.2025 को 1000 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 30.06.2025 को 1030 बजे।

न्यूनतम वृद्धि: 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-278/Q/25-26

कल्याण निधि के लिए संपत्ति मुद्रीकरण की ओर मुड़ रही तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते राजकोषीय दबाव के बीच, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार गैर-कर राजस्व बढ़ाने और चालू वित्त वर्ष के लिए 33,600 करोड़ रुपये के अपने महत्वाकांक्षी कल्याणकारी व्यय को बनाए रखने के लिए अधिक केंद्रीय अनुदान प्राप्त करने के तरीकों की खोज कर रही है। रैतु भरोसा के अलावा, राज्य स्थानीय निकाय चुनावों से पहले इंदिराम्मा आत्मीय कनुका, महालक्ष्मी और इंदिराम्मा आवास योजनाओं के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए कमर कस रहा है। अप्रैल 2025 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए अपने अनुमानित कर राजस्व का केवल 6.23 प्रतिशत ही जुटा पाया , यानी 10,916.68 करोड़ रुपये एकत्र किए। यह अप्रैल 2024 में जुटाए गए 11,464.17 करोड़ रुपये से लगभग 548 करोड़ रुपये कम था। गैर-कर राजस्व के आंकड़े और भी कम थे, अप्रैल 2025 में केवल 253.60 करोड़ रुपये एकत्र किए गए, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 353.71 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।

केंद्र से अनुदान सहायता में मामूली सुधार हुआ है, पिछले साल शून्य संवितरण की तुलना में इस अप्रैल में 68.85 करोड़ रुपये जारी किए गए। यह लगातार दूसरा वित्तीय वर्ष है जब कांग्रेस सरकार का राजकोषीय प्रदर्शन पिछली बीआरएस सरकार से पिछड़ गया है। विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, राज्य पर कर और गैर-कर राजस्व जुटाने में सुधार करने का दबाव है। यद्यपि सरकार ने सार्वजनिक रूप से विभागों को समान बजटीय आवंटन का पालन करने का निर्देश दिया है, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि कमी को देखते हुए राजस्व पैदा करने वाले विभागों को प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

IN THE COURT OF THE HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE: CITY CIVIL COURT, AT HYDERABAD
O.S. No. 415 of 2025

Between:
Satyanarayana Sharma & others...Plaintiffs
AND
1.The Tahsildar Nampally Mandal
2.All Concerned ...Defendants
To,
All Concerned ...Defendant No.2

Please take notice that the above named plaintiffs have filed suit for Declaration to declaring the plaintiffs are the legal heirs of Late Radha Kishan Sharma at: Hyderabad, as against the schedule of property covered in the suit and the said case stand posted to **30-06-2025** for appearance if any person concerned in the suit and the said case with the above named persons of Late Radha Kishan Sharma hereby directed to appear before this Hon'ble Court on the above said date at 10:30 A.M. either in person or through counsel failing which the matter will be decided as per law.

/ By order of the Hon'ble Court/ /
P. Krishna Kumar, Advocate
Office at 13-2-562/A. Rahimpura, Puranapul, Hyderabad-06. T.S. **Cell No. 9247242169**

कर्मचारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में व्यापारी गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक अनाज व्यापारी और एमएलसी दांडे विट्ठल के ज्ञात अनुयायी को पेंचिकलपेट मंडल केंद्र में अपने कर्मचारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पेंचिकलपेट मंडल मुख्यालय के राचकोंडा कृष्णा को अपने अकाउंटेंट तुम्मिडी राजशेखर (23) को अगरगुडा गांव में 10,000 रुपये के कर्ज की अदायगी को लेकर परेशान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजशेखर के परिवार की शिकायत के बाद कृष्णा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

राजशेखर ने कथित तौर पर कृष्णा द्वारा मौखिक रूप से गाली दिए जाने के बाद अपमानित महसूस करते हुए सोमवार शाम को अपने गांव में कीटनाशक पी लिया। उसे कागजनगर के एक अस्पताल में ले जाया गया और बाद में करीमनगर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां मंगलवार शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में उस शाम, राजशेखर के परिवार और रिश्तेदारों ने कृष्णा के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कथित तौर पर युवक को यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कृष्णा पर एमएलसी विट्ठल के करीबी सहयोगी के रूप में राजनीतिक प्रभाव का दावा करके स्थानीय लोगों को परेशान करने का भी आरोप लगाया।

चीन द्वारा दुर्लभ मृदा निर्यात प्रतिबंधों के बीच विकल्पों पर ध्यान दें: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने दुर्लभ मृदा तत्वों, विशेष रूप से तेलंगाना में विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों के प्रभाव पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने और व्यवधान को कम करने के लिए रणनीतिक विकल्प तैयार करने का आग्रह किया। बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठक के दौरान प्रस्तुत एक ज्ञापन में, श्रीधर बाबू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उत्पादन के लिए आवश्यक दुर्लभ मृदा चुम्बक, कच्चे माल और विशेष रसायन जैसे महत्वपूर्ण इनपुट बड़े पैमाने पर चीन से आयात किए जाते हैं। "इन सामग्रियों के निर्यात पर चीन के हालिया प्रतिबंधों का पहले से ही घरेलू उद्योगों पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है।," उन्होंने कहा, "अगर यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो इससे काफी आर्थिक नुकसान होगा और तेलंगाना का विनिर्माण क्षेत्र विशेष रूप से कमजोर होगा।" मंत्री ने केंद्र द्वारा जमीनी हकीकत का तत्काल आकलन करने और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए उपाय शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी विनिर्माण में गति बाधित न हो। श्रीधर बाबू ने कहा, "केंद्र सरकार को हमारे उद्योगों को आपूर्ति झटकों से बचाने के लिए कदम उठाना चाहिए।" उन्होंने सोर्सिंग में विविधता लाने और घरेलू क्षमता को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का आह्वान किया।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं. 30255950, दिनांक: 18.06.2025

कार्य का नाम : स्टेशन गेट कम्युनिकेशन रिकॉर्ड करने के लिए RDSO/SPN/TC/38-2002 VER.2 अथवा नवीनतम के अनुसार 04-चैनल वॉयस लॉगर की आपूर्ति, परिवहन, संस्थापन एवं शुरुआत (एक चैनल UP साइड गेट एवं एक चैनल DN साइड गेट के लिए समर्पित है) एवं बचे हुए 02 चैनल VHF / अन्य 2 वायर कम्युनिकेशन के लिए (नियंत्रण कक्ष वॉयस लॉगर में रिकॉर्ड नहीं किया जा रहा है), जिसमें शामिल हैं : 04 चैनल VDRPU, 13.5V/15 AMP SMPS, 12V/65AH SMF बैटरी, 6U वॉल माउंट रैक। संस्थापन एवं शुरुआत के लिए आवश्यक सभी सामग्रीयों की व्यवस्था ठेकेदार द्वारा की जाएगी। (इसमें पावर केबल एवं अन्य इंटर कनेक्टिंग केबल शामिल हैं)। द्रष्टव्य : उपकरण के साथ उपयोगकर्ता पुस्तिका (User Manual) भी होनी चाहिए। रख-रखाव एवं संचालन से जुड़े आवश्यक प्रशिक्षण सभी संबंधित रेलवे कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। (समपार फाटकों की सूची संलग्न है) निर्माता : AE TELELINK अथवा अनुरूप, वाल्टियर मण्डल में 99 स्टेशनों (अनुलग्नक-'A' के अनुसार स्थान) पर संस्थापन एवं शुरुआत के लिए आवश्यक सभी सामग्रीयों की व्यवस्था ठेकेदार द्वारा की जाएगी (इसमें पावर केबल एवं अन्य इंटर कनेक्टिंग केबल शामिल है)। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 99 सेट।

(2) निविदा सं. 30255428A, दिनांक: 18.06.2025

कार्य का नाम : विनिर्देश संख्या RDSO/SPN/TC/107/2018 VER.2.0 अथवा नवीनतम, क्रम सं. 2.3(B) के अनुसार बिना कीपैड एवं बिना डिस्प्ले वाले 5 WATTS VHF डिजिटल वॉकी टॉकी सेट की आपूर्ति। प्रत्येक सेट में शामिल होंगे :- (1) कंप्लीट बॉक्स पैकिंग में अनुकूल बैटरी के साथ एक (1) VHF सेट + बैटरी चार्जर + एंटीना + उपयुक्त बेल्ट क्लिप, (2) विनिर्देश संख्या RDSO/SPN/TC/107/2018 VER.(2.0) अथवा नवीनतम के अनुसार VHF सेट के अनुकूल एक (1) अतिरिक्त बैटरी। द्रष्टव्य-1: बैटरी का प्रकार LI-ION होना चाहिए। उपरोक्त RDSO विनिर्देश के पैरा 10 की अन्य आवश्यकताएं अनुलग्नक-I में संलग्न हैं, द्रष्टव्य-2: OEM की कुल वारंटी अवधि रेडियो सेट के लिए आपूर्ति की तारीख से 5 वर्ष एवं बैटरी, बैटरी चार्जर और एंटीना के लिए न्यूनतम 1 वर्ष होनी चाहिए। मेक/मॉडल: MOTOROLA XIR P6600I अथवा अनुरूप। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 60 महीने)। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 1258 सेट।

द्रष्टव्य : सामग्री 180 दिन (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 60 दिन (क्रम सं. 2 हेतु) के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 21.07.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-276/Q/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं.वाय/सी.ई-नीलामी/एचवायबी/ 2025-26, दि.25-06-2-2025

PUB/0760

दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन पर, एटीएम तथा छिटपुट स्थैतिक सेवा श्रेणी के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अनुबंधों (कमर्शियल पब्लिसिटी कांट्राक्ट्स) को प्रदान करना। ई-नीलामी की अनुसूची को नीचे दिया गया है।

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.-	कार्य विवरण	नीलामी तिथिः	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1	एटीएम-एचवायबी-जीडब्ल्यूडी-जन.-48-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के गद्वाल रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	11.30	12.00
2	एटीएम-एचवायबी-केआरएनटी-जन.-47-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	11.40	12.10
3	एटीएम-एचवायबी-जेसीएल-जन.-46-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के जडचेर्ला रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	11.50	12.20
4	एटीएम-एचवायबी-वीडीआय-जन.-49-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के वेलदुर्थी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	12.00	12.30
5	एटीएम-एचवायबी-एसएचएनआर-जन.-45-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के शादनगर रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	12.10	12.40
6	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जन.-3-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	हैदराबाद डिवीजन के सीताफलमण्डी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) प्रदान व्यवस्था।	03.07.25	12.20	12.50
7	एटीएम-एचवायबी-जेओओ-इवीसी-जन.-17-23--1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-इवी चार्जिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	जामे उस्मानिया रेलवे स्टेशन पर ईवी चार्जिंग स्टेशन व्यवस्था।	03.07.25	12.30	13.00
8	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स--जीजेड.-71-24--1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एचवायबी-एमएसएस-एटीएम	सफीलगुडा रेलवे स्टेशन पर गेमिंग झोन (बाक्स क्रिकेट) की स्थापना करना।	03.07.25	12.40	13.10

A0953 हस्ता./-वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

विदेशी सिगरेट की अवैध खरीद-फरोख्त में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम ने अफजलगंज पुलिस स्टेशन के साथ समन्वय में, अफजलगंज पीएस के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गौलीगुड़ा (बस डिपो के पीछे की ओर) में छापा मारा और विदेशी सिगरेट के अवैध आयात और बिक्री में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी मनोहर सिंह गौलीगुड़ा चमन, अफजलगंज, हैदराबाद का रहने वाला है। आरोपी को निजी परिवहन सेवाओं के माध्यम से दिल्ली से हैदराबाद तक कम कीमत पर विदेशी सिगरेटों का अवैध आयात करते हुए पाया गया। वह अपने आवासीय परिसर में प्रतिबंधित सामान का भंडारण कर रहा था और इसे शहर भर में पान की दुकानों, किराना स्टोर और छोटे विक्रेताओं को उच्च दरों पर बेच रहा था, जिससे अवैध लाभ कमा रहा था। आरोपी के पास से भारी मात्रा में 7,05,000 रुपए के विदेशी सिगरेट जब्त किए गए। पुलिस उपायुक्त आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि आरोपी मनोहर सिंह, गौलीगुडा चमन, अफजलगंज में रहता है। वह मूल रूप से सिगरेट लाइटर मार्केटिंग व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। अवैध तरीकों से जल्दी और आसानी से पैसा कमाने के लिए, वह दिल्ली में विदेशी सिगरेट का कारोबार करने वाले एजेंटों के संपर्क में आया। बिना किसी वैध टैक्स इनवॉयस के, वह कम कीमत पर विदेशी सिगरेट के विभिन्न ब्रांड खरीद रहा था और उन्हें निजी सड़क परिवहन सेवाओं के माध्यम से हैदराबाद ले जा रहा था।

आने पर, उसने सिगरेट के डिब्बों को अपने घर पर संग्रहीत किया और उन्हें स्थानीय दुकानदारों और विक्रेताओं को बढ़े हुए दामों पर बेच दिया। इन विदेशी सिगरेटों की अवैध बिक्री, जिन पर अनिवार्य वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनी नहीं होती है, न केवल सीओटीपीए (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) का उल्लंघन करती है, बल्कि तंबाकू की खपत को हतोत्साहित करने के लिए लगाए गए सरकारी करों की भी चोरी करती है। उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार, सिगरेट के पैकेटों पर 85% पैकेजिंग स्थान को कवर करने वाली ग्राफिक स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित करना अनिवार्य है। हालांकि, ये अवैध रूप से आयातित विदेशी ब्रांड भारत सरकार द्वारा निर्धारित पैकेजिंग और लेबलिंग आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं करते हैं। आरोपी को जब्त किए गए 7,05,000 मूल्य के प्रतिबंधित माल के साथ आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए अफजलगंज पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर को सौंप दिया गया है।

कविता ने रेवंत रेड्डी को कांग्रेस की 6 गारंटियों पर विधानसभा में दी बहस की चुनौती

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को कांग्रेस सरकार द्वारा अपनी छह गारंटियों को लागू करने में विफलता पर विधानसभा में खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने मांग की कि सरकार महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों से किए गए वादों पर चर्चा शुरू करे। एबिड्स में जनरल पोस्ट ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए कविता ने रेवंत रेड्डी पर चुनाव के दौरान किए गए कल्याणकारी योजनाओं को पूरा करने के बजाय झूठ और ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के 18 महीने बाद भी कांग्रेस सरकार बुजुर्गों, दिव्यांगों और अन्य लाभार्थियों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाने में विफल रही है।

उन्होंने पूछा कि महिलाओं को दिए गए 2,500 रुपये मासिक सहायता का क्या हुआ? बीआरएस एमएलसी ने पोस्टकार्ड अभियान शुरू करने के बाद धरना दिया, जिसमें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को हजारों पोस्टकार्ड भेजे गए, जिसमें उनसे हस्तक्षेप करने और चुनावी वादों को लागू करने को सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों ने सोनिया गांधी के आश्वासनों और विधानसभा चुनावों के दौरान उनके नाम पर वितरित किए गए गारंटी कार्डों पर भरोसा करते हुए कांग्रेस को वोट दिया था। उन्होंने कहा कि वे गारंटी कार्ड बेकार हो गए हैं और लोग आप पर विश्वास करके ठगा हुआ महसूस करते हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कविता ने कांग्रेस को पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा किए बिना स्थानीय निकाय चुनावों में उतरने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि इससे सत्तारूढ़ पार्टी को राजनीतिक नुकसान होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी से काम करने की सलाह दी।

पाँचवी पुण्यतिथि

(भूतपूर्व नायब सूबेदार सैनिक)

स्व. श्री सुजारामजी चोयल

सुपुत्र: स्व.श्री मेघारामजी चोयल मरुधर मे बेरा मूरकावा गाँव धनला

: स्वर्गवास : 26-06-2020

चले गये हो बीच राहों में, दिलों से नहीं जा पाओगे।
आँखों में है आँसू गम के, उम्र भर याद आओगे।।

- - - : श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : - - -

टीपुबाई (धर्मपत्नी), सोहनलाल-लीला, प्रकाश-भवरी, रमेश-सन्तोष, चिमनाराम-सविता (पुत्र-पुत्रवधु), दिलीप, मनीष (पौत्र), दिव्या, दिपीका, हेमांशी, डिंकी, जिया, तमन्ना, सृष्टि (पौत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

- : फर्म : -

* जे.बी. इन्टरप्राईज गांधीनगर (चिन्तल) - 9441017987
* सागर ट्रेडर्स गांधीनगर (चिन्तल) - 9949103872
* विजय लक्ष्मी ईन्टरप्राईज गांधीनगर (चिन्तल) - 9912212620

P.Solankey

आरजेडी से निकाले गए तेज प्रताप यादव अब बनेंगे पायलट! पास किया सीपीएल इंटरव्यू

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से निष्कासित किए जा चुके बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) कोर्स के शुरुआती चरण का इंटरव्यू पास कर लिया है। बिहार सरकार के उड्डयन निदेशालय द्वारा 20 जून को जारी सफल उम्मीदवारों की सूची में तेज प्रताप को 18 में से पांचवां स्थान मिला है। तेज प्रताप ने 'एब-इनिशियो टू सीपीएल कोर्स' के लिए आयोजित साक्षात्कार और दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। यह प्रक्रिया 16 दिसंबर 2024 से 18 दिसंबर 2024 के बीच हुई थी। चयनित अभ्यर्थियों में तेज प्रताप का नाम प्रमुखता से सामने आया है।

लालू यादव ने तोड़ लिया था नाता

तेज प्रताप यादव हाल ही में तब सुर्खियों में आए थे, जब उनके पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। पार्टी से बाहर किए जाने की वजह एक फेसबुक पोस्ट मानी गई, जिसमें तेज प्रताप ने एक महिला अनुष्का के साथ अपने संबंधों को सार्वजनिक किया था। बाद में तेज प्रताप ने पोस्ट हटा दी और दावा किया कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। तेज प्रताप को पार्टी से निकालने के बाद लालू प्रसाद ने उनसे व्यक्तिगत तौर पर भी नाता तोड़ लिया था। उन्होंने बेटे पर 'गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार' करने का आरोप लगाया था। इस विवाद के कुछ दिनों बाद तेज प्रताप की पत्नी ऐश्वर्या राय ने मीडिया के सामने आकर कहा था कि उनकी शादी एक 'साजिश' थी और तेज प्रताप का पहले से ही एक महिला से रिश्ता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके ससुरालवालों ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। राजद से निष्कासन के बाद तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर छोटे भाई तेजस्वी यादव के नाम भावनात्मक संदेश लिखा था। उन्होंने कहा था, मेरे भाई, मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं। मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद बाहर भी हैं और अंदर भी। तेज प्रताप यादव के इस नए कदम को उनके राजनीतिक जीवन से हटकर एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह सच में पायलट बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं या फिर राजनीति में दोबारा वापसी की कोशिश करते हैं।

सपा विधायकों पर कार्रवाई: पीडीए की जय हो

कौशांबी, 25 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन बागी विधायकों पर सपा की कार्रवाई से राजनीतिक चौपालों में हलचल बढ़ गई है। चर्चा इस बात पर हो रही कि क्रॉस वोटिंग करने वाली चायल की सपा विधायक पूजा पाल पर नरमी क्यों। सियासी पंडितों को कहना है कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) फैक्टर बगावत पर भारी पड़ गया। पूजा पाल पिछड़ा वर्ग से हैं। पंचायत चुनाव नजदीक है। समाजवादी पार्टी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। बीते साल राज्यसभा चुनाव में सपा के सात विधायकों ने बगावत कर क्रॉस वोटिंग की थी। जबकि, एक विधायक गैरहाजिर रहीं। क्रॉस वोटिंग करने वालों में कौशाम्बी जिले के चायल की विधायक पूजा पाल भी शामिल थीं। चुनाव बाद से बागी विधायकों के पार्टी से निष्कासन को लेकर

पूजा बन गईं अच्छे व्यवहार वाली बागी विधायक; इसलिए इन पर दिखाई नरमी

अटकलें लगने लगी थीं। लेकिन सियासी कारणों से मामला टलता रहा। सोमवार को पार्टी ने कार्रवाई भी की तो सिर्फ तीन विधायकों मनोज पांडे, राकेश प्रताप सिंह और अभय प्रताप सिंह के खिलाफ। बाकी को अच्छे व्यवहार के नाम पर मोहलत दे दी। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों पर आधारित राजनीति के हिसाब से कौशाम्बी महत्वपूर्ण है। यह सच है कि बगावत के बाद पूजा पाल ने सपा या सपा नेतृत्व के खिलाफ कोई बयानबाजी नहीं की। लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि वह पार्टी लाइन से हटकर लगातार भाजपा का समर्थन करती रहीं। पिछले लोकसभा चुनावों में उन्होंने भाजपा के लिए बैठकें भी कीं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सपा मुखिया इन दिनों पीडीए को साधने की कोशिश कर रहे हैं।

इसके अलावा हाल ही में हुई सैनी कोतवाली के लोहंदा गांव में आठ वर्षीय बालिका के साथ कथित दुष्कर्म की घटना है। जिसको लेकर पूरे प्रदेश में पिछड़ा वर्ग खासतौर से पाल बिरादरी में सत्ताधारी दल भाजपा को लेकर नाराजगी दिखी है। इससे भी चायल विधायक पर नरमी बरतने के कयास लगाए जा रहे हैं। जिले में पाल बिरादरी की बात करें तो प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में इनके 20 से 25 हजार वोटर हैं। ये 2014 से 2019 तक के चुनावों में अधिसंख्य भाजपा के साथ थे। सपा से पूजा पाल की उम्मीदवारी के कारण वर्ष 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में पालों का काफी हिस्सा भाजपा से खिसक गया था। इस वोट को दोनों दल साधने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से विधायक पूजा पाल लगातार भाजपा से करीबी बढ़ाती दिख रही हैं। अक्सर उन्हें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ मंच साझा करते भी देखा जाता है। लोहंदा कांड में भी पूजा ने एक लाख रुपये की आर्थिक मदद कर यह संदेश देने का प्रयास किया कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर शुभांशु ने रचा इतिहास भावुक माता-पिता बोले- उन पर नाज है

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन व भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के माता-पिता अपने बेटे की उपलब्धि पर भावुक हो गए। वो कानपुर रोड स्थित सीएमएस के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। शुभांशु 41 वर्ष पहले लगातार आठ दिन पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले दूसरे भारतीय बने। एक्सिओम-4 मिशन ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर दी है। लॉन्चिंग के दौरान शुभांशु के माता-पिता की आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश को उन पर नाज है। इस मौके पर एसआईए इंडिया के अध्यक्ष डॉ। सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा, 'हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जा रहे हैं। यह भारत के लिए एक महान दिन है।' एक्सिओम मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बारे में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। मैं उन्हें और उनके पूरे परिवार को बधाई देता हूं।

माता-पिता बोले- बहू ने निभाई बड़ी भूमिका

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि यह हमारे और सभी के लिए गर्व का क्षण है। जगह-जगह पोस्टर लगाए जा रहे हैं। सभी को खुशी है कि इस देश का, इस त्रिवेणी नगर का एक लड़का इतनी ऊंचाई पर पहुंचने जा रहा है। हम उसे अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेज रहे हैं। उसे हमारी बहू का पूरा समर्थन है। उसके बिना यह संभव नहीं हो सकता था। उसने यहां सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हम उसके मिशन के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम बहुत खुश हैं। हमारा आशीर्वाद उसके साथ है और हम भगवान से भी प्रार्थना करते हैं कि उसका मिशन अच्छे से पूरा हो। उसके लिए लगाए गए सभी पोस्टर देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह लखनऊ, राज्य और हमारे देश का नाम रोशन कर रहा है। हमें उस पर गर्व है।

अतीक अहमद के बेटे अली से नहीं मिल पाएंगे उसके गुर्गे, 61 को नैनी जेल से किया गया शिफ्ट

प्रयागराज, 25 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को लेकर जेल प्रशासन ने फिर से सतर्कता बढ़ा दी है। अली से जेल के अंदर अतीक अहमद के गुर्गों का कोई संपर्क न हो पाए इसके लिए कदम उठाए गए हैं। जेल प्रशासन की अतीक के बेटे अली की पल पल पर नजर है। सीसीटीवी की चौबीसों घंटे निगरानी में रखने के बाद अब उस संभावना को भी खत्म कर दिया गया है जिसमें अली अतीक के गुर्गों से संपर्क कर सकता है। इसी सेंट्रल नैनी जेल में बंद अतीक अहमद के 61 गुर्गों को जेल से शिफ्ट कर दिया गया है। जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल के मुताबिक सेंट्रल नैनी जेल में बंद 61 विचाराधीन कैदियों को सेंट्रल नैनी जेल से जिला जेल भेजा गया है। ये सभी अतीक अहमद के गुर्गे हैं। बताया जा रहा है कि इन्ही गुर्गों की वजह से अतीक अपना साम्राज्य चलाता था, जो अतीक अहमद की हत्या के बाद अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की रहनुमाई में है। इन्हीं के नेटवर्क से अली और अतीक के बचे हुए गैंग के सदस्यों के बीच भी संभव था। डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय टीम इस प्रकरण की जांच कर रही है। अली की बैरक भी शिफ्ट कर दी गई। डीजी जेल की तरफ से अली की एक एक मूवमेंट पर निगरानी की जा रही है। माना जा रहा है कि इसी कड़ी में अतीक के 61 गुर्गों को भी सेंट्रल नैनी जेल से जिला जेल शिफ्ट किया गया है। ये सब अंडर ट्रायल बंदी थे। जिला जेल अधीक्षक अमिता दुबे ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि केंद्रीय कारागार से स्थानांतरित 127 विचाराधीन बंदियों को पहले 10 दिनों तक क्वारंटाइन किया गया है।

पूर्णिया को सैन्य शिक्षा और सुविधाओं का हब बनाना चाहते हैं पप्पू यादव रक्षा मंत्री से की सैनिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय की मांग

पूर्णिया, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर सीमांचल की सामरिक, शैक्षणिक और सामाजिक आवश्यकताओं को लेकर कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा संवेदनशीलता और युवाओं की सैन्य सेवा में गहरी भागीदारी को रेखांकित करते हुए पूर्णिया में सैनिक स्कूल खोलने, सेना भर्ती पूर्व-प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने और केन्द्रीय विद्यालय के भवन निर्माण जैसे मांगों पर तत्काल कार्रवाई की अपील की।

सैनिक स्कूल की स्थापना की रखी मांग

पप्पू यादव ने रक्षा मंत्री को बताया कि पूर्णिया नेपाल सीमा से सटा एक रणनीतिक क्षेत्र है, जहां से बड़ी संख्या में युवा भारतीय सेना में भर्ती होते हैं। लेकिन, संसाधनों की कमी और प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव के चलते कई योग्य उम्मीदवार पीछे रह जाते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सैनिक स्कूल की स्थापना से प्रारंभिक स्तर से ही बच्चों में सैन्य अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होगी।

केंद्रीय विद्यालय के लिए भूमि आवंटन का भी उठाया मुद्दा

इसके साथ ही सांसद ने पूर्णिया में केंद्रीय विद्यालय के लिए भूमि आवंटन और भवन निर्माण में हो रही देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि 2005 में वायुसेना परिसर में स्थापित यह स्कूल आज भी किराए के भवन में संचालित हो रहा है, जिससे सैकड़ों छात्रों की पढ़ाई बाधित हो रही है।

सीमांचल के सामरिक विकास की रखी मांग

पप्पू यादव ने सीमांचल के सामरिक विकास को मजबूती देने के लिए ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक, सैन्य कैंटीन (सीएसडी),डीआरडीओ फील्ड यूनिट और एनसीसी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की मांग भी रखी। साथ ही, शहीदों की स्मृति में 'वीर स्मारक' या 'शौर्य स्थल' के निर्माण का प्रस्ताव दिया ताकि युवा पीढ़ी देशभक्ति से प्रेरणा ले सके। सांसद ने कहा कि सीमांचल की यह मांगें सिर्फ स्थानीय विकास का हिस्सा नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव से भी जुड़ी हुई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रक्षा मंत्रालय जल्द इन प्रस्तावों पर निर्णय लेकर सीमांचल को एक नई दिशा देगा।

सीएम योगी बोले- मोदी राज में किसानों में आई खुशहाली, अब किसान आत्महत्या नहीं करता है

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों की अकर्मण्यता के कारण कृषि के क्षेत्र में जो विकास हो सकता था वो नहीं हो पाया। इससे हमारे किसान लाभ से वंचित रह गए। योजनाएं आपस में धन के बंदरबांट के लिए बनती थीं और हमारे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता था। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद देश में समग्र विकास की जो अवधारणा विकसित हुई है। उससे देश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लखनऊ में गोरखपुर, कानपुर एवं कन्नौज के डेयरी प्लांट्स तथा अंबेडकरनगर की पशु आहार निर्माणशाला के संचालन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मध्य एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

12वीं के स्टूडेंट ने मां को मारकर बेड में भरा

कानपुर, 25 जून (एजेंसियां)। कानपुर में बड़े बेटे ने मां की दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी। इसके बाद बॉडी बेड के अंदर भर दी। इस वारदात के कुछ घंटे बाद जब छोटा बेटा स्कूल से आया, तो पूछा कि मां कहां है? इस पर बड़ा भाई कुछ नहीं बोला। वह काफी देर तक मां को ढूंढता रहा। इसके बाद जब छोटा बेटा मां के कमरे में गया, तो वो उसे बेड के बाहर दुपट्टा फंसा देखा। इस पर उसने बेड खोला, तो अंदर मां बेहोश पड़ी थीं। इसके बाद छोटे बेटे ने मामा और पुलिस को इस बारे में बताया। पुलिस पहुंची, तो मां की सांसें चल रही थीं। पुलिस मां को अस्पताल लेकर गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी बड़ा बेटा 12वीं का स्टूडेंट है, जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पति अक्सर शहर से बाहर रहते हैं

रावतपुर में रहने वाले सुभाष सचान मार्केटिंग का काम करते हैं। वह काम के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहते हैं। सुभाष इन दिनों बरेली में हैं। परिवार में पत्नी उर्मिला सचान, दो बेटे थे। बड़ा बेटा 12वीं का छात्र है। जबकि छोटा बेटा अमन सचान 11वीं में पढ़ता है। दोनों अर्मापुर के केंद्रीय विद्यालय-2 में पढ़ते हैं। छोटे बेटे अमन ने बताया- मैं आज सुबह स्कूल गया था। बड़े भइया स्कूल नहीं गए थे। वो घर पर ही थे। मेरी ड्यूटी सुबह बर्तन साफ करने की थी, जबकि भइया का काम झाड़ू लगाना था। मैं लेट हो रहा था, इसलिए बिना बर्तन साफ किए स्कूल चला गया। इस पर मां ने बड़े भइया से कहा कि वो बर्तन साफ कर दे। इस पर भाई का मां से झगड़ा हो गया। उसने मां का उसके ही दुपट्टे से गला कस दिया। इसके बाद मां को बेड में भर दिया। मैंने मां को बेड से बाहर निकाला। मामा नंद किशोर कटियार को सूचना दी। फिर पुलिस को बुलाया। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची, तब महिला की सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल में एडमिट कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौके से बड़े बेटे को हिरासत में लिया गया है। उसका कहना है कि मां की नाक से खून निकल रहा था। इस पर मुझे लगा कि वो मर जाएंगी, तो लोग मुझ पर शक करेंगे। इसीलिए मैंने गला घोंटकर उन्हें बेड में भर दिया।

वाराणसी-दिल्ली वंदे भारत में यात्री के ऊपर बहने लगा झरना, भीग गई पूरी सीट

वाराणसी, 25 जून (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस बहुत अच्छी ट्रेन बताई जाती है। यात्री इस ट्रेन में टिकट बुक करके सफर करते हैं, ताकि उनकी यात्रा आरामदायक और सुविधाजनक हो सके। इस सेमी हाई स्पीड ट्रेन की चर्चा अक्सर ही की जाती है। ये ट्रेन बहुत ही ज्यादा सुर्खियों में भी रहती है। एक बार फिर ये ट्रेन सुर्खियों में है। जो वंदे भारत सुर्खियों में है वो वाराणसी से नई दिल्ली रोज सुबह छह बजे चलती है। इसके सुर्खियों में रहने का कारण ट्रेन की एक कोच में बारिश के पानी का गिरना है। बताया जा रहा है कि वाराणसी से नई दिल्ली के लिए जा रही वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सी7 कोच में बारिश का पानी गिरने लगा। इस दौरान ट्रेन में लगा एसी भी काम नहीं किया। यात्रियों ने इसकी शिकायत रेल मदद से भी की, लेकिन उनको किसी प्रकार की सहायता नहीं दी गई। यात्रियों ने दिल्ली तक ऐसे ही सफर किया।

मंत्री राजभर बोले- मुसलमान सपा के गुलाम

अखिलेश साइकिल मुसलमान को दें, खुद कैरियर पर बैठें, तब पता चलेगा कितना दर्द होता है

आजमगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने आजमगढ़ में कहा- मुसलमान सपा के गुलाम हैं। ये लोग हक, शिक्षा, स्वास्थ्य, अमन-चैन की बात नहीं करते, बल्कि नफरत की बात करते हैं। सपा, बसपा और कांग्रेस नफरत सिखाने का काम करती हैं। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा- 18% मुसलमान सपा को वोट देते हैं। अखिलेश यादव साइकिल चलाते हैं, जबकि मुसलमान साइकिल के पीछे कैरियर पर बैठता है। इस बार 2027 के चुनाव में अगर आपकी सरकार बनती है तो साइकिल चलाने के लिए किसी मुसलमान को दे दीजिए, आप (अखिलेश) पीछे कैरियर पर बैठिए। तब पता चल जाएगा कि कितना दर्द होता है। राजभर सिधारी के पल्हनी में पार्टी के संगठन मंत्री चंद्रजीत राजभर के भाई के निधन के बाद सांत्वना देने पहुंचे थे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा- प्रदेश में सपा की चार बार की सरकार में 800 दंगे हुए। आज देश और प्रदेश की जनता विकास चाहती है। पार्टी का चश्मा हटाकर देखिए, हर क्षेत्र में विकास हो रहा है।

मैं चार महीने से आजमगढ़ जिले के दौरे पर आ रहा हूं। यह देख विपक्ष के नेता परेशान हैं। हम गुलामों को गुलामी का एहसास करा रहे हैं। देश की आज़ादी के बाद शैक्षिक स्तर में सुधार हुआ है। पहली बार मुसलमानों के 51 बच्चे आईएएस बने हैं। यह काम कांग्रेस, सपा, बसपा भी कर सकती थीं, लेकिन इन लोगों ने नहीं किया। लोग मुसलमानों को सिखाते हैं कि भाजपा मुसलमानों की दुश्मन है। अगर भाजपा मुसलमानों की दुश्मन होती, तो इतने सारे बच्चे आईएएस कैसे पास कर जाते? केंद्र और प्रदेश की सारी योजनाएं किसी जाति या मजहब के लिए नहीं बन रही हैं, बल्कि सभी लोगों के लिए बनाई जा रही हैं। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर राजभर ने कहा- कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। नेताओं और पत्रकारों को जेल में डालने का काम किया गया। कांग्रेस ने पूरी तरह से तानाशाही कर दी थी। संविधान की धज्जियां उड़ाई गई थीं।

सपा से तीन विधायकों के निकाले जाने पर राजभर ने कहा- वे लोग तो डेढ़ साल पहले ही निकल गए थे। प्रचार में दिखाने के लिए अभी तीन को निकाला गया है। एक-दो महीने बाद फिर कुछ लोगों को निकालेंगे। ये सब सिर्फ प्रचार के लिए किया जा रहा है। भाजपा के विधायक पुलिस और राजस्व अधिकारियों पर हमला कर रहे हैं, इस पर क्या कहेंगे? जवाब में राजभर ने कहा- छिटपुट घटनाएं अगर हो रही हैं, तो हम इसकी निंदा करते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

मुस्लिमों दाढ़ी-टोपी-कब्रिस्तान बचाओ

एआईएमआईएम नेता के बोल- मोदी देश को गृहयुद्ध की ओर धकेल रहे

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कई बार विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है। अब एक बार फिर बिहार की राजधानी पटना में एआईएमआईएम 29 जून को विरोध प्रदर्शन करने वाली है। प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने पटना में 29 जून को वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ होने वाली रैली में मुस्लिम समुदाय से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने वक्फ कानून को मोदी सरकार की नाकामी छुपाने की कोशिश बताया और इसे संविधान विरोधी करार दिया। ईमान ने ईरान-इजरायल संघर्ष पर भी चिंता व्यक्त की और ईरान के समर्थन का आह्वान किया। एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने पटना में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ 29 जून को आयोजित होने वाले रैली में मुस्लिम समुदाय के लोगों से शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इमारतें सरिया के द्वारा वक्फ कानून के खिलाफ सभा का आयोजन किया जा रहा है और इसमें उलेमाओं के साथ साथ मुस्लिम बुद्धिजीवी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए यह कानून लाई है, जिसका हम लोग पुरजोर विरोध करते है। उन्होंने कहां की नरेंद्र मोदी देश में गृह युद्ध जैसे हालत उत्पन्न करना चाहते है और इसी वजह से वक्फ कानून लाया गया है । ईमान ने कहा कि यह कानून संविधान के खिलाफ है और इसे लागू होने नहीं देंगे। ईमान ने कहा कि यदि लोग चाहते है कि उनकी दाढ़ी टोपी और कब्रिस्तान बचे तो इस रैली में जरूर शामिल हो।

विधानसभा की इन 108 सीटों पर है अखिलेश यादव की नजर, सपा चीफ ने बनाई रणनीति

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने अभी से मिशन 2027 की तैयारी तेज कर दी है। सपा की नजर प्रदेश की उन सीटों पर है जिन पर पार्टी की पकड़ कमजोर है। सपा ऐसी एक-एक सीट पर पार्टी के संगठन और उन तमाम वजहों की समीक्षा करने में जुटी है जो हार का कारण बन सकते हैं। इन सभी सीटों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है जो चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा करेंगे।

जिसके बाद अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को देंगे। ये पहली बार है जब समाजवादी पार्टी की ओर से इस तरह की कवायद शुरू की गई है। 2027 के चुनाव को देखते हुए सपा की नजर उन 108

सीटों पर खासतौर से है जहां पिछले तीन बार से लगातार पार्टी हार का सामने करती आ रही है। इनमें मध्य यूपी की इलाहाबाद पश्चिम, लखनऊ कैंटोनमेंट सीट है इसके अलावा पूर्वी यूपी की बासी और देवरिया, पश्चिमी यूपी में नोएडा और गंगोह, ब्रज क्षेत्र में आगरा केंटोनमेंट और एत्मादपुर जैसी सीटें आती हैं।

कमजोर सीटों पर पर्यवेक्षकों को दी गई जिम्मेदारी

इसके अलावा सपा ने उन सीटों पर भी सही स्थिति परखने में लगी है जहां पार्टी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इनमें से एक पर्यवेक्षक दल पश्चिमी यूपी की शामली सीट पर भी भेजा गया है। इस सीट पर सपा ने 2022 में जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी हालांकि 2017 में और 2012 में सपा को यहां हार का सामना करना पड़ा था। वहीं फिरोजाबाद की दो और बदायूं की एक सीट भी ऐसी है जहां सपा कमजोर हैं। सपा के पर्यवेक्षकों की टीम ने इन कमजोर सीटों पर पिछले एक पखवाड़े में दो-दो बार दौरा किया है। जिसमें उन्होंने यहां के जिलाध्यक्षों, जिला ईकाई समेत तमाम पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न जातियों और समुदायों के प्रभावशाली लोगों के साथ भी अलग-अलग बैठकें की है। सूत्रों के मुताबिक सपा ने पूर्व विधायकों को पर्यवेक्षकों की टीम में शामिल किया है। किसी तरह के पक्षपात से बचने के लिए ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है जो बाहर के हैं।

नौ वर्षीय बालिका को किस तरह कर दिया जिस्म बेचने पर मजबूर

आगरा, 25 जून (एजेंसियां)। आगरा के सदर क्षेत्र में नौ वर्ष की बालिका से देह व्यापार कराने के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। राजस्थान से संचालित गिरोह ने बालिका को बेचा था। इसके बाद उससे कथित मां के बेटे ने दुष्कर्म किया। हर दिन महिला के घर पर ग्राहक आते थे। बालिका से जबरन देह व्यापार कराया जाता था। पुलिस ने महिला गीता, उसके पति मानिकचंद, बेचने वाले कुनाल सहित 4 को जेल भेजा। पूछताछ में 5 अन्य आरोपियों का पता चला है, इनकी तलाश की जा रही है। रामबाग निवासी भारतीय किसान यूनियन स्वराज के जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह को ग्वालियर मार्ग पर एक बालिका मिली थी। वह मदद की गुहार लगा रही थी। इस पर वो उसे पुलिस के पास लेकर गए थे। बालिका ने आरोप लगाया कि उसकी कथित मां उससे देह व्यापार कराती है। विरोध पर पीटा जाता है। सिगरेट से दागते हैं। उसे यातनाएं दी जा रही हैं। वह मुश्किल से भागकर आई है। बालिका की आपबीती सुनकर पुलिसकर्मियों के भी हैरान रह गए। एसीपी हेमंत कुमार ने बताया कि कथित मां गीता, मोहित, दिलीप कुमार और शोहिल के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धारा में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने गीता के बाद उसके पति मानिकचंद, बालिका से दुष्कर्म करने वाले बेटे अमित और 60 हजार रुपये में बेचने वाले राजपुर चुंगी, आनंद नगर निवासी कुनाल उर्फ राहुल उर्फ जोनी को गिरफ्तार कर लिया। उनके साथ ही कुनाल की पत्नी शालू और गीता के बेटे का दूसरे बेटे का भी नाम सामने आया है। इन सभी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी है।

'त्रिपुरा की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठा रहे ड्रग तस्कर'

सीएम ने नशा तस्करी के लिए बांग्ला देश को घेरा

अगरतला, 25 जून (एजेंसियां)। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने बुधवार को बढ़ती नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने का वादा दोहराया। साथ ही बांग्लादेश के इसमें शामिल होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भौगोलिक स्थिति के कारण ड्रग तस्कर त्रिपुरा को अवैध तस्करी के लिए गलियारे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा तीन ओर से बांग्लादेश से घिरा हुआ है। साथ ही हमारे राज्य की सीमा असम और मिजोरम से भी लगती है। मख्यमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है। जबकि यह असम और मिजोरम के साथ अंतर-राज्यीय सीमाओं का एक छोटा सा हिस्सा साझा करता है। राज्य की भौगोलिक स्थिति के कार ड्रग माफिया राज्य को ड्रग तस्करी के लिए गलियारे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने हमारे लड़के-लड़कियों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा नशे की समस्या के शिकार हो गए हैं और राज्य सरकार ने नशा करने वालों के पुनर्वास के लिए कदम उठाए हैं।

हमने नशे की लत से ग्रस्त व्यक्तियों को ठीक करने के लिए राज्य के सभी आठ जिलों में नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। प्रत्येक नशा मुक्ति केंद्र पर 20 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सीएम ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने सिपाहीजाला जिले के बिश्रामगंज में एक विशेष नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने के लिए पहले ही 198 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। सरकार निजी स्वामित्व वाले नशा मुक्ति केंद्रों की निगरानी के लिए नियम तैयार करने की प्रक्रिया में है।साहा ने कहा कि राज्य ने मादक पदार्थों की लत और अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ने के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस समस्या को रोकने के लिए लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में मादक पदार्थों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की जब्ती में लगभग 103 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि इस अवधि के दौरान ऐसी वस्तुओं के विनाश में भी 132 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

यह दर्शाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। सीएम ने कहा कि हम स्कूली पाठ्यक्रम में यौन शिक्षा शुरू करने पर विचार कर रहे हैं ताकि छात्रों को नशीली दवाओं के निरंतर उपयोग के प्रभाव के बारे में जागरूक किया जा सके। रिपोर्टों से पता चलता है कि छात्रों का एक वर्ग नशीली दवाओं में लिप्त हो रहा है।

ईरान-इजराइल जंग के बीच कतर में फंसी उज्जैन की महिला

उज्जैन, 25 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल जंग के बीच उज्जैन की एक महिला मनीषा भटनागर कतर की राजधानी दोहा में फंसी हुई हैं। वह कतर एयरवेज में सीनियर केबिन क्रू के पद पर काम करती हैं। बीते तीन वर्षों से वहीं पर हैं। महिला का परिवार नानाखेड़ा स्थित अभिषेक नगर में रहता है। पति रजत भटनागर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि रात को पत्नी का फोन आया था। वह घबराई हुई थी। उसने बताया कि मिसाइल से अटैक हो रहे हैं। घर के पास आवाजें आ रही हैं। पति ने बताया कि इसके बाद हमने न्यूज चैनल लगाया तो देखा कि कतर में स्थित अमेरिका के सैन्य बेस पर ईरान ने हमला किया है। जिससे काफी पैनिक स्थिति बन गई थी। कुछ समय बाद फिर रजत ने पत्नी को फोन लगाया लेकिन रिसीव नहीं किया गया। इस कारण से घर परिवार के लोग परेशान हो रहे थे।

गुजरात में उप-चुनाव पर अरविंद केजरीवाल का बड़ा खुलासा, 'कांग्रेस के साथ हमारी बातचीत हुई

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। गुजरात की विसाबदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीत से आम आदमी पार्टी उत्साहित है। पार्टी ने इसी के साथ मिशन 2027 में जुट गई है। पंजाब और गुजरात में 2027 में विधानसभा के चुनाव होंगे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उप-चुनाव नतीजों पर कहा कि गुजरात की ये जीत, 2027 के चुनाव की तरफ इशारा है। विसाबदर से जीतने वाले गोपाल इटालिया और लुधियाना पश्चिम से जीतने वाले संजीव अरोड़ा के साथ दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा, "गुजरात की जनता त्रस्त हो गई है। गुजरात सरकार का एक मंत्री मुझे मिला। मुझे बताया कि बीजेपी के 30 साल के शासन से यहां की जनता त्रस्त है। उन्हें हराना चाहती है, लेकिन बीजेपी का प्रशासन पर ऐसी पकड़ है कि पता नहीं हो पाएगा या नहीं हो पाएगा।" अरविंद केजरीवाल ने कहा, "मैंने कहा कि ये जनतंत्र है, जिस दिन जनता खड़ी हो जाएगी, बड़े-बड़े सिहासन हिल जाएंगे। गुजरात की ये जीत, 2027 के चुनाव की तरफ इशारा है। ये दिखाता है कि गुजरात की जनता के पास आज तक विकल्प नहीं था। अब आप विकल्प की तरह आई है। आप में उम्मीद की तरह देखते हैं।" उन्होंने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा, "कांग्रेस विकल्प नहीं है, कांग्रेस, बीजेपी के गोद में जाकर बैठी है। जेब में है। पिछले चुनाव में कांग्रेस को 17 सीटें मिली। उसके 17 में 5 विधायक बीजेपी में चले गए। हमें 5 सीटें मिली, पांच में से एक विधायक बीजेपी में चला गया।" केजरीवाल ने कहा, "कांग्रेस के साथ हमारी बातचीत हुई, बातचीत हुई कि तुम्हारी पांच सीटें हैं, हमारी एक सीट है। कांग्रेस ने कहा कि इन पांच पर आप चुनाव नहीं लड़ो, हम एक सीट पर चुनाव नहीं लड़ेंगे। हमने कहा ठीक है, उन पांच सीटों पर पिछली बार चुनाव हुए, वहां आप नहीं लड़ी। इसबार आप की सीट पर चुनाव हुआ, बीजेपी से आदेश आया, कांग्रेस उस आदेश को मना नहीं कर सकती थी, कांग्रेस ने आप को धोखा दिया और उम्मीदवार उतारा। हमें हराने के लिए उतारा, लेकिन हम जीत गए। वो पांचों सीट हार गए।" अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये साफ दिखाता है कि कांग्रेस से देश को उम्मीद नहीं है। कांग्रेस की टॉप मोस्ट लीडरशिप बीजेपी से मिली हुई है। इस बात के सबूत है। गली-गली जो कांग्रेस का कार्यकर्ता घूमता है, वो ठगा महसूस कर रहा है।

दारू पीकर स्कूल पहुंच गई महिला टीचर, खूब काटा बवाल, वीडियो वायरल होने के बाद सस्पेंड

धार, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक महिला शिक्षिका कथित तौर पर नशे की हालत में स्कूल पहुंची और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिसके बाद अधिकारियों ने उसे निलंबित कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोमवार को सरकारी प्राथमिक स्कूल में नशे में धुत शिक्षिका के व्यवहार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। आदिवासी शिक्षा विभाग के सहायक आयुक्त नरोत्तम वरकड़े ने बताया कि शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए विभागीय जांच की जाएगी। यह स्कूल जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर मनावर विकासखंड के सिंघाना गांव में स्थित है। वरकड़े ने बताया कि मनवर ब्लॉक में एक एकीकृत स्कूल परिसर है, जहां शिक्षिका 23 जून को नशे की हालत में पहुंची और वहां काम कर रहे मजदूरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मनावर ब्लॉक संसाधन समन्वयक (बीआरसी) किशोर कुमार को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'हमने वीडियो का संज्ञान लिया और जांच के लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और बीआरसी की एक संयुक्त टीम बनाई।' अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है।

शादी को लेकर विवादों में भाजपा के पूर्व विधायक

पार्टी के नोटिस का दिया जवाब, जल्द होगा फैसला

देहरादून, 25 जून (एजेंसियां)। पहली पत्नी और परिवार होते हुए एक अन्य महिला से विवाह को लेकर विवादों में आए भाजपा के पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता सुरेश राठौर ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को अपना जवाब दे दिया है। पार्टी ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में कारण बताओ नोटिस दिया था। राठौर प्रदेश अध्यक्ष से उनके यमुना कालोनी स्थित सरकारी आवास पर मिले और अपना पक्ष रखा। राठौर पर दूसरी शादी कर भाजपा सरकार में बने समान नागरिक संहिता का उपहास करने का आरोप है। विपक्ष ने भी इसे लेकर भाजपा को निशाना बनाया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान के मुताबिक, विगत कुछ समय से पूर्व विधायक राठौर से संबंधित विभिन्न खबरें और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। पार्टी ने इसे अमर्यादित आचरण मानकर उनके इस कृत्य को पार्टी की छवि धूमिल करने वाला माना था। उनकी इन सार्वजनिक गतिविधियों को अनुशासनहीनता के दायरे में मानते हुए नोटिस दिया गया था। राठौर के पक्ष प्राप्त होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि पार्टी शीघ्र निर्णय लेगी। उन्होंने साफ किया कि पार्टी में कोई भी कितना भी बड़ा क्यों न हो हो, किसी का भी अभद्र, अश्लील, असामाजिक और अमर्यादित व्यवहार स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। भट्ट ने कहा कि राठौर ने अपना जवाब दे दिया है। अब पार्टी की अनुशासन समिति में विस्तृत विचार किया जाएगा और शीघ्र ही उचित निर्णय लिया जाएगा।

इधर मां को आया एक अज्ञात युवक का कॉल, उधर बेटी ने लगा ली फांसी; अधिवक्ता ने पुलिस को दी सूचना

नैनीताल, 25 जून (एजेंसियां)। नैनीताल के तल्लीताल क्षेत्र में अधिवक्ता के घर में रहकर पढ़ाई करने वाली एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। युवती घर के अंदर दरवाजे की चौखट से बंधे फंदे पर लटकी मिली। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार कैंचीधाम तहसील की मूल निवासी रेनू खत्री (18) तल्लीताल धर्मशाला पुराना कोयला टाल के समीप एक अधिवक्ता के घर के ग्राउंड फ्लोर में रहती थी। यहां अधिवक्ता के घर में रहकर वह 12वीं में पढ़ाई कर रही थी।

जीतू पटवारी का बीजेपी पर गंभीर आरोप

अपराधियों को बचाने का आरोप, जारी की लिस्ट

भोपाल, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और कमजोर वर्गों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। बीजेपी सरकार इन अपराधों को रोकने की बजाय अपराधियों को बचा रही है। जीतू पटवारी ने बीजेपी नेताओं से जुड़े 50 मामलों की एक सूची भी जारी की। इसमें रेप, हत्या, लूट, घोटाले और पत्रकारों पर हमले जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। पटवारी ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने अत्याचार की सारी हदें पार कर दी हैं। रेप और गैंगरेप से लेकर अवैध खनन और फर्जीवाड़े तक, हर मामले में बीजेपी नेताओं का नाम सामने आ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री खुद गृह मंत्री हैं तो फिर अपराधियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। अपराधी बेखौफ हैं। जीतू पटवारी ने व्यापम घोटाले, फर्जी नर्सिंग कॉलेज, पेपर लीक और ड्रग फैक्ट्री जैसे मामलों का भी ज़िक्र किया। कहा कि राज्य को अपराध और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया है।

महाराष्ट्र में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का मामला गरमाया

अजित पवार की मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में आज सुबह करीब 8:30 बजे उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों को लेकर उठे विवाद पर केंद्रित रही। बैठक में एनसीपी नेता सना मालिक, नवाब मलिक, जीशान सिद्दीकी, सिद्धार्थ कांबले, सपा विधायक अबू आजमी औ एआईएमआईएम के वारिस पठान सहित डीजीपी रश्मि शुक्ला के अलावा मुंबई पुलिस के आयुक्त देवेन भारती भी पहुंचे। मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि हाल के दिनों में पुलिस मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों को जबरन हटा रही है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट ने ध्वनि स्तर के लिए 45 से 56 डेसिबल की सीमा तय की है, लेकिन पुलिस बिना किसी मापन या चेतावनी के स्पीकर उतारने की कार्रवाई कर रही है। संगठनों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई मस्जिद नियमों का उल्लंघन करती है, तो नोटिस या लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, मगर बगैर निरीक्षण के कार्रवाई अनुचित है। इस मसले को लेकर अबू आजमी ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सोमैया ने ही यह अभियान शुरू किया है और वे मुस्लिम बहुल इलाकों खासकर गोवंडी में जाकर पुलिस पर दबाव बना रहे हैं। संगठनों का दावा है कि स्थानीय पुलिस सोमैया के दबाव में लाउडस्पीकर हटाने को मजबूर हो रही है। इसी वजह से मुस्लिम प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार से सीधी बातचीत का निर्णय लिया। मुस्लिम संगठनों का मानना है कि महायुति सरकार में अजित पवार ही एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिन पर मुस्लिम समाज को भरोसा है। विशालगढ़ में घरों को गिराने, सतारा में मुस्लिम युवक की हत्या और मीरा रोड दंगों जैसे मामलों में पवार का रुख धर्मनिरपेक्ष रहा है। संगठनों को उम्मीद है कि इस मुद्दे पर भी अजित पवार निष्पक्ष रुख अपनाएंगे और पुलिस की कथित मनमानी पर लगाम लगाएंगे।

50000 का कर्ज न चुका पाया पति तो दोस्त को बेच दी बीवी, पुलिस भी रह गई सन्न

धार, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला और बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपना कर्ज चुकाने के लिए बीवी का सौदा दोस्त से कर डाला। उसने दोस्त को बीवी बेच दी। उसी दोस्त ने भी महिला के साथ दरिंदगी की। पीड़िता ने फिर मामले में जीरो एफआईआर दर्ज करवाई है। महिला की दास्तां सुनकर खुद पुलिस भी सन्न रह गई। पुलिस के मुताबिक, महिला का पति धार जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर कानवन थाना क्षेत्र का रहने वाला है, जबकि उसकी पत्नी इंदौर में रहती थी। जानकारी के मुताबिक, जुआरी पति ने 50 हजार रुपये का कर्ज न चुका पाने पर अपनी ही पत्नी को अपने एक दोस्त को बेच दिया जिसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। कानवन थाना प्रभारी अभय नीमा ने बताया कि महिला ने आरोप लगाया है- मेरा पति जुआरी है। इस आदत के कारण उसका कर्ज बढ़ता जा रहा था, जिस कारण उसने मेरा ही सौदा कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कर्ज में डूबे उसके पति ने उसे अपने एक दोस्त के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया, जिसने उसे 50 हजार रुपये पैसे उधार दिए थे। उन्होंने बताया कि फरार दोनों व्यक्तियों की तलाश शुरू कर दी गई है। शिकायत के अनुसार, जब पति कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गया तो उसने एक दोस्त के साथ सौदा किया और कर्ज चुकाने के लिए अपनी पत्नी को उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। धार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) गीतेश कुमार गर्ग ने कहा, 'मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता का बयान इंदौर में दर्ज किया जाएगा।'

पहलगाम हमला: पाकिस्तान भेजी गई महिला को वापस लाएं

गृह मंत्रालय को हाई कोर्ट का आदेश

जम्मू, 25 जून (एजेंसियां)। कश्मीर हाई कोर्ट ने यह कहते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान भेजी गई एक महिला की वापसी में मदद करने का आदेश दिया कि मानवाधिकार मानव जीवन का सबसे पवित्र अंग है। जस्टिस राहुल भारती रक्षंदा रशीद और शेख जहूर अहमद की बेटी की याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं, जिसमें उसने (याचिकाकर्ता ने) कहा है कि पाकिस्तानी नागरिक रशीद लगभग चार दशकों से विवाहित है और दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) पर भारत में रह रहा है।

महिला को 10 दिनों के भीतर वापस लाया जाए- कोर्ट

कोर्ट ने छह जून को अपने आदेश में केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव को यह सुनिश्चित करने को कहा था कि महिला को 10 दिनों के भीतर वापस लाया जाए और परिवार के साथ मिलाया जाए। यह आदेश हाल में उपलब्ध कराया गया। हालांकि, यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि क्या उसे वापस लाने के लिए प्रयास किए गए हैं या मंत्रालय इसे (कोर्टी आदेश को) खंडपीठ में चुनौती देने जा रहा है। याचिकाकर्ता ने पाकिस्तान में अपनी मां की नाजुक स्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि (पाकिस्तान में) उसकी मां की देखभाल करने वाला कोई नहीं है और वह कई बीमारियों से ग्रस्त हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और जीवन को गंभीर खतरा है।

तीन पन्नों के कोर्ट आदेश में क्या कहा गया?

तीन पन्नों के कोर्ट आदेश में कहा गया है, ''मानवाधिकार मानव जीवन का सबसे पवित्र घटक है। इसलिए, ऐसे अवसर आते हैं जब एक संवैधानिक कोर्ट को किसी मामले के गुण-दोषों के बावजूद क्षमादान जैसे एसओएस के साथ आना चाहिए, जिस पर समय आने पर ही निर्णय लिया जा सकता है।'' आदेश में कहा गया है, ''।।।इसलिए, यह कोर्ट भारत सरकार के गृह मंत्रालय (एमएचए) को याचिकाकर्ता को उसके निर्वासन से वापस लाने का निर्देश दे रहा है।''

बीएसएफ जवान को क्यों करनी पड़ी एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस की शिकायत? आरोपों में कही ये बात

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। बीएसएफ जवान, नीरज कुमार ने अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 2011 बैच के आईपीएस शंकर चौधरी के खिलाफ सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक को शिकायत दी है। आरक्षक/जीडी नीरज कुमार ने आईपीएस अधिकारी पर रात के दौरान हरे भरे पेड़ काटने और उसे आरक्षक की गाड़ी पर फेंकने का आरोप लगाया है। इससे जवान की कार को नुकसान पहुंचा है। आरक्षक ने अपने आरोपों में यह भी कहा है कि आईपीएस द्वारा मेरे परिवार को आए दिन धमकी देकर परेशान किया जा रहा है। आरक्षक नीरज कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह बल की 66वीं बटालियन, आलमगंज, धुबरी (असम) में बॉर्डर पर तैनात है। मौजूदा समय में जवान नीरज, 150 वीं बटालियन में जीएलसी फेस 1 कोर्स कर रहा है। यह कोर्स दो जून से 26 जुलाई तक चलेगा। जवान का परिवार दिल्ली के आरके पुरम स्थित सेक्टर 12 में सीपीडब्लूडी क्वार्टर टाइप 2, संख्या 306 में रहता है। पड़ोस में ग्राउंड फ्लोर पर आईपीएस शंकर चौधरी का क्वार्टर नंबर 318, टाइप 4, है। शिकायतकर्ता ने आईपीएस पर उसके परिवार को अनावश्यक धमकी देने का आरोप लगाया है। धमकी में तबादला और नौकरी से बर्खास्त कराना भी शामिल है। शिकायत में लिखा है कि उक्त अधिकारी ने 19 जून को अपने साथी के मिलकर एक हरा भरा पेड़ काट दिया। पेड़ को काटने के बाद उसे जवान की कार पर फेंक दिया गया। जवान की पत्नी ने जब आईपीएस से बात करने की कोशिश की तो उनके साथियों ने धमकी देकर उसे वापस भेज दिया। यह भी कहा कि ज्यादा मत बोलो, पूरे परिवार को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शिकायत में भी कहा गया है कि उक्त अधिकारी ने सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के गेट को हटाकर अपने आवास में रख लिया है। इससे पहले भी उन्होंने जवान के गैराज पर कब्जा कर लिया था। जवान की पत्नी के विनम्र आग्रह पर गैराज वापस दिया गया। दूसरे लोगों के आवास के आसपास भी अतिक्रमण करने का आरोप है। जवान के मुताबिक, जब उसने इसकी सूचना पुलिस को दी तो आईपीएस ने ट्रैफिक पुलिस की मदद से मेरी कार को उठवा कर थाने में भिजवा दिया। बीएसएफ जवान नीरज कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि मेरी पत्नी अपने दो नाबालिक बच्चों के साथ क्वार्टर में अकेले रहती है। उक्त घटना के बाद मेरा परिवार सदमे में है। आईपीएस अधिकारी द्वारा धमकियां दी जा रही हैं। नीरज कुमार ने बीएसएफ डीजी से निवेदन किया है कि इस शिकायत पर आईपीएस शंकर चौधरी और उनके साथियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता ने अपने परिवार के जान माल की सुरक्षा करने की भी मांग की है।

दोपहिया वाहन पर तीन महिलाएं कर रहीं थी सफर, महिला कॉन्स्टेबल ने जमकर की पिटाई बाद में मांगी माफी

लातूर, 25 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर शहर में एक महिला ट्रैफिक कॉन्स्टेबल ने सड़क नियमों का उल्लंघन करते हुए दोपहिया वाहन पर सवार तीन युवतियों की पिटाई कर दी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी हरकत के लिए माफी मांगी और कहा कि उनका इरादा गलत नहीं था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें कॉन्स्टेबल प्रणिता मुसने को स्कूटर पर तीन को बैठाकर सवारी करते हुए पकड़ी गई महिलाओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हुए देखा गया। यह पूरी तरह से कानून के खिलाफ है। लातूर के रेनापुर नाका पर शूट किए गए क्लिप में कॉन्स्टेबल को तीनों महिलाओं पर लापरवाही से बाइक चलाने का आरोप लगाते हुए देखा गया। बाद में कान्स्टेबल ने तीन महिलाओं में से एक को थप्पड़ मार दिया।

वायनाड में भारी बारिश से चूरलमाला नदी उफान पर, पिछले साल के भूस्खलन जैसे हालात देख लोगों में दहशत

वायनाड, 25 जून (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में एक बार फिर भारी बारिश कहर बरपा रही है। 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला में बाढ़ और भूस्खलन के हालात पैदा कर दिए हैं। मौजूदा समय में चूरलमाला नदी उफान पर है। गंदा पानी तेजी से बह रहा है तथा बेली पुल के पास तटों को तोड़ रहा है। पिछले साल हुए भूस्खलन जैसे हालात देख यहां लोग दहशत में हैं। कबानी नदी में मनंतवाडी और पनामारम में भी जलस्तर बढ़ रहा है। बाणासुर बांध के पूर्ण क्षमता के करीब पहुंचने के कारण, आस-पास के क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल केरल के वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में 200 लोगों की मौत हो गई थी। इस बार भी बारिश यहां पर कहर बरपा रही है। चूरलमाला नदी उफान पर है। नदी के दोनों किनारों पर जमा की गई मिट्टी बह गई है। इससे अट्टामाला में सड़क और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। लोगों का कहना है कि पुंचरीमट्टम के पास वन्य क्षेत्रों में, नए भूस्खलन हुए हैं। जबकि अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कहा कि पुंचरीमट्टम के ऊपर जंगल में भूस्खलन की कोई जानकारी नहीं है। केवल पिछली घटनाओं से निकला मलबा बारिश के साथ नीचे आ रहा है। यह कुछ समय तक जारी रहेगा। जब तक कि सभी कटाव वाली सामग्री बह नहीं जाती। वहीं जिला प्रशासन का कहना है कि यह बाढ़ पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के चलते आ सकती है। तत्काल कोई खतरा नहीं है और वे स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने वायनाड सहित 11 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें अगले तीन घंटों में मध्यम बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। वहीं तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और अलप्पुझा में भी हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। 30 जुलाई 2024 को मूसलाधार बारिश के कारण वायनाड के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 200 से अधिक मौतें हुईं, कई घायल हुए और हजारों लोग बेघर हो गए। इसे केरल के इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 26 जून - 2025

पाक की पोल खुली

हाल ही में एनआईए जांच की जो रिपोर्ट आई है उसने एक बार फिर पाकिस्तान के इस झूठ की पोल खोल दी है कि पहलगाम आतंकी हमले में उसका हाथ नहीं था। अब तो इस बात के सबूत भी मिल गए हैं कि सीमा पार से ही पहलगाम हमले की साजिश रची गई थी। यही नहीं यहां 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों को पाकिस्तान सरकार का पूरा सपोर्ट भी था। जब से इस बात का खुलासा हुआ है तभी से पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का पक्ष बेहद मजबूत हुआ है। बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उन दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को पनाह दी थी। इनमें से एक आतंकी की पहचान हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान के रूप में हुई है, जो पाकिस्तानी सेना में पैरा कमांडो तक रह चुका है। मूसा की गिरफ्तारी से इस बात के भी सबूत मिल रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना ने मूसा को इस आतंकी मिशन के लिए ही शायद लश्कर को दिया था। इससे हमेशा की तरह एक बार फिर यह साबित हो गया है कि भारत में आतंकवाद फैलाना पाकिस्तानी सेना की रणनीति का एक जबर्दस्त हिस्सा है। वह भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकियों को न सिर्फ प्रश्रय देती है बल्कि उसके साथ मिलकर काम भी करती है। इसीलिए भारत ने पहलगाम घटना के तुरंत बाद से ही कहना शुरू कर दिया था कि इस हमले के पीछे निश्चित ही पाकिस्तान परस्त आतंकियों का हाथ है। जाहिर है इस घिनौनी करतूत के पीछे उसके सेना प्रमुख असीम मुनीर का ही हाथ रहा है। एनआईए के खुलासे के बाद भारत ने जो आपरेशन सिंदूर चलाया था उसे अब सही कदम कहने से किसी को भी गुरेज नहीं रह गया है। बता दें कि पहलगाम वारदात के बाद भारत ने सीमा पार मौजूद आतंकी ढांचों को ध्वस्त कर आतंकियों व पाकिस्तान में रह रहे उसके आकाओं के हाश ठिकाने लगा दिए थे। यही नहीं सिंधु नदी के जल समझौते को भी भारत सरकार ने निलंबित कर दिया है। टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली एजेंसी एफएटीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला करना बगैर आर्थिक मदद के किसी भी सूरत में संभव नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने के लिए भारत अपनी बात मजबूती से रख सकता है। साथ ही, इससे पाकिस्तान पर लश्कर प्रमुख हाफिज सईद समेत उन आतंकियों पर कार्रवाई करने का भी दबाव बनाया जा सकता है, जिसे उसने अपने सुरक्षित स्थानों पर छिपा रखा है। इससे पहले भी जब तब पाकिस्तान की आतंकियों के साथ संलिप्तता उजागर होती रही है, फिर चाहे वह संसद पर हमला हो, मुंबई अटैक या फिर पठानकोट अटैक। हर बार पाकिस्तान का हाथ होने का सबूत मिला है। उसे सारे सबूत भी सौंपे गए लेकिन वह मानने को तैयार ही नहीं होता। बहरहाल बार-बार सबक सिखाने के बावजूद उसने अपना टेरर अजेंडा नहीं छोड़ा है। ऐसे में यह उम्मीद नहीं कर सकते कि पहलगाम मामले में वह सच को सहजता से स्वीकार कर लेगा या अपनी आदत बदल देगा। इस मौके का इस्तेमाल उसे घेरने और अमेरिका जैसे देशों की आंखें खोलने के लिए कर सकते हैं, क्योंकि अमेरिका आज भी पाकिस्तान पर आंख मूंद कर भरोसा करने से बाज नहीं आ रहा है।

ट्रंप का बेमिसाल तमाशा

प्रो. आरके जैन

क्या आपने कभी सोचा कि नोबेल शांति पुरस्कार अब मांगने से भी हासिल हो सकता है? हाँ, बिल्कुल सही सुना। और अगर वह शख्स डोनाल्ड ट्रंप हो, तो यह मांग कोई मामूली चीख नहीं, बल्कि एक जोरदार आतिशबाजी का शंखनाद है। अभी-अभी अमेरिका के राष्ट्रपति ने मंच पर ऐसा तूफान मचाया कि दुनिया दंग रह गई – मैं कुछ भी कर लूं, मुझे शांति का नोबेल नहीं मिलेगा!₹ अरे वाह, युद्ध की आग भड़काने वाला शांति का तमगा मांग रहा है – इससे बड़ा करामाती करिश्मा और क्या हो सकता है? ट्रंप साहब की यह ख्वाहिश इतनी शानदार है कि हर कोई ठहाका मारकर हंस पड़े, क्योंकि यह उनके अटूट आत्ममोह का एक और गगनचुंबी प्रदर्शन है।

ट्रंप का दावा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने की उनकी बातचीत नोबेल के काबिल है। वाह, क्या जबरदस्त ड्रामा है! बातचीत क्या थी, यह तो भारत-पाकिस्तान भी ढूंढ रहे हैं, पर ट्रंप जी को गर्व है कि उनकी एक-दो लाइनें इतिहास की चमकदार इबारत बन गईं। पर भाई, यह कौन सा शांति का जादू था, जिसमें उन्होंने किम जोंग उन को रॉकेट मैन कहकर दुनिया को परमाणु जंग के मुहाने पर ला खड़ा किया? शायद उनकी नजर में शांति का मंत्र है – डराओ, धमकाओ, और फिर पुरस्कार लूटो। पर नोबेल कमेटी उनके ट्वीट्स को शांति का ठेका नहीं मानती – अफसोस, उनका खेल फ्लॉप हो गया।

यह पहली बार नहीं जब ट्रंप ने खुद को पुरस्कार का बादशाह घोषित किया। राष्ट्रपति बनने से पहले वे अमेरिका के सबसे ज्ञानी, ईमानदार और अद्भुत नायक थे, और अब नोबेल को अपनी जेब का खिलौना समझते हैं – जल्दी निकालो और मुझे सौंप दो! उनकी शिकायत है कि मीडिया उनके सम्मान को नजरअंदाज करती है। उन्हें लगता है कि एक-दो देशों के बीच फोन पर डांट से दुनिया उनके पैरों पड़ जाएगी। पर नोबेल कमेटी उनके रैली-भाषणों की तालियों को नहीं गिनती, न ही उनके शोरगुल भरे ट्वीट्स को शांति का सर्टिफिकेट देती है।

ट्रंप ने बराक ओबामा पर भी तीखा वार किया। उनका तंज है कि 2009 में ओबामा को शांति का नोबेल मिला, जबकि उन्होंने कुछ किया ही नहीं। अरे भाई, ट्रंप साहब को कौन बताए कि शांति का मतलब सिर्फ फोन पर दो नेताओं को झाड़ना नहीं, बल्कि दिल से काम करना है। ओबामा तो शांति के प्रतीक जैसे थे, पर ट्रंप के ट्वीट्स में ₹फायर एंड फ्यूरी₹ की आग झलकती है। शायद ट्रंप को लगता है कि उनके सुनहरे बाल ही शांति का चमत्कार हैं – वाह, क्या स्टाइल है!

इस तमाशे का सबसे धमाकेदार पल यह है कि ट्रंप को लगता है कि पुरस्कार न मिलने की वजह उनका नाम, उनका रंग, या फिर कट्टरता के खिलाफ साजिश है। उन्होंने तो डंके की चोट पर कह दिया – मैं कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा! यह सुनकर नोबेल कमेटी शायद पहली बार जोर से हंसी होगी – वाह, कम से कम किसी का आत्मविश्वास तो आसमान छू रहा है! ट्रंप की नोबेल की यह लालसा एक लाजवाब व्यंग्य बन गई है। एक ऐसा शख्स जो अपनी बातों को अगले दिन भूल जाए, जो पर्यावरण संधियों को ठुकराए, जो हर मंच पर अमेरिका फर्स्ट चिल्लाए और दुनिया को किनारे कर दे, वही अब शांति का महानायक बनने की होड़ में है!

अगर नोबेल में राजनीतिक अहंकार या प्रचार का विश्व विजय अभियान जैसी श्रेणी होती, तो ट्रंप बिना मुकाबले के बादशाह होते। पर दुखद सच्चाई यह है कि नोबेल शांति पुरस्कार ट्वीट्स की गूंज या रैली की भीड़ पर नहीं, बल्कि सच्चे शांति प्रयासों पर मिलता है। ट्रंप साहब की यह चाहत तो वैसी ही है जैसे बिना पसीना बहाए ताज पहनने की मस्ती – बस मंच पर चीखो और पुरस्कार की आस लगाओ!

आपातकाल के मायने

रघु ठाकुर

25 जून 1975 की रात्रि देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार ने आपातकाल की घोषणा की थी तथा संविधान के मूल अधिकारो के खण्ड को निंलबित कर दिया था। तथा न्यायपालिका के अधिकारो को भी निंलबित कर दिया गया था और समूचे देश में प्रेस सेंसरशिप लागू कर दी थी। कोई भी अखबार बगैर सरकारी अफसर के अनुमोदन के समाचार नही छाप सकता था।

25 जून की रात्रि में दिल्ली के रामलीला मैदान में आम सभा के बाद जयप्रकाश जी को गिरफ्तार कर लिया गया था तथा कई लाख राजनैतिक कार्यकर्ताओं को, जो विरोधी दलो के थे या सत्ताधारी दल में भी तत्कालीन सत्ता समूह के विरोधी थे, को भी गिरफ्तार कर जेलों में बंद कर दिया गया था। जिस आंतरिक सुरक्षा कानून के अंतगर्त ये गिरफ्तारियां की गयी थी उस कानून के बारे में देश में बहुत कम जानकारी थी। हांलाकि इस कानून का इस्तेमाल 1974 में इसी भारत सरकार ने रेल हड़ताल तोड़ने के लिये रेल कर्मचारियों और उनके बीच में काम करने वाले मेरे जैसे समाजवादी कार्यकर्ताओं पर इस्तेमाल कर 7 मई 1974 को मीसा में गिरफ्तार किया था। इसलिये हम लोग इस कानून से परिचित हो चुके थे। परन्तु देश 1975 में जाकर ही परिचित हो पाया, जब स्व.संजय गांधी,व स्व.सिद्वार्थ शंकर रे की सलाह पर श्रीमति गांधी ने आपातकाल लगाने का निर्णय किया था, तब उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति स्व.फ खरुद्दीन अली अहमद से देर रात्रि अनुमोदन लिया था तथा मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी अनुमोदन के बाद दी गई थी। ये दो घटनायें मैंने इसलिये उद्वत की है कि आपातकाल, तानाशाही या व्यक्तिशाही अचानक नही आती है बल्कि वह क्रमशरू सत्ता के अति केन्द्रीकरण और प्रतिरोध न होने के चलते आती है। कल्पना करें कि अगर 1974 में जब रेल हड़ताल को कुचलने के लिये, हजारों कर्मचारियो और नेताओं को गिरफ्तार करने के लिये मीसा का प्रयोग शुरू हुआ था तभी अगर सरकारी पार्टी और देश के आम लोगों ने उसका विरोध किया होता तब शायद आपातकाल नही लगता। इसी प्रकार जब मंत्रीमंडल में प्रस्ताव लाये बगैर सीधे प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल की ओर से आपातकाल लगाने का निर्णय लिया था तथा राष्ट्रपति जी ने उस पर सहमति न देने का साहस दिखावा होता तो शायद आपातकाल रुक जाता और 1977 जिसमें श्रीमति गांधी और कांग्रेस पार्टी को जनता के द्वारा अपदस्थ होना पड़ा वह नही होता। संविधान के मानने की शपथ हर मंत्री और सांसद खुलेआम लेता है क्योंकि यह संवैधानिक अनिवार्यता है परन्तु उस शपथ के साथ जो दायित्व होते है उनका निर्वहन नही करता। और सत्ता के केन्द्र और षीर्ष की भक्ति व आरती उतारने का जो सिलसिला आपातकाल के समय शुरू हुआ था वह आज भी बदस्तूर जारी है। भले ही संविधान में आंतरिक आपातकाल के प्राबधान को हटा दिया गया हो परन्तु चाल-चलन यथावत है। सत्ताधारी दलों के जो लोग बाहर बंद कमरो में असंतोष व असहमति व्यक्त करते है अखबार वालों से ऑफ द रिकार्ड चर्चा करते हैं और कभी-कभी बाद में खण्डन मंडन करते है। मंत्रिमण्डल की बैठको या संसद में सत्तातंत्र की न केवल आरती उतारते हैं, बल्कि चारण बन जाते हैं। और यह असंवैधानिक आचरण ही लोकतंत्र के लिये सबसे बड़ा खतरा बन रहा है। देश में पैदा हो रही राजनेताओं, अफ सरों, जनता की नई पौध जिसमें न कहने या असहमति व्यक्त करने का साहस नही है या जो अपने स्वार्थ में इतने गिर चुके हैं कि वे चरण वंदना को तत्पर है उनकी की यह प्रवृत्तियां ही 21 वीं सदी में देश के लोकतंत्र को गंभीर खतरा हो सकती है। अब लोकतंत्र को खतरा संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बल्कि सत्ता केन्द्रों के असंवैधानिक आचरण, भीरु व लालची नेता और जनता से है।

मैं आपातकाल में पूरे समय बगैर किसी पैरोल व छुट्टी के जेल में रहा हूं और सैकड़ों मित्र जो तत्कालीन समाजवादी पार्टी, जनसंघ, सी.पी.एम, बी.के.डी, जमाते इस्लामी आदि के थे, वे भी कम या ज्यादा अवधि के लिये जेल में साथ रहे थे। परन्तु बाद में इन मित्रो में तीन बीमारियां पैदा हो गईरू-

1. आमतौर पर सभी दलों के मीसाबंदियों ने और विशेषतरू पूर्व जनसंघ के पृष्ठभूमि वाले मित्रों ने आपातकाल की सत्ता की प्रवृत्तियों को विरोधी मानने की बजाय केवल तत्कालीन सत्ताधारी दल जो आज विपक्ष में है, को ही आपातकाल का पर्याय और स्थाई गुनहगार मान लिया है। तथा अपने राजनैतिक संबधों और हितों के चलते वे आज भी वही जुमले अपनाते हैं, जो 75 से 80 के बीच कहे जाते थे। हालांकि हालात में भारी बदलाव हुये हैं। 75 से 80 के बीच जो मित्रजन श्रीमति मेनका गांधी को स्व.संजय गांधी की पत्नी होने के नाते सबसे बड़ा आपातकाल का गुनहगार बताते थे अब वही मेनका गांधी भाजपा सरकार के केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुकी हैं। और उनके बेटे श्री वरुण गांधी भाजपा सांसद रह चुके हैं। भाजपा की पृष्ठभूमि के मीसाबंदी कांग्रेस के वर्तमान नेतृत्व को अभी भी आपातकाल का अपराधी कहते हैं हालांकि वर्तमान नेतृत्व की कोई बड़ी भूमिका आपातकाल लगाने या उस दौर की घटनाओं में नहीं थी। श्री राहुल गांधी की उम्र तो उस समय शायद 5 या 6 वर्ष रही होगी और उनसे कम उम्र श्री वरुण गांधी की होगी। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि, मीसाबंदियों को आपातकाल की याद करते समय अपने आक्रोश या आलोचना को चंद लोगों तक सीमित करने की जगह उन वैचारिक प्रवृत्तियों के विरुद्व मोड़ना चाहिये जिनसे आपातकाल जैसी स्थितियां पैदा होती है।

2. आजकल आमतौर पर अपवाद छोड़कर मीसाबंदी कितनी सुविधायें उन्हें और मिल सकती है इसी की खोज और मांग में व्यस्त रहते है। मैं जानता हूं कि, बहुत से मीसाबंदियों के परिवार आपातकाल में आर्थिक रुप से बरवाद जैसे हो गये थे। इन्दौर के काका दौलत सिंह जो मिल मजदूर थे तथा जिन्होंने एक दिन का भी पैरोल नही मांगा, और उनकी पत्नी ने भीख मांगकर कुछ दिन गुजारा किया और वे अर्ध विक्षिप्त जैसी हो गयी। उनकी बेटी के इलाज के अभाव में मृत्यु हो गई, ऐसे कई और भी उदाहरण है। परन्तु आपातकाल को गुजरे हुये आज लगभग 47 वर्ष हो रहे है और 47 वर्षों के पूर्व की तकलीफ ों के आधार पर मांग करते रहना, कुछ घटनायें छोड़ दें तो तार्किक नहीं लगता। वैसे भी हम लोग जो जेल गये थे अपने देश, लोकतंत्र और विचार के लिये गये थे इसीलिये पेरोल माफी से मुक्त रहे। हम इस उम्मीद के लिये जेल नही गये थे कि सरकारे बदलेगी तो हम मांगने वालों की पंक्ति में शामिल हो जायेंगे।

म.प्र. सरकार ने मीसाबंदियों को 25 हजार रुपया प्रतिमाह की राशि और अन्य कई सुविधायें दी है। इस प्रकार देश के कांग्रेस शासित या कांग्रेस के टूटे हुये धड़े जैसे ममता बेनर्जी आदि राज्यों को छोड़कर भाजपा, सपा, जनतादल, राजद, आदि शासित राज्यों में कम या ज्यादा पेंशन व सुविधायें मिल रही हैं। और सुविधाओं की मांग का अभी भी कोई अंत नहीं है। मीसाबंदी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ सुविधाओं की होड़ कर रहे हैं और जिस प्रकार कांग्रेस सत्ता ने स्वतंत्रता सेनानियों को और उनके परिवारजनों को चंद सुविधायें देकर उनके गौरवपूर्ण इतिहास को खत्म कर उन्हें सत्ता का दास बना दिया, आज उसी की पुनरावृत्ति भाजपा सरकार और मीसाबंदियों में नजर आ रही है। मीसाबंदियों के संगठन सत्ताधारी मंत्रियों या केवल दलीय नेताओं को बुलाकर उनके गुणगान करते हैं। जो मिल गया वह ठीक कुछ और दे दो कटोरा लेकर खड़े हो जाते हैं। न तो उनमें आत्म गौरव नजर आता है और न संघर्ष करने का माद्दा। मीसाबंदी केवल व्यक्ति नही थे, बल्कि अन्याय के खिलाफ लड़ने वाली प्रवृत्ति और जजवात थे। अब मीसाबंदी उस आत्मा को मार कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के समान कटोराधारी है। मुझे अपनी इस बिरादरी के इन हालातों पर आंतरिक पीड़ा होती है। मैं सभी मीसाबंदियों और उनके परिजनों के भोगे हुये कष्टों का सहभागी होते हुये उनसे अपील करना चाहता हूं कि वे अब इन नये सवालों के खिलाफ संघर्ष की तैयारी करें, जिनसे देश बिना आपातकाल के भी दुरूखी है।

1. विदेशी पूंजी निवेश-वॉलमार्ट और प्लिपकार्ट जैसी आई विदेशी कम्पनियों का विरोध करें।

2.बेरोजगारी को समाप्त करने के लिये विकेन्द्रीद्बत अर्थव्यवस्था, रोजगार मूलक विकास और बेरोजगारों के लिये बेकारी का भत्ता।

मां-बहनों-बेटियों को बचा लीजिए मोदी जी

अशोक भाटिया

सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तान सिंधी हिंदू का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक बुजुर्ग व्यक्ति भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से हिंदू लड़कियों को बचाने की अपील कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर देखने वालों की आँखों में आंसू आ रहे है ।

हाल ही में प्राप्त पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, ₹मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया।₹ मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की।

यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है।

2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

कुछ समय पूर्व ही पाकिस्तान में उनके खिलाफ हुए अत्याचारों के कारण वहां से भागकर आए सिंधी हिंदू समुदाय के अधिकांश परिवारों ने पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों के लिए कठोरतम सजा की मांग की है। इस हमले में 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान चली गई थी। उनकी मांगें ऐसे समय में आई हैं जब वे भारतीय नागरिकता के लिए इंतजार कर रहे हैं और उन्हें डर है कि हमले के जवाब में भारत द्वारा सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए जाने के बाद उन्हें वापस पाकिस्तान भेज दिया जाएगा।हालाँकि, दीर्घकालिक, आधिकारिक या राजनयिक वीजा रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को इस आदेश से छूट दी गई है।

गौरतलब है कि हमले के बाद महाराष्ट्र के उल्हासनगर से पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए 17 लोगों को पड़ोसी देश वापस भेजे जाने के कुछ दिनों बाद, कई शरणार्थी निर्वासन के भय के बीच भारतीय नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं।सिंधी हिंदू संदीप कुमार ने कहा, ₹मेरा परिवार सिंध में कभी सुरक्षित नहीं रहा, क्योंकि हम वहां अल्पसंख्यक थे। मेरी दो बहनें और मेरी मां भारत आईं और शरण मांगी तथा भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया।

जब हमने पहलगाम हमले के बारे में सुना, तो हमने इसकी निंदा की और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, जब भारत सरकार ने आदेश दिया कि पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ दें, तो हम डर गए और चिंतित हो गए। हालांकि, बाद में हमें बताया गया कि हमारे पास दीर्घकालिक वीजा है और हम यहां रह सकते हैं। मैं 14 साल से अधिक समय से भारत में रह रहा हूं और हमारा भारतीय नागरिकता आवेदन प्रक्रियाधीन है।

उल्हासनगर स्थित एक संगठन, भारतीय सिंधु सभा , भारत में शरण चाहने वाले पाकिस्तानी सिंधी हिंदुओं की मदद कर रहा है और उन्हें भारत में रहने के लिए भारतीय नागरिकता और दीर्घकालिक वीजा दिलाने की प्रक्रिया में मदद कर रहा है।लगभग 200 शरणार्थी, जो दीर्घकालिक वीजा पर थे और जिनके पास भारत लौटने के लिए कोई आपत्ति नहीं थी पाकिस्तान जाने के बाद अटारी-वाघा सीमा पर फंस गए थे। हालांकि, अधिकारियों ने सोमवार को उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी।संगठन के प्रमुख महेश सुखरामानी ने कहा, ₹पाकिस्तान के कई दीर्घकालिक वीजा धारक थे, जिन्हें भारत सरकार ने वीजा जारी किया था और वे अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान गए थे। वे पाकिस्तान में वाघा सीमा पर फंस गए थे, लेकिन अब उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई है। मैं इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं।₹उन्होंने कहा कि 200 से अधिक आवेदन प्रस्तुत किये गये और 110 आवेदकों को भारतीय नागरिकता प्राप्त हुई।उन्होंने कहा, 400 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों को दीर्घकालिक वीजा मिल गया है और उनकी नागरिकता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी चल रही है। अल्पकालिक वीजा पर भारत आने वाले 17 लोगों को वापस भेज दिया गया है। उनमें से कई अटारी-वाघा सीमा पर पहुंच गए हैं और उनके वीजा रद्द कर दिए गए हैं।

ऐसे कई पूर्व पाकिस्तानी नागरिक हैं जो पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के कारण शरण लेने के लिए भारत आए थे।

ऐसे ही एक व्यक्ति हैं जयकेश नंजानी, जो अब भारतीय नागरिक हैं और भारत में शरण लेने वाले अन्य पाकिस्तानी नागरिकों की मदद कर रहे हैं।नंजानी ने कहा, हम समाचारों में देख रहे हैं कि सिंधी समुदाय की महिलाओं और लड़कियों का अपहरण किया जा रहा है और उनके खिलाफ अत्याचार किए जा रहे हैं। इसके कारण, पाकिस्तान से कई लोग शरण लेने के लिए भारत आते हैं और दीर्घकालिक वीजा और भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं।

राजनीति में इसीलिए तो आते हैं

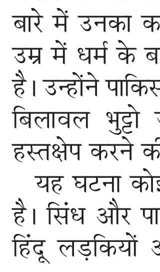

डॉ टी महादेव राव

एक चुनाव क्षेत्र के लिए बहुत सारे लोग आवेदन कर रहे हैं।

अब आप बताओ एक पदक के लिए बहुत सारे लोग दौड़ते हैं कि नहीं? इसी तरह यह भी है। अपनी किस्मत आजमाने का सभी को हक है न?

जनता की सेवा के लिए किस्मत के इम्तिहान? यह कोई लॉटरी तो नहीं है?

राजनीति, चुनाव, परिणाम, पद सभी लॉटरी जैसे ही हैं। भाग्य की लक्ष्मी की मेहरबानी के लिए कोई भी दंगल में खड़ा हो सकता है। यह सब इस बात का सबूत है कि हमारा लोकतंत्र पूर्णतया विकसित होकर फूल बनकर अपना सुगंध चारों तरफ फैला रहा है।

लोकतंत्र का उत्सव मनाने जैसा क्या बचा हुआ है?

लोकतंत्र का मतलब ही स्वतंत्रता की पराकाष्ठा है। एक टिकट के लिए एक ही पार्टी से कई लोगों की कोशिश और अपने पार्टी के नेताओं को ही टिकट न देने और उन्हें पद बिल्कुल न देने जैसी राजनीतिक रक्त संबंध को बांटने वाले अनुयाई, स्वयं के कार्यकर्ता ही प्रत्यक्ष रूप से आवाज उठाने की जो चेष्टा कर रहे हैं, वह राजनीति में ही दिखाई देने वाला विचित्र विन्यास है। लोकतंत्र की परिणति शायद यही है। प्रजातंत्र बढ़कर नासूर बन विकसित होने पर ही इस तरह के स्वच्छ, स्वस्थ प्रगति के लक्षण बाहर आते हैं।

अपने स्वयं के नेताओं का विरोध करना पीठ में छुरा घोंपने जैसा नहीं है?

वह सब अवसरों को हथियाना की आतुरता है। राजनीति में अवसर बहुत कम आते हैं। बहुत कम दरवाजा खटखटाते हैं। हमको ही चाहिए हम दरवाजा खोलकर ढूंढते जाएं। ऐसे सत्य को सारे नेताओं ने जान लिया है, जिस वजह से इस तरह की बातें हर दिन जहां कहीं आपको दिखाई पड़ती है।

लेकिन टिकट न मिलने पर राम लक्ष्मण जैसे भाई भी वाली और सुग्रीव या रावण और विभीषण जैसी शत्रुता निभाते हैं।ऐसे में मानवीय रक्त संबंधों में मधुरता का क्या होगा?

राजनीति में पद, पैसा और संपत्ति ही सबसे अधिक मायने रखती हैं। बाकी सारी तो माया है। अकेले आए थे अकेले जाएंगे। ये बंधन तो मुट्ठी बांध के आने और हाथ पसार कर जाने के बीच बने रिश्ते हैं। सारी मोह माया हमारी अपनी बनाई हुई है।

लेकिन पैसा,पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति भी तो बीच में ही आई हैं न?

तो क्या किसी भी चीज से मोह न रखें? नागा बाबा बनके घूमे? दर दर भटकें? थोड़ी बहुत संपत्ति बना लिए तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ा?

लेकिन जिस गीता का ज्ञान आप बता रहे हो उसमें तो साफ लिखा है की सच बोलना चाहिए, झूठ बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लेकिन ....? गीता की तरह राजनीति ग्रंथ का पहला अध्याय है झूठ,असत्य और लाई जिसकी बुनियाद पर आज सारी राजनीति का महल बना है।

क्या भारत सिंधु जल समझौता रद्द करने वाला है

राजेश पासी

बार-बार मोदी सरकार की तरफ से यह बयान आता रहता है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, सिर्फ उसे रोका गया है । सवाल यह है कि बार-बार मोदी सरकार के मंत्री और नेता ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं । इसकी वजह यह है कि सिंधु जल समझौता निलंबित करना भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा है और ये लगातार जारी है । इस समझौते को निलंबित करने से पाकिस्तान बहुत परेशान है इसलिए उसके नेताओं के बयान आ रहे हैं कि अगर भारत ने पाकिस्तान की नदियों का पानी रोका तो पाकिस्तान युद्ध के लिए मजबूर हो जायेगा । भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी । पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है । अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं । शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा । उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है । इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है । पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा ।

सिंधु जल समझौता विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया था । 19 सितम्बर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये थे । इस समझौते के तहत सिंधु नदी और उसकी पांच सहायक नदियों सतलुज, ब्यास, रावी, झेलम और चिनाब के पानी को लेकर दोनों देशों ने एक व्यवस्था तैयार की थी । इस समझौते के तहत दोनों देशों ने आपसी सहयोग और सूचना का आदान-प्रदान करने की बात कही थी ।

इस समझौते के अनुसार सतलुज, ब्यास और रावी का पानी भारत को आवंटित कर दिया गया था और पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदी का 80 प्रतिशत पानी आवंटित किया गया था । देखा जाये तो यह समझौता पूरी तरह से पाकिस्तान के पक्ष में था और भारत को इसका बड़ा नुकसान हुआ ।

वास्तव में भारत को जिन नदियों का पानी दिया गया उनका पाकिस्तान से कोई सम्बन्ध नहीं था । भारत में ही बहने वाली नदियों का पानी भारत को इस्तेमाल करने के लिए किसी समझौते की जरूरत नहीं थी । जो नदियां भारत की थी, उनका इस्तेमाल तो भारत को ही करना था । समझौता मुख्य रूप से सिंधु, झेलम और चिनाब नदी को लेकर किया गया था । सवाल यह है कि जिन नदियों पर भारत-पाकिस्तान का सांझा अधिकार था, वहां भारत के अधिकार की अनदेखी करते हुए तत्कालीन नेहरू सरकार ने 80 प्रतिशत पानी को पाकिस्तान के हवाले क्यों कर दिया । जब यह समझौता किया गया तो भारत में इसका जबरदस्त विरोध हुआ था लेकिन नेहरू जी ने किसी की नहीं सुनी ।

वास्तव में नेहरू जी चाहते थे कि पड़ोसी देश होने के कारण पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध बने रहे, इसलिए उन्होंने यह समझौता किया । वो शायद सोच रहे थे कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचा कर उसे खुश कर देंगे और वो भारत के साथ बेहतर संबंध रखेगा । यही सोच उनकी चीन को लेकर भी थी. उसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट थाली में सजाकर दे दी थी । जब अमेरिका द्वारा यह सीट भारत को देने की पेशकश की गई तो उन्होंने चीन को इसके लिए ज्यादा योग्य माना और उसके लिए सिफारिश कर दी । आज भारत इस सीट को पाने के लिए गली-गली भटक रहा है । चीन को खुश करने के लिए ही नेहरू जी ने उसे तिब्बत पर कब्जा करने दिया ताकि वो खुश रहे लेकिन उस चीन ने भारत पर आक्रमण करके भारत की जमीन पर भी कब्जा कर लिया । ऐसे ही सिंधु जल समझौते के तहत भारत ने सांझी नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया । हैरानी की बात यह है कि भारत ने अपने हिस्से का 20 प्रतिशत पानी भी पाकिस्तान की तरफ जाने दिया । इसके बावजूद पाकिस्तान ने समझौता होने के बाद भारत पर तीन बार युद्ध थोप दिया है । इसके अलावा पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत को आतंकवाद की आग में जला रहा है । पंजाब में ऐसी आग लगाई कि वो भारत से अलग होते-होते बचा । पाकिस्तान की लगाई आग में जम्मू-कश्मीर अभी तक जल रहा है । इसके अलावा पाकिस्तान भारत के शत्रु राष्ट्रों के साथ मिलकर नई-नई साजिशें करता रहता है । हम अपनी तरफ से इस समझौते का पूरा पालन करते आ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान ने इस समझौते का कभी पालन नहीं किया ।

धैर्यवान की मेहनत व्यर्थ नहीं जाती, जीवन में सफलता उसी को मिलती है, जो अंत तक डटा रहता है

एक बार दोपहर के समय महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ किसी गांव की ओर जा रहे थे। बुद्ध का उद्देश्य था, वहां के लोगों को जीवन के सत्य का ज्ञान देना, उन्हें आत्मिक शांति और संतुलन की बातें समझाना। बुद्ध और उनके शिष्यों को रास्ते में एक मैदान दिखाई दिया। मैदान में कई गड्ढे खुदे हुए थे। छोटे-बड़े, अधूरे, कहीं-कहीं बहुत गहरे, तो कहीं पर अभी शुरुआत भर ही हुई थी। ये दृश्य विचित्र था और किसी रहस्य से कम नहीं लग रहा था।

शिष्यों में से एक, जो बहुत उत्सुक था, उसने पूछा कि - तथागत, ये गड्ढे किसने और क्यों खोदे होंगे? इतने सारे गड्ढे और कोई भी पूरा नहीं है, इसका रहस्य क्या हो सकता है? बुद्ध मुस्कुराए। उन्होंने आसमान की ओर देखा, मानो वहां से कोई उत्तर उतर कर आ रहा हो। फिर उन्होंने शांत स्वर में उत्तर दिया कि ये किसी ऐसे व्यक्ति का कार्य है जो पानी की तलाश में था। उसने एक गड्ढा खोदना शुरू किया, लेकिन जब थोड़ी गहराई तक पहुंचने पर पानी न मिला, तो उसने दूसरी जगह खुदाई शुरू कर दी। वहां भी थोड़ी देर प्रयास किया, फिर निराश होकर तीसरी जगह गड्ढा खोदने लगा। इस तरह उसने कई प्रयास किए, पर कोई भी पूर्ण प्रयास नहीं किया। परिणामस्वरूप, उसे कहीं भी पानी नहीं मिला।

शिष्य ये बात सुनकर थोड़े हैरान हो गए। बुद्ध आगे बोले कि ये प्रसंग सिर्फ जमीन पर खोदे गए गड्ढों का नहीं है। ये जीवन की भी सच्चाई है। कई लोग जीवन में सफलता की तलाश करते हैं, लेकिन थोड़ी देर कोशिश करने के बाद, जब फल नहीं मिलता, तो निराश होकर मार्ग बदल देते हैं। कुछ और काम शुरू करते हैं, फिर निराशा मिलती है, और फिर एक और नया प्रयास शुरू कर देते हैं। इस क्रम में वे कहीं भी गहराई तक नहीं पहुंचते और अंततः जीवन खाली हाथ रह जाता है।

जीवन प्रबंधन के सूत्र

इस प्रसंग में जीवन प्रबंधन के जो सूत्र छिपे हैं, वे आज भी हमारे काम आ सकते हैं। सफलता पाने के लिए सिर्फ मेहनत काफी नहीं है। उसमें निरंतरता, धैर्य और दृढ़ निश्चय का होना आवश्यक है।

इन 7 प्रकार के लोगों से रहिए सावधान
नहीं तो जीवन में कभी नहीं कर पाएंगे तरक्की

प्राचीन भारत के महान ज्ञानी और नीति विशेषज्ञ महात्मा विदुर ने महाभारत में धृतराष्ट्र को अनेक महत्वपूर्ण नीतियों की सीख दी थी। इन्हीं उपदेशों को हम विदुर नीति के नाम से जानते हैं। विदुर की नीतियां आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उस समय थीं। उन्होंने जीवन, समाज, रिश्ते, धर्म और कर्तव्य से जुड़े कई गूढ़ रहस्य बहुत सरल शब्दों में समझाए। महात्मा विदुर का मानना था कि अगर व्यक्ति जीवन में सही मार्गदर्शन चाहता है, तो उसे केवल अच्छे लोगों की संगति में रहना चाहिए और बुरे स्वभाव वाले लोगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। उन्होंने ऐसे 7 प्रकार के लोगों का उल्लेख किया है जिनसे हमेशा सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ये लोग जीवन में दुख, तनाव, धोखा और हानि का कारण बनते हैं। आइए जानते हैं, कौन हैं वो 7 लोग जिनसे विदुर नीति के अनुसार दूरी बनाकर रहना ही समझदारी होती है।

झूठ बोलने वाला व्यक्ति

महात्मा विदुर के अनुसार, जो व्यक्ति बार-बार झूठ बोलता है, वह भरोसे के काबिल नहीं होता। वह अपने स्वार्थ के लिए किसी को भी धोखा दे सकता है। ऐसे व्यक्ति से दोस्ती या रिश्ता रखना खतरनाक हो सकता है। झूठ बोलने की आदत धीरे-धीरे दूसरों के जीवन को भी प्रभावित करती है और उस इंसान की विश्वसनीयता हमेशा के लिए खत्म हो जाती है।

2। चापलूस यानी झूठी तारीफ करने वाला

जो व्यक्ति सामने मीठा बोलता है और पीठ पीछे बुराई करता है, वह कभी भी सच्चा मित्र नहीं हो सकता। महात्मा विदुर के अनुसार चापलूस लोग अक्सर आपकी कमजोरी का फायदा उठाते हैं और आपको गलत निर्णय लेने की तरफ धकेलते हैं। ऐसे लोगों की संगति से व्यक्ति भ्रमित होता है और कई बार अपना नुकसान भी कर बैठता है।

क्रोधी स्वभाव का व्यक्ति

जो व्यक्ति बात-बात में गुस्सा करता है, वह अपने और दूसरों के लिए नुकसानदायक होता है। क्रोध इंसान को अंधा बना देता है और वह अपने शब्दों और कर्मों पर नियंत्रण खो बैठता है। महात्मा विदुर कहते हैं कि क्रोधी व्यक्ति से दूरी बनाए रखना ही बेहतर है, वरना उसकी अग्नि में आप भी जल सकते हैं।

धोखेबाज और विश्वासघाती

जो लोग मित्र बनकर पीठ में छुरा घोंपते हैं, उनका कोई भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे लोग अपने लाभ के लिए रिश्तों की भी परवाह नहीं करते। महात्मा विदुर का स्पष्ट मत है कि धोखेबाज व्यक्ति की संगति से न केवल मन को पीड़ा मिलती है बल्कि जीवन में बार-बार धोखा खाने की संभावना बढ़ जाती है।

लोभी और लालची व्यक्ति

लालच व्यक्ति को अंधा बना देता है। महात्मा विदुर के अनुसार जो लोग जरूरत से ज्यादा धन, मान-सम्मान या सुविधा के पीछे भागते हैं, वे सही-गलत की पहचान भूल जाते हैं। ऐसे लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं और दूसरों का भी नुकसान करने से नहीं चूकते। उनसे दूरी बनाकर चलना ही समझदारी है।

अशांत और असंतुलित मन वाला व्यक्ति

जो व्यक्ति हर समय परेशान, उलझन में और मानसिक रूप से असंतुलित रहता है, वह न खुद को सुखी रख सकता है और न ही दूसरों को। महात्मा विदुर कहते हैं कि ऐसा व्यक्ति अनजाने में आपके जीवन में भी नकारात्मक ऊर्जा ला सकता है। इसलिए मानसिक रूप से स्थिर और सकारात्मक सोच वाले लोगों की संगति करना ही बेहतर होता है।

गुप्त बातें दूसरों से साझा करने वाला व्यक्ति

जो व्यक्ति दूसरों की बातें इधर से उधर करता है, वह भरोसे के लायक नहीं होता। विदुर नीति कहती है कि ऐसे लोग कभी किसी के नहीं होते। वे आज आपकी बातें किसी को बताएंगे तो कल आपकी बातें दूसरों से कह देंगे। इसलिए ऐसे व्यक्ति से दूरी बनाकर चलना चाहिए।

व्यापार में अटक रहा है पैसा? घर की इस दिशा से जुड़ी गलती हो सकती है जिम्मेदार

किसी भी व्यापार या बिजनेस को सही तरीके से चलाने के लिए सबसे जरूरी होता है कैश फ्लो यानी पैसा समय पर आना। आप चाहे प्रोडक्ट बेच रहे हों या कोई सर्विस दे रहे हों, जब तक आपकी पेमेंट समय पर नहीं आती, तब तक बिजनेस की रफ्तार धीमी हो जाती है। सोचिए, आपने किसी क्लाइंट को माल भेजा या कोई काम पूरा किया, लेकिन उसकी पेमेंट समय पर नहीं आई। ऐसे में आगे का माल तैयार करने या दूसरा काम शुरू करने में रुकावट आ जाती है। धीरे-धीरे यही रुकावटें आपके पूरे कामकाज को प्रभावित करने लगती हैं।

किस दिशा पर ध्यान देना है?

अगर आप चाहते हैं कि आपके बिजनेस की पेमेंट समय पर आती रहे, तो सबसे पहले घर की उत्तरी दिशा (नॉर्थ) को देखें। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम (नॉर्थ-वेस्ट) और उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) दिशा भी बहुत अहम होती है। इन दिशाओं को वास्तु में फाइनेंस, क्लाइंट और पेमेंट्स से जुड़ी दिशा माना जाता है।

अगर इन दिशाओं में कोई ऐसी चीज रखी हो जो आग या गर्मी से जुड़ी हो, तो यह पेमेंट फ्लो में रुकावट पैदा कर सकती है। जैसेः

-गैस स्टोव
-माइक्रोवेव
-लाल रंग की अधिकता
-अगरबत्ती या दीया जलाना
-इलेक्ट्रिक हीटर
-लाल पर्दे या लाल सजावट

क्यों बनती है रुकावट?

वास्तु के अनुसार, उत्तर दिशा से धन और अवसर का संबंध होता है। लेकिन अगर इस दिशा में आग से जुड़ी कोई चीज़ हो, तो वहां की ऊर्जा गड़बड़ा जाती है। इसका सीधा असर आपके बिजनेस पर पड़ सकता है। खासतौर पर पेमेंट्स में देरी, क्लाइंट से अनबन या पुराने बकाया फंसने लगते हैं।

क्या करें?

उत्तर दिशा को खाली और साफ रखें

यहां किसी भारी सामान या इलेक्ट्रिक चीज़ को न रखें।

इस दिशा में नीले या हरे रंग का इस्तेमाल करें

इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

अगर आपने यहां आग से जुड़ी कोई चीज़ रखी है तो तुरंत हटा दें

खासकर लाल रंग या गर्मी देने वाली चीजें।

हफ्ते में एक बार इस दिशा में कपूर जलाकर साफ-सफाई करें

इससे रुकी हुई पेमेंट्स आने लगती हैं।

क्या होगा?

जब आप इन छोटे-छोटे वास्तु उपायों को अपनाते हैं, तो पेमेंट्स समय पर आनी शुरू हो जाती हैं। पुराने बकाया भी वापस मिलने लगते हैं। क्लाइंट से संबंध सुधरते हैं और आपका कामकाज दोबारा रफ्तार पकड़ता है।

ऐसे पैरों वाली महिलाएं होती हैं साक्षात लक्ष्मी!

सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के अंगों की बनावट से लोगों के व्यक्तित्व के बारे में पता लगाया जा सकता है। शरीर के हर अंग की बनावट को उत्तम, बढ़िया, औसत और खराब जैसी श्रेणियों में बांटा गया है। उसके आधार पर यह भी बताया गया है कि ऐसे अंग वाले व्यक्ति के गुण और स्वभाव क्या हो सकते हैं। वह व्यक्ति परिवार के लिए भाग्यशाली होगा या फिर अपयश देने वाला होगा। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, पैरों की बनावट के आधार पर बताया जा सकता है कि कौन सी महिला कैसी होगी? आइए जानते हैं कि पैरों की बनावट के आधार पर कौन सी महिलाएं भाग्यशाली होती हैं?

ऐसे पैरों वाली महिलाएं होती हैं साक्षात लक्ष्मी

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन महिलाओं के पैर की नसें नहीं दिखाई देती हैं, उन स्त्रियों को साक्षात माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। ऐसी महिला के पैर जिस घर में पड़ते हैं, वहां धन, वैभव, सुख, संपत्ति, शांति होती है। वह परिवार हमेशा उन्नति करता है। उस घर में आर्थिक संकट नहीं आता है और धन की कमी नहीं होती है।

ऐसे पैरों वाली महिलाएं होती हैं भाग्यशाली

इसी प्रकार से जिन महिलाओं के पैर सर्पाकार होते हैं यानि सांप के आकार के होते हैं, वे महिलाएं भाग्यशाली होती हैं। ऐसी स्त्रियां जन्म से ही अपने साथ किस्मत और भाग्य को साथ लेकर आती हैं। ये अपने जीवन में सफल होती हैं, हमेशा इनको किस्मत का साथ मिलता है। इनके काम रुकते नहीं हैं, विघ्न और बाधाएं आसानी से दूर हो जाती हैं।ॉ

ऐसे पैरों वाली महिलाएं परिवार को देती हैं खुशहाली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन महिलाओं के पैरों की अंगुलियां लगभग एक समान होती हैं, ऊपर नीचे नहीं होती हैं, एक कर्व यानि वक्र रेखा के समान होती हैं, ऐसी महिलाएं अपने परिवार को हमेशा खुशियां देने वाली होती हैं। इनकी वजह से परिवार को कभी दुख या कोई कष्ट नहीं होता है।

ऐसे पैरों वाली महिलाएं होती हैं सुखी

जिन महिलाओं के पैर मुलायम होते हैं और उनका रंग लालिमा लिए होते हैं, ऐसी महिलाएं सुखी होती हैं। उनके जीवन में ऐश्वर्य और धन की कोई कमी नहीं होती है। इनके जीवनसाथी भी सौभाग्यशाली होते हैं।

अगर घर में दिख जाए काली छिपकली तो हो जाएं सावधान!

घर में काली छिपकली देखने के संकेत

नकारात्मकता का संकेत देती है काली छिपकलीः यदि घर में काली छिपकली दिखाई देती है तो यह नकारात्मकता संकेत माना जाता है। यह घर में निगेटिव एनर्जी का संकेत हो सकता है। घर में एक ही जगह पर बार बार काली छिपकली का दिखाई देना नजर दोष से भी जोड़कर देखा जाता है।

काली छिपकली यानि चेतावनीः यदि आपको घर में काली छिपकली दिखई दे तो यह आपको सचेत करने का संकेत है। आपके जीवन में कोई अनहोनी या अनजाना खतरा आने का संकेत हो सकता है। यदि आपने कोई गलत काम किया है, तो उसका फल आपको मिलने वाला है, ऐसा काली छिपकली से संकेत मिलता है। काली छिपकली का देखना आपके जीवन में होने वाले अचानक बदलाव की तरफ भी इशारा हो सकता है। ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए।

पूजा घर में काली छिपकली का दिखनाः यदि आपके पूजा स्थान या पूजा घर में काली छिपकली दिखाई देती है तो यह देवी और देवताओं की नाराजगी का संकेत हो सकता है या आप जो पूजा पाठ कर रहे हैं, उसमें कोई कमी या अशुद्धता का भी संकेत हो सकता है।

काली छिपकली का शनि से संबंधः काली छिपकली को शनि से जोड़ कर देखा जाता है। घर में बार-बार काली छिपकली दिखाई देती है तो आप पर शनि का प्रभाव आने का संकेत माना जा सकता है।

बेडरूम में दिखे काली छिपकलीः यदि आपके बेडरूम में काली छिपकली दिखती है तो सेहत से जुड़ी समस्याएं आ सकती हैं या दांपत्य जीवन में खटपट हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

धन स्थान या तिजोरी के पास काली छिपकली का दिखनाः यदि आपकी तिजोरी या धन स्थान के पास काली छिपकली दिखाई देती है तो यह धन हानि होने की आशंका को दर्शाती है। आपका कहीं पैसा डूब सकता है या फंस सकता है।

किचन में काली छिपकली का दिखनाः रसोईघर को देवी अन्नपूर्णा का स्थान होता है। यदि आपके किचन में काली छिपकली दिखाई देती है तो घर में अन्न दोष हो सकता है या फिर यह धन संकट आने का संकेत हो सकता है।

9 ग्रहों के लिए कौन सा दीपक जलाएं

ज्योतिषशास्त्र में हर ग्रह की अपनी विशेष ऊर्जा होती है, और उस ऊर्जा को प्रसन्न करने के लिए विशेष प्रकार का दीपक जलाना एक प्रभावी और सरल उपाय माना जाता है। सूर्य, मंगल और बुध, ये तीनों ग्रह मानव जीवन में स्वास्थ्य, आत्मबल, निर्णय क्षमता, बुद्धिमत्ता और कार्यक्षमता से गहरा संबंध रखते हैं। आइए जानते हैं कि इनके साथ ही सभी 9 ग्रहों को शांत या प्रबल करने के लिए किस प्रकार का दीपक, किस दिन और किस सामग्री के साथ जलाना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हम सभी की किस्मत 9 ग्रहों पर निर्भर करती है। इन ग्रहों से बनने वाले शुभ और अशुभ योग से हमारे जीवन की दिशा तय होती है। इसलिए कहा जाता है कि ग्रहों का कुंडली में शुभ होना बहुत आवश्यक है। हालांकि हम किसी ग्रह की शुभ या अशुभ दशा को नहीं रोक सकते, लेकिन उसके प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए कुछ उपाय अवश्य कर सकते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं 9 ग्रहों के शुभ प्रभाव पाने के लिए दीपक जलाने के उपाय। नीचे दिए गए उपायों में हम आपको बताएंगे कि किस ग्रह के लिए आपको कौन सा दीपक जलाना चाहिए और किस दिन जलाना चाहिए। साथ ही जानिए ऐसा करने से आपको क्या लाभ होगा। तो आइए देखें 9 ग्रहों के लिए दीपक जलाने के 9 उपाय।

सूर्य ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

सूर्य ग्रह आत्मबल, पिता, सम्मान और नेत्रों से संबंधित होता है। इसे प्रसन्न करने के लिए रविवार के दिन प्रातः सूर्योदय के समय तांबे या मिट्टी के दीपक में देशी घी या तिल का तेल भरकर दीपक जलाएं और पूर्व दिशा की ओर मुख करें। दीपक के पास जल, लाल फूल, गुड़ और सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। ॐ घृणि सूर्याय नमः मंत्र का 11, 21 या 108 बार जप करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, सरकारी कार्यों में सफलता मिलती है और नेत्र व त्वचा रोगों से राहत मिलती है।

मंगल ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस, भूमि, भाइयों और रक्त से जुड़ा होता है। इसे शांत करने के लिए मंगलवार के दिन मिट्टी या तांबे के दीपक में तिल का तेल भरकर दीपक जलाएं और दक्षिण दिशा की ओर दीपक रखें। साथ में लाल वस्त्र, मसूर की दाल और लाल फूल अर्पित करें।ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः मंत्र का जप करें। यह उपाय क्रोध, रक्त दोष, मांगलिक दोष और भूमि विवादों से राहत देने वाला होता है।

बुध ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

बुध ग्रह बुद्धिमत्ता, वाणी, व्यापार, गणना और संचार का कारक है। इसे प्रसन्न करने के लिए बुधवार को कांसे या पीतल के दीपक में गाय का शुद्ध घी डालकर दीपक जलाएं और उत्तर या ईशान दिशा में रखें। दूर्वा, हरी मूंग, पान और इलायची चढ़ाएं। ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः मंत्र का 108 बार जप करें। इससे स्मरण शक्ति, वाणी में आकर्षण और व्यापारिक निर्णय में सफलता मिलती है।

गुरु ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

गुरु ज्ञान, धन, धर्म, संतान और विवाह का प्रतिनिधि है। बृहस्पतिवार को पीतल के दीपक में गाय का घी भरकर दीपक जलाएं और उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। पीले फूल, हल्दी, बेसन के लड्डू और पीली मिठाई अर्पित करें। ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" मंत्र का जप करें। यह उपाय वैवाहिक जीवन, उच्च शिक्षा और धन-समृद्धि में लाभ देता है।

शुक्र ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

शुक्र भोग, कला, स्त्रियां, विवाह, ऐश्वर्य और आनंद से जुड़ा होता है। शुक्रवार के दिन चांदी या मिट्टी के दीपक में घी या सफेद तिल का तेल डालकर दीपक जलाएं और दीपक को पूर्व दिशा में रखें। सफेद फूल, चंदन, दही-चावल या खीर का भोग अर्पित करें। ॐ शुं शुक्राय नमः मंत्र का जप करें। इससे दांपत्य सुख, आर्थिक ऐश्वर्य और कला क्षेत्र में सफलता मिलती है।

चंद्र ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

चंद्रमा मन, माता, भावनाओं और जल तत्व का प्रतीक है। सोमवार की रात या चंद्रमा के उदय के समय सफेद रंग के दीपक में कपूर या घी का दीपक जलाएं और पश्चिम दिशा की ओर रखें। दीपक के पास शंख, चावल, शक्कर और सफेद फूल अर्पित करें। ॐ चं चन्द्राय नमः मंत्र का जप करें। इससे मानसिक शांति, माता का स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है।

शनि ग्रह के लिए कौन सा दीपक जलाएं

शनि कर्म, न्याय, दुख, कर्मफल और सेवा से जुड़ा ग्रह है। शनिवार को काले मिट्टी या लोहे के दीपक में सरसों का तेल डालकर दीपक जलाएं और दीपक को पीपल के वृक्ष या घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें। दीपक में लौंग डालें और ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का 108 बार जप करें। यह उपाय शनि दोष, साढ़ेसाती, कष्ट, कोर्ट-कचहरी और बाधाओं से मुक्ति दिलाता है।

लंबे समय से बंद घर में हो रहे हैं शिफ्ट? पुराना घर खरीदने से पहले अपनाएं ये वास्तु टिप्स

कई बार ऐसा होता है कि हमें कोई ऐसा घर पसंद आ जाता है जो कई महीनों या सालों से बंद पड़ा होता है। कीमत भी ठीक लगती है और लोकेशन भी अच्छी होती है, लेकिन मन में एक डर बना रहता है – कहीं इसमें कोई बुरी ऊर्जा तो नहीं? वास्तु शास्त्र मानता है कि बहुत दिनों से बंद पड़े घरों में नकारात्मकता जमा हो जाती है, जो धीरे-धीरे वहां रहने वालों की सेहत, रिश्ते और तरक्की पर असर डाल सकती है। अगर आप भी किसी ऐसे घर को खरीदने की सोच रही हैं जो लंबे समय से बंद पड़ा है, तो सिर्फ पेंट और फर्नीचर बदलने से काम नहीं चलेगा। आपको घर की ऊर्जा को भी साफ करना होगा। नीचे बताए गए वास्तु उपाय अपनाकर आप उस पुराने बंद घर को एक नया और सकारात्मक जीवन दे सकती हैं।

सुबह शाम जलाएं लौंग और कपूर

घर में मौजूद बुरी ऊर्जा को दूर करने का सबसे आसान और असरदार तरीका है लौंग और कपूर जलाना। सुबह और शाम, दोनों समय आप मिट्टी के एक छोटे बर्तन में कपूर और दो लौंग जलाएं और उसका धुआं पूरे घर में फैलाएं। इससे न सिर्फ घर की हवा शुद्ध होती है, बल्कि मन और माहौल दोनों शांत और हल्के महसूस होते हैं।

मुख्य दरवाजे पर लगाएं हरे पौधे और बंधनवार

मुख्य दरवाजा किसी भी घर की ऊर्जा का पहला रास्ता होता है। अगर आप पुराने बंद घर में प्रवेश कर रही हैं, तो उसके दरवाजे को जरूर सजाएं। दरवाजे के दोनों तरफ तुलसी, मनी प्लांट या अशोक जैसे हरे पौधे रखें। साथ ही दरवाजे पर आम या अशोक के पत्तों से बनी बंधनवार भी लगाएं। यह न सिर्फ दिखने में सुंदर लगता है, बल्कि अच्छी ऊर्जा को अंदर आने का रास्ता भी देता है।

खोल दें सभी खिड़कियां और दरवाजे

जब घर लंबे समय तक बंद रहता है, तो उसमें धूप और ताजा हवा का आना बंद हो जाता है। यही वजह होती है कि अंदर की हवा भारी और मन को बोझिल करने वाली लगती है। जब आप नए घर में जाएं, तो पहले दिन सभी खिड़कियां और दरवाजे खोल दें। जितनी धूप और हवा अंदर आएगी, उतनी जल्दी घर की बंद और बासी ऊर्जा बाहर निकलेगी।

हल्दी से बनाएं स्वास्तिक का चिन्ह

स्वास्तिक का चिन्ह भारतीय परंपरा में शुभता का प्रतीक माना गया है। किसी पुराने घर में प्रवेश करते समय अगर आप मुख्य दरवाजे पर हल्दी से बना स्वास्तिक बनाएं, तो यह बहुत लाभकारी होता है। हल्दी न सिर्फ शुद्धता की निशानी है, बल्कि यह अच्छे कंपन (वाइब्स) को भी आकर्षित करती है। यह उपाय मानसिक शांति और सकारात्मक माहौल देने में काफी असरदार माना जाता है।

दोष संवारने व गुण निखारने का अवसर है विवाह

जैसे-जैसे हमारे पारिवारिक जीवन में उपद्रव और अधिक होने लगेंगे, तब हमें पता लगेगा कि हमारी संस्कृति में विवाह संस्था का क्या महत्व है? आज ये संस्था दांव पर लग गई। वेडिंग भारत की चौथी बड़ी इंडस्ट्री तो बन गई, लेकिन लोगों को इसके सात वचन याद नहीं हैं।

अब जब बच्चों की शादी हो रही हो तो उनके माता-पिता और बच्चे सप्तपदी के मंत्रों को समझें। जिस तरह वेडिंग इवेंट में रिहर्सल की जाती है, होने वाले दूल्हा-दुल्हन, परिवार के लोग खूब तैयारी करते हैं, उस समय ये मंत्र भी याद किए जाएं।

आजकल अपने बच्चों के दोष छिपाकर, गुण बताकर विवाह कर दिया जाता है। और कीमत बच्चे भी चुकाते हैं, माता-पिता भी चुकाते हैं और एक ऐसा परिवार चुकाता है, जहां आपने बेटी दी है या बेटी लाए हैं। कोई कितनी जासूसी करे एक-दूसरे की, कितनी ही जानकारी निकाल लीजिए, पर कुछ दोष तो साथ में रहने पर ही समझ में आते हैं। यदि विवाह को संस्कार मानेंगे तो दोष को संवारने का मौका दिया जाएगा और गुण को निखारने का। इसी का नाम विवाह से बसा हुआ परिवार है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- हम दोनों कुछ महीने अलग थे

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं।

एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

'हम कुछ महीनों बात कर रहे थे'

ईशा गुप्ता ने हार्दिक पांड्या के साथ अपने डेटिंग की खबरों और अफेयर को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा, 'हां, कुछ समय से हम बात कर रहे थे। मुझे नहीं लगता कि हम डेटिंग कर रहे थे। लेकिन हां, हम कुछ महीनों से बात कर रहे थे। हम उस 'शायद यह होगा, शायद यह नहीं होगा' वाले स्टेज पर थे। डेटिंग स्टेज तक पहुंचने से पहले ही यह खत्म हो गया। तो यह डेटिंग नहीं थी। हम एक या दो बार मिले, बस। तो हां, जैसा कि मैंने कहा, यह कुछ महीने था और फिर यह खत्म हो गया।' ईशा गुप्ता का नाम साल 2018 में हार्दिक पांड्या के साथ जुड़ा था और दोनों के अफेयर की चर्चाएं चली थीं।

'हम दोनों एक-दूसरे से अलग थे'

एक्ट्रेस ने कहा कि हम एक कपल हो सकते थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होना तय था। मैं और हार्दिक उतने कंपटेबल नहीं थे, जितना एक कपल को होना चाहिए।

हालांकि, सबका अपना एक टाइप होता है। मैं हर सुबह सेल्फ ऑब्सेशन के साथ नहीं उठ सकती। मैं हर सुबह जागते ही ओह माय गॉड हम दोनों कितने अच्छे लगते हैं या खुद की ही तारीफ नहीं कर सकती। मैं इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं कर सकती।

'धमाल 4' में नजर आएंगी ईशा गुप्ता

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता को आखिरी बार बॉबी देओल की 'आश्रम' सीरीज में देखा गया था। इसके अलावा वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इस बीच वो कुछ एक म्यूजिक वीडियोज में जरूर नजर आई हैं। उनके आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो वो अजय देवगन के साथ 'धमाल 4' में नजर आ सकती हैं।

सौरव गांगुली की भूमिका निभाने में घबरा रहे राजकुमार राव, बोले- 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है'

पिछले कुछ वक्त से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर चर्चाएं हो रही थीं। कभी बायोपिक बनने न बनने को लेकर कन्फ्यूजन था तो कभी दादा की भूमिका में कौन होगा, इसको लेकर असमंजस की स्थिति थी। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है और ये कंफर्म हुआ है कि सौरव गांगुली की बायोपिक बन रही है। साथ ही ये भी कंफर्म हो गया है कि राजकुमार राव इसमें दादा यानी कि सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे।

राजकुमार राव ने किया कंफर्म

अभिनेता राजकुमार राव ने ये कंफर्म किया कि वो पूर्व भारतीय कप्तान की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। राजकुमार राव ने कहा, 'अब जब दादा ने यह कह दिया है, तो मुझे भी इसे आधिकारिक रूप से घोषित कर देना चाहिए। हां, मैं उनकी बायोपिक कर रहा हूं और दादा की भूमिका निभा रहा हूं। मुझे दादा इस रोल के लिए काफी घबराहट भी हो रही है। क्योंकि यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन यह बहुत मजेदार होने वाला है।'

किरदार के लिए एक्टर ने सीखी बंगाली

इस दौरान राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बंगाली सीखने में आने वाली दिक्कतों का भी जिक्र किया। हालांकि, उनके लिए ये उतना मुश्किल नहीं रहा, क्योंकि उनकी पत्नी पत्रलेखा भी एक बंगाली हैं। इसलिए वो अपनी पत्नी से बंगाली सीखते हैं। हालांकि, रोल के लिए खुद को तैयार करना राजकुमार के लिए लिए मुश्किल रहा।

दादा ने पहले ही दी थी जानकारी

इससे पहले इस साल की शुरुआत में खुद सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक को लेकर बात की थी और ये बताया था कि राजकुमार राव उनकी भूमिका निभाएंगे। हालांकि, इसके बाद बीच में तारीखों की दिक्कतों के चलते कुछ अटकलें भी लगी थीं। अब राजकुमार राव ने फिल्म की पुष्टि करते हुए अपने रोल को कंफर्म किया है। इस बायोपिक में सौरव गांगुली के व्यक्तिगत जीवन से लेकर उनके करियर तक के बारे में दिखाया जाएगा।

'मालिक' में नजर आएंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता को आखिरी बार पिछले महीने रिलीज हुई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। अब राजकुमार राव अपनी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में राजकुमार राव के साथ मानुषी छिल्लर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आफताब शिवदासानी ने नौ साल की उम्र में शुरू किया अपना करियर

आफताब शिवदासानी का आज 47वां जन्मदिन है। आफताब ने बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था और महज 9 साल की उम्र में उन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म में काम किया। आफताब शिवदासानी का जन्म 25 जून, 1978 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता का नाम प्रेम शिवदासानी और मां का नाम पुतली शिवदासानी है। उनकी एक बड़ी बहन अफसाना शिवदासानी हैं। आफताब ने अपनी पढ़ाई मुंबई के सेंट जेवियर हाई स्कूल और एच.आर. कॉलेज ऑफ कॉमर्स से पूरी की।

आफताब की लव स्टोरी

आफताब ने ब्रिटिश-भारतीय मूल की निन दुसांज से शादी की है, जो मॉडल और लग्जरी ब्रांड कंसल्टेंट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी मुलाकात एक किताबों की दुकान पर हुई थी, जहां आफताब को निन से पहली नजर में प्यार हो गया। तीन हफ्ते की डेटिंग के बाद उन्होंने निन को शादी के लिए प्रपोज किया। दोनों ने 2014 में शादी कर ली। खास बात यह है कि 2017 में उन्होंने निन के साथ फिर से धूमधाम से शादी की। निन, अभिनेता कबीर बेदी की पत्नी परवीन दुसांज की बहन हैं।

आफताब की नेटवर्थ

आफताब की निजी जिंदगी हमेशा चर्चा में रही है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, नेटवर्थ की बात करें, तो उनके पास ऑडी आरएस 5 और बीएमडब्ल्यू एक्स 6 जैसी महंगी गाड़ियां और मुंबई में एक आलीशान अपार्टमेंट है।

उनकी कुल संपत्ति लगभग 51 करोड़ रुपये बताई जाती है। वह अपने प्रोडक्शन हाउस और इवेंट्स के जरिए सालाना करीब 3 करोड़ रुपये की कमाई करते हैं।

बतौर बाल कलाकार कई फिल्मों में किया काम

आफताब ने अपने करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार के रूप में की थी। महज डेढ़ साल की उम्र में वह बेबी फूड ब्रांड के विज्ञापन में नजर आए। 9 साल की उम्र में उन्होंने अनिल कपूर की फिल्म मिस्टर इंडिया (1987) में काम किया। इसके बाद शहंशाह, चालबाज, अव्वल नंबर, और इंसानियत जैसी फिल्मों में भी वह बाल कलाकार के रूप में दिखे। 1999 में, 19 साल की उम्र में, उन्होंने राम गोपाल वर्मा की फिल्म मस्त से मुख्य अभिनेता के रूप में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनकी जोड़ी उर्मिला मातोंडकर के साथ थी। यह फिल्म सुपरहिट रही। उन्हें इसके लिए बेस्ट मेल डेब्यू और मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यूकमर जैसे अवॉर्ड मिले। इसके बाद आफताब ने फिल्म 'कसूर' में अपने निगेटिव रोल से सभी का दिल जीता। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट विलेन का जी सिने अवॉर्ड भी मिला।

आफताब का करियर और वर्कफ्रंट

मस्ती, ग्रैंड मस्ती, हंगामा, क्या यही प्यार है और आवारा पागल दीवाना जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया, जो काफी लोकप्रिय हुईं। हालांकि, उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाईं। उन्हें अक्सर साइड रोल में ही देखा गया। हाल ही में, आफताब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्पेशल ऑप्स 1.5 में नजर आए और अक्षय कुमार के साथ वेलकम टू द जंगल में काम कर रहे हैं।

फिल्म वेलकम टू द जंगल का मजेदार किस्सा

आफताब शिवदासानी कॉमेडी फिल्में जैसे मस्ती, हंगामा और धमाल के लिए मशहूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के सेट से कुछ मजेदार किस्से साझा किए। इस फिल्म में अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पाटनी जैसे कई बड़े सितारे हैं। आफताब ने बताया कि अक्षय कुमार के साथ काम करना हमेशा मजेदार होता है। सेट पर अक्षय की एनर्जी और हंसी-मजाक सबको खुश रखता है। एक बार शूटिंग के दौरान अक्षय ने मजाक में आफताब को एक सीन में अचानक इम्प्रूव करने को कहा, जिससे सेट पर सब हंसते-हंसते लोटपोट हो गए।

मस्ती 4

हाल ही 'मस्ती 4' की शूटिंग शुरू हुई, जिसमें आफताब, रितेश देशमुख और विवेक ओबेरॉय के साथ नजर आएंगे। सेट से तस्वीरें शेयर करते हुए आफताब ने लिखा, पागलपंती शुरू हो गई! फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इसके अलावा, आफताब ने एक गाने तन्हाइयां की शूटिंग जयपुर में की, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जयपुर का प्यार और माहौल उन्हें हमेशा याद रहेगा।

अधूरा इश्क, टूटी सगाई और फिर तलाक..., कुछ ऐसी रही है कपूर खानदान की लाडली करिश्मा की लव लाइफ

कपूर खानदान की लाडली। हिंदी सिनेमा के शोमैन राज कपूर की नातिन करिश्मा कपूर। करिश्मा ने अपने परिवार की वह परंपरा तोड़ी, जिसके मुताबिक महिलाएं इंडस्ट्री में काम नहीं किया करती थीं। 90 के दशक में इंडस्ट्री पर राज किया। खूबसूरती, डांस और अदाकारी हर मामले में उन्होंने दर्शकों का प्यार पाया। दौलत-शोहरत हर तरह से किस्मत उन पर मेहरबान रही। मगर, निजी जिंदगी की बात करें तो इस मामले में करिश्मा की जिंदगी जैसे मुकम्मल नहीं हो सकी। इंडस्ट्री में अफेयर्स को लेकर चर्चा में रहीं, लेकिन किसी के साथ बात शादी तक नहीं पहुंची। एक के साथ लंबे रिलेशनशिप के बाद सगाई हुई तो वह भी टूट गई। शादीशुदा जिंदगी भी अच्छी नहीं रही और तलाक हो गया।

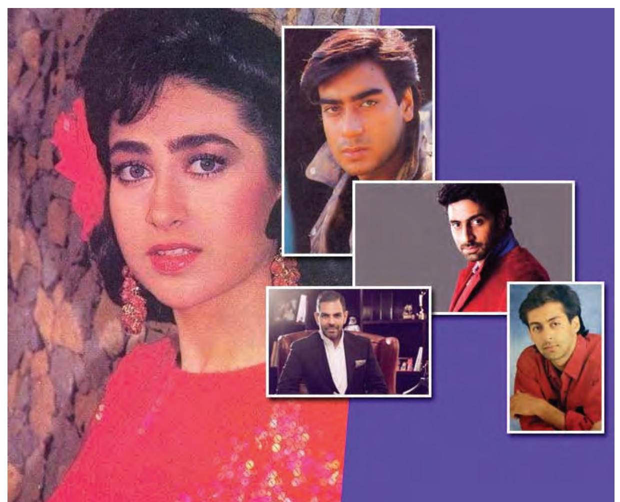

अजय देवगन के साथ जुड़ा नाम

एक वक्त था, जब करिश्मा कपूर का नाम अभिनेता अजय देवगन से जुड़ा। दोनों के कथित अफेयर की खबरें खूब सुर्खियों में रहीं। दोनों ने फिल्म 'जिगर' में साथ काम किया। कहा जाता है कि इसी दौरान दोनों के बीच करीबी बढ़ीं। मगर, इनका रिश्ता किसी मुकाम तक नहीं पहुंचा।

इन दो सितारों से बढ़ीं नजदीकियां

इसके अलावा करिश्मा कपूर का नाम एक्टर गोविंदा के साथ भी जुड़ चुका है। दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी काफी हिट रही। इसी बीच दोनों के कथित लिंकअप की खबरें आईं। हालांकि, यह रिश्ता कुछ वक्त तक ही रहा। इसके अलावा करिश्मा कपूर का नाम अक्षय खन्ना के साथ भी जुड़ा। मगर, इनका रिश्ता किसी मंजिल तक नहीं पहुंच सका। रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा की मां बबीता कपूर नहीं चाहती थीं कि करियर की बुलंदी पर करिश्मा शादी का फैसला लें।

लोलो को सलमान खान पर रहा क्रश

इसके अलावा करिश्मा कपूर का नाम बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के साथ भी जुड़ चुका है। दिलचस्प बात तो यह है कि किसी जमाने में करिश्मा कपूर को सलमान पर क्रश रहा। इसका खुलासा खुद करीना कपूर कर चुकी हैं। एक बार करिश्मा अपनी बहन करीना के साथ कपिल शर्मा शो में पहुंची थीं। शो में कपिल ने करीना से पूछा कि लोलो (करिश्मा) का किस एक्टर पर क्रश था? इस पर करीना ने बताया कि करिश्मा को सलमान खान पर क्रश था। बता दें कि सलमान खान के साथ करिश्मा ने बीवी नंबर 1, जुड़वां , अंदाज अपना-अपना, दुल्हन हम ले जाएंगे और चल मेरे भाई जैसी फिल्मों में काम किया।

पांच साल का रिश्ता, सगाई और फिर टूटा दिल

करिश्मा कपूर की जिंदगी में फिर अभिषेक बच्चन की एंट्री हुई। दोनों ने करीब पांच साल एक-दूसरे को डेट किया। 2002 में दोनों की सगाई हो गई। मगर, करिश्मा कपूर बच्चन परिवार की बहू बनते-बनते रह गईं। बता दें कि करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन की सगाई हो गई थी। मगर, रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया। सगाई टूटने के बाद करिश्मा कपूर का दिल बुरी तरह टूटा था। उन्होंने कहा था, 'मैं नहीं चाहती कि कोई भी लड़की इससे गुजरे। मैं बहुत कुछ झेल चुकी हूं, लेकिन जो कुछ भी हुआ, मैं उससे समझौता भी कर चुकी हूं। मैं बस इतना ही कहूंगी कि जो किस्मत में लिखा है, वह होना ही है'।

संजय कपूर से रचाई शादी, लेकिन राहें हुईं जुदा

अभिषेक बच्चन के साथ रिश्ता टूटने के बाद करिश्मा कपूर ने बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी रचाई। दोनों की मुलाकात एक पार्टी में हुई थी। साल 2003 में धूमधाम से पारंपरिक तरीके से दोनों की शादी हुई। कपल का परिवार बढ़ा और एक बिटिया और बेटे का स्वागत किया।

मगर, फिर रिश्ते में दरार आ गई। साल 2016 में इनका तलाक हो गया। 12 जून को करिश्मा कपूर के एक्स-हसबैंड संजय कपूर का निधन हो गया है। संजय के अंतिम संस्कार और प्रार्थना सभा में करिश्मा कपूर अपने बच्चों के साथ पहुंचीं। करिश्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार उन्हें 2024 में मर्डर मुबारक में देखा गया।

रणदीप का नया लुक देख चौंके फैंस, किसी ने की तारीफ तो कोई बोला- अपना हीरो कुछ भी कर सकता है

अभिनेता रणदीप हुड्डा परदे पर कोई भी भूमिका अदा करें तो पूरी तरह उसमें डूब जाते हैं। अपना लुक भी किरदार की तरह बना लेते हैं। फिल्म में अपने रोल की डिमांड पर उन्होंने कई बार अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन से चौंकाया है। हाल ही में एक्टर ने अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें उन्होंने अपने लुक से चौंका दिया है।

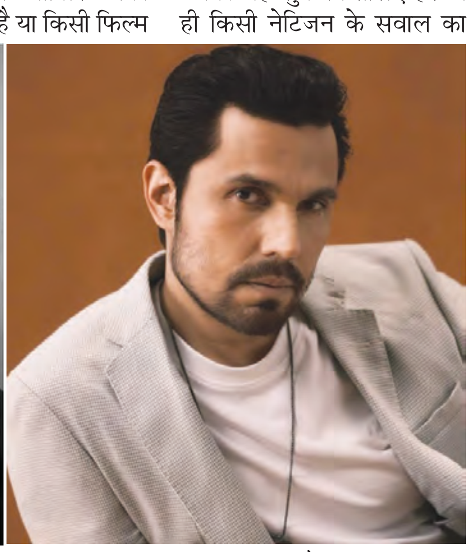

रणदीप ने पूछा- 'कौन सी चाय?'

रणदीप हुड्डा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी एक फोटो शेयर की है। इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में वे आंशिक रूप से गंजे नजर आ रहे हैं। इसके साथ एक्टर ने कैप्शन लिखा है, 'इस मंगलवार को कौन सी चाय? कॉफी ही एकमात्र चीज नहीं है, जो बन रही है'!

यूजर ने पूछा- 'करण जौहर की बायोपिक कर रहे हैं?'

एक्टर के इस फोटो को देख फैंस हैरान रह गए हैं। इसी के साथ उनकी उत्सुकता यह जानने में बढ़ गई है कि आखिर उनका यह लुक रियल है या किसी फिल्म के लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया है। यूजर्स ने सवालों की झड़ी लगा दी है। वहीं, कुछ यूजर्स उनके लुक की तुलना करण जौहर से कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या वे करण जौहर की बायोपिक करने वाले हैं। इसके अलावा नेटिजन्स पूछ रहे हैं कि क्या उनका यह रोल किसी बायोपिक के लिए है। कुछ नेटिजन्स मजाकिया कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'अपना हीरो कुछ भी कर सकता है'।

क्या आगामी प्रोजेक्ट के लिए है नया लुक?

हालांकि, रणदीप हुड्डा ने न तो कैप्शन में यह स्पष्ट किया है कि उनका यह लुक किसलिए है? न ही किसी नेटिजन के सवाल का जवाब दिया है। फिलहाल ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह लुक रणदीप की आगामी फिल्म का है।

देखना दिलचस्प होगा कि इस बारे में आधिकारिक रूप से कब खुलासा होता है। रणदीप के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों उन्हें सनी देओल की फिल्म 'जाट' में देखा गया।

'इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल' में सम्मानित हुईं जैकलीन फर्नांडीज

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, 'मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है!

अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, 'रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।'

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

परफेक्ट जीवनसाथी चुनाव के लिए टिप्स

शादी के मौसम की शुरुआत कुछ ही दिनों में होने वाली है. नवंबर-दिसंबर महीने में कई घरों में शहनाइयां बजती हैं. पैरेंट्स अपने बेटे या बेटी के लिए योग्य जीवनसाथी की तलाश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते. वहीं, लड़का-लड़की भी चाहते हैं कि शादी उनकी हो रही है तो उनकी पसंद-नापसंद का ख्याल जरूर रखा जाए. खासकर, जब शादी अरेंज मैरिज हो तब. लाइफ पार्टनर का चुनाव करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए वरना आगे चलकर रिश्ता टूटने की नौबत आ जाती है. यदि आपके घर वाले आपका रिश्ता तय कर रहे हैं, आपके लिए लड़का-लड़की देख रहे हैं तो अपनी पसंद, राय भी बताएं. आपको कोई पसंद ना आए तो आप साफ मना कर सकते हैं. चुप-चाप रह कर किसी भी रिश्ते के लिए हामी न भरें, क्योंकि आगे का सारा जीवन आपको ही उसके साथ बिताना है ना कि आपके परिवार को. ऐसे में एक बेहतर जीवनसाथ की तलाश है तो आप उसके अंदर कुछ क्वालिटी, खूबियों पर जरूर गौर करें. आइए जानते हैं एक बेहतर और अच्छे जीवनसाथी में कौन-कौन सी खूबियां होनी जरूरी है, ताकि आपका रिश्ता अटूट रहे और प्यार और सुकून से दांपत्य जीवन की गाड़ी आगे बढ़ती रहे.

1. शादी एक लाइफ लॉन्ग कमिटमेंट है. इसमें दो परिवारों का रिश्ता जुड़ता है. इस रिश्ते में मेरा-तेरा की जगह नहीं होती है, बल्कि 'हमारा' 'हम' को महत्व दिया जाता है. ऐसे में एक हैप्पी और हेल्दी मैरिड लाइफ बिताने के लिए होने वाले जीवनसाथी में कुछ क्वालिटी, गुणों का होना बेहद जरूरी है. तो आपकी भी शादी फिक्स होने वाली है, अपने लिए योग्य दूल्हा या दुल्हन की तलाश कर रहे हैं तो फिर जल्दबाजी ना मचाएं. पूरे घर-परिवार के साथ बैठकर शादी-

ब्याह पर चर्चा करें. आपके मन लायक जीवनसाथी ना मिले तो बेशक आप कुछ महीने और तलाश करें और तब शादी की बात आगे बढ़ाएं.

2. आप किसी से मिलें, इससे पहले की उससे शादी की बात आगे बढ़ें या फिक्स हो, उसके साथ कुछ पल अकेले में बातें करें. दो-तीन दिन उससे मिले-जुलें. उसके विचारों, सोच को समझने की कोशिश करें. फिर चाहे वह लड़का हो या लड़की. बातों से थोड़ा बहुत अंदाजा तो लग ही जाएगा कि उसका शादी में यकीन है या नहीं. रिश्ते, प्यार, शादीशुदा जिंदगी को लेकर सामने वाले की सोच कैसी है. लड़की या लड़के के घर वालों को इज्जत देगा या नहीं. इन सभी बातों में लड़का-लड़की पॉजिटिव रूप से खरे उतरते हैं तो फिर तो रिश्ते के लिए हां बोलने में कोई बुराई नहीं है.

3. जीवनसाथी ऐसा हो जिसकी हॉबीज, इंटरेस्ट आपसे मिलते-जुलते हों. लाइफ पार्टनर चुनते समय इस क्वालिटी पर जरूर ध्यान देना चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि कई बार आपको जिन बातों, कामों में दिलचस्पी होती है, पार्टनर की नहीं होती है. ऐसे में एक-दूसरे के साथ सामंजस्य बिठा पाना मुश्किल हो जाता है. यदि आप किसी के साथ अपना सारा जीवन बिताने का फैसला लेने वाले हैं तो इस बात पर गौर करें कि वो आपकी पसंद-नापसंद में रुचि ले रहा है या नहीं.

4. कुछ लोग पहली मुलाकात में इंम्प्रेशन छोड़ने के लिए खूब बढ़-चढ़कर बातें करते हैं, डींगे मारते हैं. ऐसे में होने वाले लाइफ पार्टनर के इंटेलिजेंस पर भी ध्यान देना जरूरी है. साथ ही आप जितने पढ़े-लिखें हैं या आपकी एजुकेशन क्वालिफिकेशन, जॉब पर भी गौर फरमाएं. यदि आप चाहते हैं कि आपका जीवनसाथी आपको समझने के साथ ही आपके काम को भी समझे, सपोर्ट करे तो ऐसा पार्टनर बेस्ट है. शादी के बाद भी आपको काम करने दे ना कि हाउस वाइफ बनाकर रखे, आपके सपनों को पूरा करने में आपको भरपूर सपोर्ट करे तो ऐसा इंसान जीवनसाथी बनने के लिए परफेक्ट है.

5. एक-दूसरे का सम्मान करने वाला, रिश्तों की अहमियत को समझने वाला हो लाइफ पार्टनर. हमेशा अपनी चलाना, हर बात अपनी ही मनवाना, हर चीज में अकेले फैसला लेना, खुद को सही और सामने वाले को गलत ठहराने वाला इंसान ठीक नहीं होता. यदि आपको शादी से पहले कुछ मुलाकातों में ये आभास होता है तो ये रिश्ता बिल्कुल ना जोड़ें वरना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है.

अच्छी सेहत पाने के लिए क्या छोड़ देना चाहिए रात का खाना? यह फायदेमंद है या नुकसानदायक

अब तक हम सभी ये बात अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि सेहत को ठीक रखना है तो आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। हम क्या खाते हैं, कब खाते हैं इन सभी का सेहत पर सीधा असर होता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप दिन में तीन बार भोजन करते हैं- नाश्ता, लंच और डिनर तो इसमें सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें भरपेट पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए, इसके बाद लंच थोड़ा हल्का और रात का भोजन सबसे हल्का रखना अच्छा माना जाता है।

अच्छी फिटनेस पाने, वजन कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इन दिनों 'स्किप डिनर' काफी ट्रेंडिंग है। इसका मतलब है कि आप रात का खाना छोड़ दीजिए। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या वास्तव में हमें डिनर छोड़ देना चाहिए? आइए इस बारे में समझते हैं।

इंटरमिटेंट फास्टिंग और डिनर स्किप

हम अक्सर यह सुनते हैं कि ₹रात का खाना हल्का खाना चाहिए या जल्दी डिनर करना फायदेमंद होता है। लेकिन आजकल कुछ लोग एक कदम और आगे बढ़कर

डिनर ही स्किप (छोड़) कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है क्या डिनर स्किप करना वाकई फायदेमंद है? या यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है?

इस संबंध में किए गए अध्ययनों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग से डिनर स्किप करने का चलन लोकप्रिय हुआ। इसमें लोगों को 16:8 फास्टिंग करने की सलाह दी जाती है, जिसमें व्यक्ति 16 घंटे उपवास करता है और सिर्फ 8 घंटे में भोजन करता है, जो अक्सर ब्रेकफास्ट और लंच तक सीमित होता है।

क्या कहते हैं अध्ययन?

सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल में इसी से संबंधित एक अध्ययन से पता चलता है कि डिनर स्किप करने या भोजन का समय सीमित करने से कैलोरी इनटेक कम होता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। वहीं यूनिवर्सिटी ऑफ एलाबामा में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अगर दिन का अंतिम भोजन शाम 7 बजे से पहले कर लिया जाए तो ब्लड शुगर लेवल बेहतर कंट्रोल में रहता है।

डिनर छोड़ देना ठीक है या नहीं?

विशेषज्ञ कहते हैं, डिनर स्किप करने या रात में जल्दी खाने के कुछ लाभ तो जरूर हैं पर सभी लोगों के लिए पूरी तरह से डिनर स्किप करना ठीक नहीं है। शरीर को काम करने के लिए जरूरी ऊर्जा के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। शरीर रात के समय में कोशिकाओं की मरम्मत और पुनर्निर्माण करता है। अगर आपने दिन में पर्याप्त पोषण नहीं लिया तो न सिर्फ ये प्रक्रिया बाधित हो सकती है बल्कि आपको थकावट-कमजोरी भी महसूस हो सकती है।

इसके अलावा अगर आप शरीर को पर्याप्त प्रोटीन नहीं देते तो इससे मांसपेशियों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। प्रोटीन की ही मदद से शरीर रात के समय कोशिकाओं की सही तरीके से मरम्मत करता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉक्टर कहते हैं, अगर आपको पहले से कोई बीमारी है तो बिना अपने चिकित्सक की सलाह के भोजन बिल्कुल न छोड़ें। विशेषकर डायबिटीज वाले मरीजों के लिए ये खतरनाक हो सकता है। रात का खाना छोड़ देने ले कुछ मरीजों को लो ब्लड शुगर की समस्या हो सकती है। इसके अलावा लगातार डिनर स्किप करने के कारण महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है।

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिकल हेल्थ के विशेषज्ञों के अनुसार, डिनर स्किप करना हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है। यह व्यक्ति की उम्र, लाइफस्टाइल और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, डायबिटीज और लो ब्लड प्रेशर के मरीज, बच्चों के लिए ये समस्या बढ़ाने वाला हो सकता है। बेहतर है कि आप डॉक्टर या डाइटीशियन से सलाह लेकर ही इस तरह के बदलाव करें।

क्या 'नट्स' वाकई वजन बढ़ाते हैं? कौन से नट्स हैं सेहत के लिए बेस्ट

हम सभी जानते हैं कि बादाम, अखरोट, पिस्ता और काजू जैसे नट्स कितने स्वादिष्ट होते हैं। न सिर्फ ये स्वादिष्ट होते हैं बल्कि ये पोषक तत्वों का भी खजाना भी होते हैं। ये सेहत के लिए इतने फायदेमंद होते हैं कि इन्हें अक्सर 'सुपरफूड' कहा जाता है क्योंकि ये प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी हैं।

क्या नट्स वजन बढ़ाते हैं?

नट्स में कैलोरी और फैट की मात्रा अधिक होने के कारण लोग मानते हैं कि ये वजन बढ़ाते हैं। हालांकि, कई वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि सीमित मात्रा में नट्स खाने से वजन नहीं बढ़ता। नट्स में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स, फाइबर, और प्रोटीन भूख को नियंत्रित करते हैं, जिससे आप कम खाते हैं। एक शोध के अनुसार, रोजाना 20-30 ग्राम नट्स खाने वाले लोगों में वजन बढ़ने की संभावना कम होती है। नट्स को बिना नमक या तेल में भुने हुए खाना सबसे अच्छा है, क्योंकि तले हुए नट्स में अतिरिक्त कैलोरी हो सकती है। अब आइए जानते हैं किन नट्स को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं?

बादाम

बादाम विटामिन ई, मैग्नीशियम, और फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जो हृदय स्वास्थ्य, त्वचा, और ब्लड शुगर नियंत्रण के लिए फायदेमंद हैं। इनमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं, जिससे अधिक खाने की इच्छा कम होती है। बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो वजन नियंत्रण में मदद करता है। इन्हें सुबह नाश्ते में या सलाद के साथ खाया जा सकता है। बिना नमक या भुने हुए बादाम चुनें, ताकि अतिरिक्त कैलोरी से बचा जा सके।

पिस्ता

पिस्ता कम कैलोरी और हाई फाइबर वाले नट्स हैं, जो वजन नियंत्रण के लिए बेहतरीन विकल्प है। पिस्ता में हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य और पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं। पिस्ता खाने से भूख कम लगती है, जिससे स्नैकिंग की आदत कम होती है। इन्हें दोपहर के स्नैक के रूप में या स्मूदी में डालकर खाया जा सकता है।

अखरोट

अखरोट ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क स्वास्थ्य रखने में मदद करते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन वजन कंट्रोल करने में सहायक हो सकते हैं, क्योंकि इसे खाने के बाद लंबे समय भूख नहीं महसूस होता है। अखरोट कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी प्रभावी हैं। अगर अखरोट को सीमित मात्रा रोज खाया जाए तो ये संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होगा और वजन कंट्रोल करने में भी मदद करेगा।

जिंदगी में पहले रहने के लिए टाइम मैनेजमेंट टिप्स

टाइम मैनेजमेंट एक ऐसी स्किल है, जिसे अगर आपने सीख लिया, तो ये न सिर्फ आपके प्रोफेशनल ग्रोथ में काम आएगी, बल्कि आप पर्सनल लाइफ को भी सही तरह से बैलेंस कर पाएंगे। टाइम को सही तरह से मैनेज करके आप और भी दूसरी चीज़ें सीख सकते हैं, जो आपके आगे के करियर में मददगार साबित हो सकती हैं। जिदंगी में आगे बढ़ने और हमेशा बने रहने के लिए समय का सही इस्तेमाल बेहद जरूरी है। इसमें कौन सी बातें कर सकती हैं आपकी मदद, जान लें यहां।

टाइम मैनेजमेंट टिप्स

- छुट्टी वाले दिन थोड़ा टाइम निकालकर अगले हफ्ते का प्लान तैयार कर लें। इससे वर्किंग डे में फ्री माइंड होकर काम पर फोकस कर पाएंगे।

- रोजाना सुबह सबसे पहले टू डू लिस्ट तैयार करें। उसमें तीन सेक्शन बनाएं। पहले ऑफिस से जुड़े कामकाज, दूसरे में परिवार से जुड़े कार्य और तीसरे में सेल्फ इंप्रूवमेंट संबंधी योजनाएं लिखें। इससे सारे काम आपके सामने रहेंगे। कोई भी काम मिस नहीं होगा।

- काम के दौरान कई बार बैंक, रियल एस्टेट, इंश्योरेंस कंपनियों के एजेंट्स के फोन कॉल्स आते रहते हैं। अपने मोबाइल को साइलेंट मोड में रखकर इनकी वजह से होने वाले डिस्टर्बेंस से बचा जा सकता है।

- समय-समय पर अपने काम करने का तरीका बदलते रहें। रोजाना एक ही पैटर्न में काम करने से बोरियत महसूस हो सकती है। जिस वजह से कई बार छोटे-छोटे कामों में भी जरूरत से ज्यादा समय लगता है।

- कोई बहुत काम कर रहे हैं, तो इस दौरान मोबाइल में वॉट्सएप, ईमेल, इंस्टाग्राम नोटिफिकेशन बंद करके रखें। बार-बार इसके आने से ध्यान बंटता है।

- अगर आप कैब या पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ऑफिस जाते हैं, तो रास्ते के समय का उपयोग जरूरी फोन कॉल और मैसेजेस के जवाब देने में करें। इससे समय की बचत होगी।

जरूरी बातें

- हमेशा अपनी लिस्ट में उतने ही काम दर्ज करें, जिन्हें आप एक दिन में पूरा कर सकें। साथ ही टास्क कंप्लीट होते ही उसे लिस्ट से काट दें। इससे काम आगे बढ़ता नजर आता है।

- ज्यादा समय और मेहनत वाले कार्यों को फर्स्ट हाफ में निपटाने की आदत डालें। सुबह-सुबह फ्रेश माइंड से काम करना आसान होता है।

- कामकाज के तरीके को सरल बनाएं। जैसे- अगर कोई एक सिंपल फोन कॉल या मैसेज से हो सकता है, तो उसके लिए फॉर्मल ईमेल लिखने में समय बर्बाद न करें।

- हर टास्क निपटाने के बाद पांच से सात मिनट का ब्रेक लें। इससे थकान दूर होगी और तेजी से अगला टास्क पूरा करने में मदद मलेगी।

चाय का बर्तन हो गया है गंदा तो अपनाएं ये टिप्स

भारतीय घरों में रसोई की काफी अहमियत होती है। हर भारतीय नारी अपने घर की रसोई को हमेशा चमचमाता रखना चाहती है। पर, लाख कोशिशों के बाद भी रसोई के बर्तन चिपचिपे हो जाते हैं। कई बर्तन ऐसे होते हैं, जिनका इस्तेमाल भी काफी होता है। इनमे शामिल है चाय का बर्तन। भारतीय घरों में सबसे ज्यादा चाय बनती है। बार-बार इसका इस्तेमाल करने से इसके नीचे का हिस्सा जल जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो बर्तन के अंदर अजीब सी गंदगी जम जाती है, जिसे रगड़ने के बाद भी साफ नहीं किया जा सकता।

करें बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल वैसे तो खाने में किया जाता है, पर आप इसे चाय का बर्तन

साफ करने के लिए भी यूज कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे डिशवॉशर और पानी से साफ कर लें। इससे बर्तन की गंदगी साफ हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

चाय के गंदे बर्तन पर अगर आप नींबू रगड़ेंगे तो इससे बर्तन जल्दी साफ होता है। अगर आप भी ये टिप अपनाना चाहते हैं तो आधा नींबू काट कर जले हुए बर्तन पर रगड़े। अब इसमें गर्म पानी डालकर छोड़ दें। इससे बर्तन का कालापन दूर हो जाएगा।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए आप उसमें सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इससे कुछ ही देर में आपका बर्तन साफ हो जाएगा।

क्या झगड़ा करने से पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत बनता है?

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

क्या व्याकुलता और बेचैनी की समस्या से जूझ रहे हैं ?

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीख सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेचैनी कैसे परेशानी का सबब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहां जानिए...

लोगों के प्रति मन में गलत धारणा बनाते हैं

ज्यादातर बेचैन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं और न ही उनके हुनर की कद्र करते हैं। उनके मन में खुद को लेकर कोई न कोई शंका हमेशा बनी ही रहती है। जरूरी है कि हमेशा अपने विचारों पर पहरा रखें। देखें कि कब आपके विचार

बिना किसी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं।

फीडबैक से हमेशा बचने की कोशिश करते हैं

बेचैन लोग फीडबैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी असफलता का सूचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फीडबैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखें कि आप किस तरह फीडबैक लेना पसंद करते हैं। ओपन फीडबैक लेने का सबसे आसान तरीका खोजें। अगर फीडबैक आपको असहज या उदास करे तो कहें- अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूंगा।

सबकी नजर में मुश्किल व्यक्ति बन जाते हैं

बेचैन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उन्हें असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैए से शर्मिंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टालमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की धारणा भी बन जाती है। अच्छा ये होगा कि आप जिस चीज से असहज हो जाते हैं उसके बारे में सबको पहले ही ईमानदारी से बता दें।

नए विचारों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फेल्युअर से जुड़ी है, तो लोग आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने लगेंगे। इसके बजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर खत्म करें। प्रतिक्रिया देने की जल्दी कभी न करें। बहुत सोच-समझकर जवाब दें।

सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 पर बंद, निफ्टी भी 200 अंक ऊपर

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज, यानी बुधवार, 25 जून को सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 200 अंक की तेजी है, ये 25,245 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही। टाइटन, महिंद्रा और इंफोसिस सहित कुल 16 शेयरों में 1-3.75% की तेजी रही। बीईएल में 1% की गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 42 शेयरों में तेजी रही। एनएसई के सभी सेक्टर्स चढ़कर बंद हुए। ऑटो, आईटी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2% तक की तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.39% नीचे 38,942 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.15% चढ़कर 3,108 पर बंद हुआ।

डेबिट-कार्ड से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा

श्रम-मंत्री बोले इसके लिए पीएफ अकाउंट को बैंक खाते से जोड़ रहे, जुलाई से मिल सकती है सुविधा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। कर्मचारियों को जल्द ही एटीएम और यूपीआई से सीधे पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि इसके लिए कर्मचारियों के पीएफ अकाउंट्स को उनके बैंक खातों से जोड़ा जा रका है। हालांकि ईपीएफओ और केंद्र सरकार ने पैसा निकालने की प्रोसेस को लेकर अभी कुछ नहीं बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार अगले महीने, यानी जुलाई से ये नई सुविधा शुरू कर सकती है। नई सुविधा के तहत एक तय रकम ही निकाली जा सकेगी। इससे ये होगा कि कर्मचारी इमरजेंसी के लिए पैसे तो निकाल सकेगा, लेकिन रिटायरमेंट के बाद भी पर्याप्त राशि अकाउंट में सुनिश्चित रहेगी।

अब पीएफ अकाउंट से इमरजेंसी या जरूरत के समय 72 घंटे में 5 लाख रुपये तक निकाल सकेंगे। पहले ये लिमिट 1 लाख रुपये थी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने 24 जून को इसकी जानकारी दी। ऑटो सेटलमेंट में पीएफ विड्रॉल क्लेम को सिस्टम द्वारा अपने आप प्रोसेस किया जाता है। इसमें अफसरों के हस्तक्षेप की जरूरत बहुत कम या बिल्कुल नहीं होगी। अगर आपका यूएएन (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) आधार, पैन और बैंक खाते से लिंक है, और केवाईसी पूरी तरह से अपडेटेड है, तो सिस्टम आपके क्लेम की जांच करता है। यह प्रक्रिया तेज होती है क्योंकि यह पूरी तरह से ऑनलाइन और आईटी सिस्टम पर आधारित होती है। ऑटो सेटलमेंट में क्लेम 3-4 दिन में प्रोसेस हो जाता है। ईपीएफओ ने कुछ खास तरह के क्लेम (जैसे मेडिकल, शिक्षा, शादी, या मकान बनाने/खरीदने के लिए) के लिए ऑटो सेटलमेंट की सुविधा शुरू की है। इसमें पीएफ क्लेम को ईपीएफओ के कर्मचारी सेटल करते हैं। प्रोसेस में 15-30 दिन लगते हैं। इसके लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन फॉर्म (जैसे फॉर्म 19, 31, 10C) भरना होता है। इसके बाद ईपीएफओ कर्मचारी आपके दस्तावेज, केवाईसी, और पात्रता की जांच करते हैं। अगर एग्जिट डेट अपडेट नहीं है या कोई दस्तावेज कम है, तो क्लेम में देरी हो सकती है। बड़े या जटिल क्लेम (जैसे रिटायरमेंट या फाइनल सेटलमेंट) में अक्सर मैनुअल जांच होती है।

'जियो में निवेश करना जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था'

मुकेश अंबानी ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मैकिन्से एंड कंपनी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर बताया कि किस तरह जियो में निवेश करना उनके जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था।

उन्होंने कहा कि विश्लेषकों ने इस पर संदेह जताया था कि क्या भारत आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए तैयार है। फिर भी यह निर्णय रिलायंस इंडस्ट्रीज के परोपकारी सोच को ध्यान में रखते हुए लिया गया। इसका उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन में योगदान देना है।

बोर्ड से कहा पैसा डूबता है तो कोई बात नहीं

अंबानी ने बताया कि मैंने बोर्ड से कहा कि सबसे बुरे हालात में भी अगर हमें वित्तीय लाभ नहीं हुआ, तो भी ठीक है, क्योंकि ये पैसा हमारा खुद का है। लेकिन इस प्रक्रिया में हमने अगर भारत को डिजिटाइज कर दिया, तो ये हमारा सबसे बड़ा परोपकारी कार्य होगा।

रिलायंस के भविष्य पर की चर्चा

अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के भविष्य पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रिलायंस के लिए अब बदलाव यह है कि हम एक डीप-टेक और उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने जा रहे हैं। हमने टेलीकॉम से शुरुआत की। 2021 में हमने 5G लॉन्च किया। इसका पूरा सिस्टम कोर, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर सब खुद बनाया। हमने 20 प्रतिशत की मदद के लिए एरिक्सन और नोकिया का इस्तेमाल किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमने जो 80 प्रतिशत लगाया वह अच्छा है और हमारी टीम खुद पर बहुत ज्यादा गर्व न करें।

एआई को समाज के लिए उपयोग करना है

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने आगे कहा कि कंपनी का बड़ा उद्देश्य समाज की जटिल समस्याओं को हल करना और देश व जनता के लिए संपत्ति निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि एआई में अपना लक्ष्य तय किया है, समाज की जटिल समस्याओं का समाधान करना। इसके लिए हम उच्च जोखिम वाले जीपीयू गेम में नहीं जा रहे, बल्कि डाउनस्ट्रीम काम में ही विशेषज्ञता बनाएंगे। मुकेश अंबानी ने अपने पिता और रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के विजन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पिताजी कहते थे कि अगर आप अरबपति बनने के लिए व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो आप मूर्ख हैं, आप कभी वहां नहीं पहुंच पाएंगे। लेकिन अगर आप एक अरब लोगों के जीवन पर प्रभाव डालने के लिए व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। उस स्थिति में, आपके पास सफलता की अच्छी संभावना है और साथ में धन भी आएगा।

मध्य प्रदेश और यूपी के किसानों के लिए खुशखबरी

एमएसपी पर मूंग-उड़द खरीदेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। सरकार ने किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश से मूंग और उड़द और उत्तर प्रदेश से उड़द की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक की और मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद को मंजूरी दी। उन्होंने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस योजना के अंतर्गत खरीद तब की जाती है जब बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे चला जाता है।

बैठक के दौरान चौहान ने कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के निर्णय से केंद्र सरकार पर काफी वित्तीय बोझ पड़ेगा। हालांकि, सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों से सीधी खरीद से बिचौलियों का प्रभाव कम होगा और किसानों तक वास्तविक लाभ पहुंचेगा।

कृषि मंत्री ने किसानों के पंजीकरण के लिए नवीनतम तकनीकों के उपयोग और आवश्यकता पड़ने पर खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरा करने की सलाह दी। उन्होंने भंडारण में अनियमितताओं की शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को ठोस कदम उठाने को कहा। बैठक में मध्यप्रदेश के किसान कल्याण और कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंसाना, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीजी इंडेक्स में टॉप 100 देशों की लिस्ट में भारत की एंट्री

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को प्राप्त करने में प्रगति करने वाले 167 देशों की लिस्ट में पहली बार टॉप 100 में आने के साथ अपनी स्थिति मजबूत की है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क द्वारा जारी सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट के 10वें एडिशन के अनुसार, भारत 2025 एसडीजी इंडेक्स में 67 अंकों के साथ 99वें स्थान पर है। अमेरिका इस लिस्ट में 75.2 अंकों के साथ 44वें स्थान पर है। 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों द्वारा अपनाए जाने के बाद से सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट प्रत्येक वर्ष एसडीजी पर हुई प्रगति की समीक्षा करती है। स्पेन में चौथे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेवलपमेंट से पहले एसडीआर के इस 10वीं वर्षगांठ संस्करण में ग्लोबल फाइनेंशियल आर्टिटेक्चर (जीएफए) में तत्काल सुधारों की रूपरेखा दी गई है।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट

- *सोना 112 रुपये गिरकर 97,151 रुपये पर आया*
- *चांदी 1.06 लाख रुपये किलो बिक रही*

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 112 रुपये गिरकर 97,151 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 97,263 रुपये पर था। वहीं चांदी की कीमत 317 कम होकर 1,05,650 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,967 रुपये पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 रुपये और सोने ने 99,454 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,100 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपये
मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550 रुपये
कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700 रुपये
चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700 रुपये
भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये

इस साल अब तक 20,989 रुपये महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,989 रुपए बढ़कर 97,151 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 19,633 रुपए बढ़कर 1,05,650 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अभी भी जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है।

ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

चीन के ठेंगा दिखाने के बाद जागी सरकार

अब देश में ही होगा रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट देने से इन्कार कर दिया है। इसके बाद अब देश में ही इनके उत्पादन का इंतजाम किया जा रहा है। हालांकि वास्तविक उत्पादन में दो साल का समय लग जाएगा। इस दौरान जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मैग्नेट मंगाने पर काम चल रहा है।

इनका यूज इलेक्ट्रिक गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा है रेयर अर्थ मैग्नेट के घरेलू उत्पादन पर सब्सिडी योजना शुरू करने के बारे में 15 से 20 दिन में निर्णय लिया जाएगा। इस योजना के तहत सब्सिडी की मात्रा निर्धारित करने के लिए हितधारकों के साथ विचार-विमर्श जारी है। भारी उद्योग मंत्रालय में सचिव कामरान रिजवी का कहना है कि यदि कुल प्रोत्साहन 1,000 करोड़ रुपये से अधिक होता है, तो योजना को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा। कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से कहा, 'हैदराबाद की एक कंपनी इसमें दिलचस्पी दिखा रही है। उसने वादा किया है कि वह इस साल के अंत यानी दिसंबर तक 500 टन की आपूर्ति करेगी। हमने खान मंत्री के साथ चर्चा की है। हमारे सचिव और हमारा मंत्रालय इस पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि 15 से 20 दिन के भीतर निर्णय लिया जाएगा।'

कहां आता है काम

चीन द्वारा प्रमुख धातुओं के निर्यात पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भारत सहित कई देशों में वाहन और सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। सचिव ने कहा कि दुर्लभ खनिज के वास्तविक उत्पादन में करीब दो वर्ष लगेंगे। इस दौरान सरकार उद्योग के साथ मिलकर जापान और वियतनाम सहित अन्य वैकल्पिक स्रोतों से खरीद की संभावना तलाशेगी। रिजवी ने कहा, 'आप जानते हैं कि जापान और वियतनाम में दुर्लभ खनिज उपलब्ध हैं।

हम वहां से इसे लेने का प्रयास कर रहे हैं।' रेयर अर्थ मैग्नेट में नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन शामिल है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रिक वाहन एवं परंपरागत वाहनों में पावर स्टीयरिंग मोटर के लिए किया जाता है।

देश के तीन विश्वविद्यालयों से एकसाथ एमओयू हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। आज पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं देश के तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा, चिकित्सा, योग, आयुर्वेद, कौशल विकास, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग हेतु एमओयू साइन किया गया। इस अवसर पर प्रो. इंद्र प्रसाद त्रिपाठी, कुलगुरु, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, डॉ. संजय तिवारी, कुलगुरु, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं प्रो. भरत मिश्रा, कुलगुरु, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्य प्रदेश की उपस्थिति रही। सभी विद्वतजनों ने पतंजलि में हो रहे राष्ट्र निर्माण के कार्यो की प्रशंसा की। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि द्वारा किए जा रहे इतिहास लेखन, वनस्पति शास्त्र लेखन, निदान ग्रन्थ, विश्व भेषज संहिता सहित अन्य शास्त्रों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि ऋषि क्रांति, योग क्रांति तथा शिक्षा क्रांति का यह सफ़र देश के लाखो लोगो को इसी प्रकार लाभान्वित करता रहेगा ऐसा हमे पूर्ण विश्वास है।

'भारत 2027 तक पांच ट्रिलियन डॉलर क्लब में होगा शामिल'

कोलकाता, 25 जून (एजेंसियां)। भारत अपनी आर्थिक प्रगति की रफ्तार पर सवार होकर दुनिया के बड़े देशों की कतार में मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भरोसा जताया है कि देश 2027 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता और चुनौतियों के बावजूद भारत अपनी दिशा से डिगने वाला नहीं है।
कोलकाता में मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) द्वारा आयोजित वर्चुअल सत्र में बोलते हुए गोयल ने कहा कि बीते एक दशक में भारत की आर्थिक नीतियों में केवल छोटे-मोटे बदलाव नहीं हुए, बल्कि इनमें 'क्रांतिकारी बदलाव' आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न सिर्फ वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर इतिहास भी रच रहा है।
तीन वर्षों में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था गोयल ने कहा कि आने वाले तीन वर्षों में भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर पूरी मजबूती से अग्रसर है। यह लक्ष्य 'विकसित भारत 2047' के सफर की पहली बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मुश्किल हालात में ही खड़ी होती हैं, शांत पानी में कोई नाव पार नहीं लगती। यही भारत का समय है, जब हमें एकजुट होकर देश को उसकी सही जगह दिलानी है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर बोले गोयल

मंत्री ने भारत की विकास नीति को 'समावेशी, टिकाऊ और ईमानदार' करार देते हुए कहा कि सरकार सेवा, सुशासन और नवाचार को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 698 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। साथ ही, बैंकिंग सेक्टर मजबूत हुआ है और महंगाई पर ऐतिहासिक नियंत्रण देखा गया है। उन्होंने इसे पिछले 11 वर्षों की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम बताया।

भारत का बेहतरीन वक्त चल रहा

अपने संबोधन में पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि भारत ने कभी 'फ्रैजाइल फाइव' (कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) में गिना जाता था, लेकिन अब वह दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) का जिक्र करते हुए कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों के साथ जो व्यापार समझौते कर रहा है, वह भारतीय उद्योग, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए बेहतरीन अवसर लेकर आएंगे।

कैसे आगे बढ़ेगा भारत, गोयल ने समझाया

तकनीक के क्षेत्र में भारत की ताकत पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और 3डी प्रिंटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में भी अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से डरने के बजाय नए अवसरों को अपनाने की अपील की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त 18-49

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-00 बजे
चंद्र-	मिथुन में	कर्क...	07-13 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	09-24 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	11-31 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	13-38 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	15-46 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	18-00 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-10 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	21-57 बजे
		मीन...	23-35 बजे
		मेष...	01-11 बजे
		वृष...	03-40 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 13-24 तक उपरान्त द्वितीया
मास - आषाढ़ शुक्ल, गुरुवार 26 June
नक्षत्र - आर्द्रा 08-46 दुसरे दिन तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - धुव्र 23-39 तक उप व्याघात
करण- बव 13-24 तक उप बालव
विशेष-
व्रत त्योहार - गुप्त नवरात्रि प्रारंभ

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:47 - 07:24	शुभ	अमृत	18:49 - 20:14	शुभ
रोग	07:24 - 09:02	अशुभ	चंचल	20:14 - 21:36	शुभ
उत्पात	09:02 - 10:41	अशुभ	रोग	21:36 - 22:58	अशुभ
चंचल	10:41 - 12:19	शुभ	काल	22:58 - 00:19	अशुभ
लाभ	12:19 - 13:57	शुभ	लाभ	00:19 - 01:41	शुभ
अमृत	13:57 - 15:36	शुभ	उत्पात	01:41 - 03:02	अशुभ
काल	15:36 - 17:14	अशुभ	शुभ	03:02 - 04:24	शुभ
शुभ.	17:14 - 18:49	शुभ	अमृत	04:24 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आज आपको आलस सा महसूस होगा लेकिन यह बिलकुल स्वाभाविक है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झीरम घाटी में हुआ था 32 कत्ल, नक्सली हमला या सुपारी किलिंग

12 साल से जांच ही चल रही, पीड़ित बोले– असली कातिल अब भी बाहर

झीरम घाटी हत्याकांड

तारीख : 25 मई 2013 | मौतें : 32

जगह : झीरम घाटी, सुकमा जिला, छत्तीसगढ़

आरोपी : 39 (9 नक्सली अरेस्ट)

चुनाव से पहले कांग्रेस की लीडरशिप खत्म

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस राज्य में परिवर्तन यात्रा निकालने वाली थी

25 मई 2013, को पार्टी ने सुकमा में परिवर्तन रैली निकाली थी, जिसमें पूरी टॉप लीडरशिप शामिल हुई

रैली खत्म होने के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था

करीब 40 किमी दूर झीरम घाटी में नक्सलियों ने काफिले पर हमला कर दिया

जगदलपुर, 25 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मेरा बेटा मनोज सुबह सोकर उठा था। तभी तीन लोग बुलाने आए। बोले, फूल लेने जगदलपुर चलना है। बेटे ने मुझसे कहा- जगदलपुर जा रहा हूं। बस यही उससे आखिरी बात थी। मैं आखिरी बार उसका चेहरा भी नहीं देख पाई। आज भी लगता है कि वो आएगा और कहेगा- मम्मी, जल्दी से खाना दे दो।'

रंभा के बेटे मनोज को दुनिया से गए 12 साल हो गए, लेकिन बेटे का जिक्र होते ही उनकी आवाज में बेबसी महसूस होने लगती है। मनोज 25 मई, 2013 को सुकमा की झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में मारे गए थे। इस दिन नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर छत्तीसगढ़ कांग्रेस की टॉप लीडरशिप समेत 32 लोगों की हत्या कर दी थी।

2013 से 2025 आ गया, लेकिन इस हत्याकांड की जांच चल रही है। एनआईए, सीबीआई, एसआईटी के अलावा न्यायिक आयोग भी जांच करते रहे, लेकिन हमले का सच सामने नहीं आया। इस हमले की साजिश में तीन नाम सामने आए थे, हिड़मा, देवा और बसवाराजू। बीते 21 मई को सिक्योरिटी फोर्स ने बसवाराजू को अबूझमाड़ के जंगलों में मार गिराया।

झीरम हत्याकांड को कांग्रेस नेता साजिश या सुपारी किलिंग क्यों बताते हैं, पीड़ित परिवार क्यों कहते हैं कि झीरम के असली कातिल अब भी नहीं पकड़े गए। इन सवालों के जवाब और 4 पीड़ितों की कहानियां।

पहली कहानी मनोज की

मां बोलीं– बेटे की मौत पर मुआवजा मिला, सब बहू ले गई

झीरम घाटी में हुए हमले के वक्त मनोज की उम्र सिर्फ 24 साल थी। वे किराए पर गाड़ी चलाते थे। परिवार में मां रंभा और छोटे भाई हैं। सरकार से मदद के नाम पर सिर्फ 35 किलो चावल मिलता है। मनोज जो गाड़ी चलाते थे, वो हमले में बर्बाद हो गई थी। उसका मुआवजा भी सिर्फ 50 हजार रुपए मिला। परिवार दर्भा में रहता है। उनके पास अपना घर भी नहीं है।

रंभा बेटे की मौत को याद करते हुए बताती हैं, 'मुझे तो पता ही नहीं था कि मनोज नहीं रहा। रात में 10:30 बजे एक पत्रकार आया और बोला दीदी ये फोटो देखो। उसमें मनोज की डेडबॉडी थी। मैं देखकर बेहोश हो गई।'

'उसकी लाश आई तो मैं उसे देख नहीं पाई। अब भी लगता है कि वो गाड़ी लेकर आया है। हर दिन याद आता है। त्योहार में याद आता है। उसके जाने के बाद बहुत मुश्किलें झेली हैं। मनोज परिवार में अकेला कमाने वाला था। छोटा बेटा तो तब सिर्फ 14 साल का था।'

'मनोज की शादी को सिर्फ दो महीने हुए थे। बहू ज्यादातर मायके में ही रहती थी। सरकार से दो बार 5-5 लाख और एक बार 3 लाख का चेक आया था। सब बहू ने ले लिए। चेक उसी के नाम से आया था। उसने पैसे ले लिए और लौटकर नहीं आई।'

नक्सलियों का लीडर बसवाराजू एनकाउंटर में मारा गया। क्या आपको लगता है इंसाफ हो गया? रंभा गुस्से में जवाब देती हैं, 'अभी मेन आदमी बचा हुआ है। वो कांग्रेस का नेता था। वो कैसे हमले में बच गया। दो और लोग थे। मैं उनके नाम नहीं लूंगी। उन्हें क्यों नहीं मारा। एक को तो नक्सली बाइक पर बिठाकर थाने तक छोड़ने गए थे। इन लोगों का सच सामने आने तक हमें इंसाफ नहीं मिलेगा।'

झीरम घाटी हत्याकांड में 17 साल के राजकुमार की भी मौत हुई थी। राजकुमार और मनोज ममेरे भाई थे। वो मनोज के साथ कांग्रेस के काफिले में गाड़ी लेकर गया था। राजकुमार 8वीं में पढ़ता था। राजकुमार की मां तारा को सरकार की तरफ से अनुकंपा पर नौकरी मिली है। 20 हजार रुपए महीना सैलरी है। सरकार से जमीन भी मिली, लेकिन उनका घर सूना है। राजकुमार तारा का इकलौता बेटा था।

तारा को बेटे की मौत की खबर एक दिन बाद मिली। वे कहती हैं, 'शनिवार को हमला हुआ। मैं रविवार को उसकी लाश देख पाई। एक दिन तक मुझे किसी ने कुछ नहीं बताया।'

हमने तारा से भी पूछा कि क्या बसवाराजू की मौत से आपको इंसाफ मिल गया? वे मायूस होकर कहती हैं, 'क्या करेंगे सर, उसे मारने से हमें क्या मिलेगा। मेरा बेटा तो चला गया।'

तीसरी कहानी सदा सिंह नाग की

बेटे बोले– झीरम के शहीद के नाम पर कॉलेज बना, उसी में एडमिशन नहीं मिला

जूनापारा के सदा सिंह नाग कांग्रेस में थे। वे कांग्रेस के उस काफिले में शामिल थे, जो मंजिल तक नहीं पहुंच पाया। सदा सिंह की मौत के बाद उनकी पत्नी उज्ज्वला ने अकेले दो बच्चों की जिम्मेदारी उठाई। हमले के करीब दो साल बाद उनकी बेटी को अनुकंपा पर सरकारी नौकरी मिली। यही नौकरी अब परिवार का सहारा है।

उज्ज्वला कहती हैं, 'मेरे लिए इंसाफ का मतलब मुआवजा या नौकरी नहीं है। उन दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, जो अब भी आजाद घूम रहे हैं।'

उज्ज्वला चुप हो जाती हैं, तो बगल में मौजूद बेटे ज्वाला सिंह उनकी बात आगे बढ़ाते हैं। ज्वाला बताते हैं, 'पापा की मौत हुई, तब मैं 5वीं में पढ़ता था। पापा प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते थे। पापा के जाने के बाद घर में कोई कमाने वाला नहीं था। इधर-उधर से मदद लेकर किसी तरह मां ने पढ़ाया।'

'मैं डॉक्टर बनना चाहता हूं। रायपुर में नीट की कोचिंग ली, लेकिन एग्जाम में कुछ नंबरों से चूक गया। मैंने बस्तर में शहीद महेंद्र कर्मा यूनिवर्सिटी में एडमिशन की कोशिश की, उन्होंने यह कहकर मना कर दिया कि मैं दूसरी यूनिवर्सिटी से पढ़कर आया हूं।'

सरकारी मदद के नाम पर ज्वाला की बड़ी बहन अमिमा को एक हॉस्टल में फोर्थ ग्रेड की नौकरी मिली है। अमिमा की बातों में सरकार के लिए गुस्सा है।

अमिमा कहती हैं, '12 साल बाद भी हमें नहीं पता कि पापा को किसने और क्यों मारा। हजार बार बोला गया कि इंसाफ मिलेगा। कहां गया इंसाफ। बरसी पर हर साल सब आते हैं, फूलमाला चढ़ाते हैं। मीडिया वाले सवाल पूछते हैं। अगले दिन अखबार में छपता है कि जांच जारी है, लेकिन होता कुछ नहीं।'

नक्सली लीडर बसवाराजू के मारे जाने पर अमिमा कहती हैं, 'यह कोई इंसाफ नहीं है। असली दोषी आज भी बाहर घूम रहे हैं।'

चौथी कहानी भागीरथी नाग की

बेटी बोली– अब तक जांच चल रही, इसी पर हैरानी है

भागीरथी नाग कांग्रेस से जुड़े थे। उनका परिवार जूनापारा गांव में रहता है। परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी रेखा जगदलपुर में पढ़ाई कर रही हैं। कैमरे पर आए बिना वे बताती हैं, 'हमला हुआ, तब मैं 7वीं में थी। मुझे घटना के बारे में ज्यादा याद नहीं है। मुझे इसी बात की हैरानी है कि जांच अब तक क्यों चल रही है। बार-बार एक ही बात करके हमें क्या मिलने वाला है।'

हमने भागीरथी की पत्नी इच्छावती से भी बात की। बातचीत शुरू होते ही, वे रुआंसी हो जाती हैं। कहती हैं- जो चला गया वो वापस तो नहीं आएगा। सरकार को अब तक कार्रवाई कर देनी चाहिए थी, लेकिन ये तो नहीं हो पाया।

रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब 25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे।

सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी। उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे। यानी छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा। यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 200 से ज्यादा नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही। शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की। एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी। उन्हें करीब 100 गोलियां मारी गईं। चश्मदीदों के मुताबिक, नक्सलियों ने कुछ नेताओं को नाम लेकर पहचाना और उन्हें गोली मारी। हमला पूरी योजना के साथ किया गया। नक्सलियों ने जगह का चुनाव, बम लगाने और भागने तक की पूरी तैयारी कर रखी थी। खुफिया एजेंसियों को हमले की कोई भनक नहीं थी।

कांग्रेस ने हमले को राजनीतिक साजिश बताकर बीजेपी सरकार पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया। बीजेपी ने आरोपों को खारिज कर कहा कि यह नक्सली हमला था।

हमले के दो दिन बाद 27 मई, 2013 को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए को जांच सौंप दी गई। एनआईए ने सितंबर, 2014 में पहली चार्जशीट दाखिल की। एक साल बाद अक्टूबर 2015 में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की गई। चार्जशीट के आधार पर जगदलपुर एनआईए कोर्ट में अब भी इस मामले का ट्रायल चल रहा है। हालांकि, एनआईए की जांच रिपोर्ट कभी सामने नहीं आई।

सुरक्षा चूक की जांच के लिए राज्य सरकार ने जस्टिस प्रशांत मिश्रा की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बनाया था। आयोग ने 2021 में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार की जगह राज्यपाल को सौंपी। ये रिपोर्ट भी आज तक सामने नहीं आई। विवाद बढ़ा तो कांग्रेस सरकार ने जस्टिस सतीश के. अग्निहोत्री और जस्टिस मिन्हाजुद्दीन की अध्यक्षता में नया आयोग बनाया। हालांकि, हाईकोर्ट ने जांच पर रोक लगा दी।

कांग्रेस की तरफ से इस केस को लड़ने वाले सीनियर वकील सुदीप श्रीवास्तव एनआईए की जांच पर सवाल उठाते हैं। वे कहते हैं कि इसमें कुछ तो ऐसा है, जो लोगों को जानने नहीं दिया जा रहा है।

सुदीप बताते हैं, 'एनआईए पहले इस केस की जांच बड़े माओवादी नेताओं के निर्देश पर हुए हमले की तरह कर रही थी।

कोरबा की युवती की एमपी में लाश मिली

परिजन बोले– मारकर खिड़की से लटकाया, अस्पताल के बाहर 3 दिन पड़ा रहा शव, इंजीनियरिंग स्टूडेंट थी

कोरबा, 25 जून (एजेंसियां)। कोरबा की रहने वाली युवती की मध्यप्रदेश के सिंगरौली में हत्या हुई है। 22 जून को सिंगरौली स्थित घर में पुष्पांजलि महंत (22 साल) की लाश नग्न अवस्था में खिड़की के ग्रिल से लटकती मिली। परिजनों ने रेप के बाद हत्या की आशंका जताई है। मामला मोरवा थाना क्षेत्र का है।

परिजनों का आरोप है कि 3 दिन तक एमपी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिसके बाद वे बेटी के शव को लेकर कोरबा जिले के रलिया आ गए। जहां आज आमगांव चौक के पास सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया है और कोरबा पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामला हरदीबाजार थाना क्षेत्र का है। दरअसल पुष्पांजलि के पिता उमेद दास कोरबा के रहने वाले थे। वे सिंगरौली में एसईसीएल में नौकरी करते थे और उनका हाल ही में निधन हो गया था। उनकी मां वर्तमान में अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत हैं। मां और दोनों बेटी सिंगरौली में रहते थे। पुष्पांजलि महंत (छोटी बहन) भोपाल में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करती थी, वह सिंगरौली में घर आई हुई थी। घटना वाले दिन घर में कोई नहीं था। बड़ी बहन जब लौटी तो देखी कि बहन की लाश नग्न अवस्था में खिड़की के ग्रिल से बंधी हुई थी। परिजनों ने मोरवा थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया। लेकिन पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप का दर्ज नहीं किया। जिसके बाद परिजन शव कोरबा के रलिया ले आए। 24 जून को सामाजिक बैठक के बाद अगले दिन उचित कार्रवाई की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया।

परिजनों के मुताबिक, घटना के तीन दिन तक युवती का शव मोरवा के एक अस्पताल के बाहर रखा रहा। स्थानीय डॉक्टरों ने शव खराब होने का हवाला देते हुए पोस्टमॉर्टम से मना कर दिया। इसके बाद शव को रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस उन्हें थाने से भगा रही है। चार दिन बीतने के बाद भी न तो पोस्टमॉर्टम हुआ और न ही मामले में कोई कार्रवाई की गई। नाराज होकर परिजनों और स्थानीय लोगों ने कोरबा के हरदीबाजार थाना क्षेत्र के आमगांव चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया।

पशु व्यवसायी 2 भाइयों को मारी गोली

5 लाख रुपए रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग का आरोप, तीन बाइक से आए थे बदमाश

हजारीबाग, 25 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड में बुधवार को अपराधियों ने सूकर व्यवसायी दो भाइयों को गोली मार दी। घटना के पीछे रंगदारी ना देना कारण माना जा रहा है।

घायल कालेश्वर बेदिया और बैजू बेदिया बड़कागांव के लुनगा गांव के रहने वाले हैं। दोनों बीजीआर कंपनी से अपशिष्ट भोजन लेकर ऑटो से अपने फार्म लौट रहे थे। इसी दौरान उन पर फायरिंग की गई।

जख्मी बैजू ने बताया कि पतरा पुल के पास तीन बाइक से आए छह अपराधियों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका और दोनों भाइयों पर तीन राउंड फायरिंग कर दी।

घायल कालेश्वर की पत्नी रीना देवी के अनुसार, करीब 20-25 दिन पहले कुछ लोगों ने उनसे 5 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। धमकी को नजरअंदाज करने के बाद यह हमला हुआ। वहीं, स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत अब स्थिर है। इधर, सीकरी थाना पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस काम कर रही है।

चंद्राकर बोले- कांग्रेस दफन होगी तो 4 नेता कांधा देंगे

बैज बोले– गिद्ध के इंतजार से शेरों की मौत नहीं होती, हमारे कार्यकर्ता बब्बर शेर

रायपुर, 25 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज बुधवार को भाजपा संविधान हत्या दिवस मना रही है। इस दौरान पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस और उसके शीर्ष नेताओं पर हमला बोला है। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी पलटवार करते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया है। अजय चन्द्राकर ने कहा कि आपातकाल और 1984 का सिख दंगा कांग्रेस के ताज में नगीने हैं। कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र की हत्या, असुरक्षा और विरोधियों की हत्या का इतिहास है। वहीं दीपक बैज ने कहा कि संविधान पर सबसे बड़ा खतरा आज मंडरा रहा है। बैज ने कहा कि चुनी हुई सरकार को गिराना, विधायकों की खरीद फरोख्त करना, विपक्षीय नेताओं को डराना धमकाना, केंद्रीय एजेंसी का दुरुपयोग करने का काम कर रही है। यह आपातकाल नहीं तो और क्या है? भाजपा की सरकार में अघोषित आपातकाल लगा हुआ। बीजेपी नाकामियों को छुपाने के लिए नौटंकी करती है। सचिन पायलट के बयान कांग्रेस में सभी अश्वमेध के घोड़े हैं पर अजय चंद्राकर ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी नहीं अस्तबल है। इनकी घोड़े से मुक्ति नहीं हो रही है। अश्वमेध का घोड़ा है कि किसका घोड़ा है, लेकिन है सभी घोड़े ही। अजय ने कहा कि घोड़ा जब लंगड़ा हो जाता है तो उसे गोली मारकर दफन कर दिया जाता है। इसलिए लंगड़े घोड़े को गोली मार देनी चाहिए उनकी भूमिका वैसी ही है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने अजय चंद्राकर पर निशान साधते हुए कहा कि पार्टी में अपना नंबर बढ़ाने के लिए अजय चन्द्राकर बयानबाजी कर रहे हैं।

टाटा स्टील के इंजीनियर के घर चोरी

जमशेदपुर, 25 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र में टाटा स्टील के जूनियर इंजीनियर शाह फैसल के घर से 20 लाख रुपए के जेवरात चोरी हो गए। जवाहरनगर रोड नंबर-14 स्थित उनके आवास में यह घटना हुई। चोरी का पता तब चला, जब शाह फैसल की पत्नी गोलमुरी में एक विवाह समारोह में जाने के लिए जेवर लेने गईं। प्रथम तल के कमरे में रखी अलमारी में जेवर का बैग नहीं मिला। शाह फैसल के अनुसार, अलमारी का लॉकर बंद था, लेकिन उसकी चाबी बाहर टेबल पर रखी हुई थी।

जीएसटी घोटाला, रांची के 2 कारोबारी अरेस्ट

50 करोड़ रुपए का फर्जी बिल बनाया, 11 करोड़ का घोटाला किया, पहुंचे जेल

जमशेदपुर, 25 जून (एजेंसियां)। बाराद्वारी स्थित जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने रांची के दो व्यापारियों लव अग्रवाल और गुलबहार मलिक को गिरफ्तार किया। टीम ने दोनों व्यापारियों को घोटाला को लेकर पूछताछ करने के लिए बाराद्वारी कार्यालय बुलाया था। इसके बाद फर्जी बिलिंग कर घोटाला करने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने दोनों व्यापारियों को जमशेदपुर कोर्ट के आर्थिक अपराध की विशेष अदालत में पेश किया। कोर्ट ने दोनों व्यापारियों को न्यायिक हिरासत में घाघीडीह जेल भेज दिया। इससे पहले आरोपियों की एमजीएम अस्पताल में मेडिकल जांच कराई गई।

जीएसटी इंटेलिजेंस कार्यालय के अधिकारियों के मुताबिक, फर्जी जीएसटी बिल के माध्यम से दोनों व्यापारियों ने 50 करोड़ रुपए की सामग्रियों की खरीद-बिक्री दिखाकर 11 करोड़ रुपए से अधिक का जीएसटी के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट का अनुचित लाभ लिया। इस तरह व्यापारियों ने सरकार के राजस्व की चपत लगाई है। इसी वजह से दोनों को अरेस्ट किया गया है। रांची के व्यापारी लव कुमार अग्रवाल का बैटरी का कारोबार है।

इंस्टा पर प्यार, मां-बेटे की हत्या, वॉट्सएप मैसेज से पकड़ाए आरोपी

दुर्ग, 25 जून (एजेंसियां)। 22 जून 2024 को सुनीता चतुर्वेदी और उसके 8 साल के बेटे काव्यांश की हत्या कर दी गई। दुर्ग जिले के खम्हरिया गांव के दो अलग-अलग कुओं से दोनों की लाश मिली। शादी का दबाव डालने पर प्रेमी ने अपने भाई के साथ मिलकर दोनों को गला घोंटकर मार डाला।

इस वारदात के बाद से घर में मातम पसरा है, बूढ़ी दादी की आंखें बेटी और नाती की तस्वीरों से हटती नहीं। घर का आखिरी चिराग वो बच्चा अब नहीं रहा और ना रही वो मां, जिसने हर रिश्ते से लड़कर सिर्फ उसकी परवरिश की इंस्टा वाला प्यार कैसे खौफनाक वारदात में बदल गया।

सुनीता चतुर्वेदी। उम्र 34 साल। रायपुर के ओल्ड राजेन्द्र नगर में अपने 8 साल के बेटे काव्यांश के साथ रहती थीं। पति की 7 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। तब काव्यांश सिर्फ दो महीने का था। घरवालों ने बार-बार कहा- जीवन लंबा है, दूसरी शादी कर ले। पर सुनीता ने साफ कहा- अब मेरी जिंदगी काव्यांश है।

परिवार ने माना कि वो मजबूत लड़की है। स्कूल में टीचर बनी, बेटे की परवरिश की और जिंदगी को किसी तरह पटरी पर लाने लगी। लेकिन एक दिन उसके मोबाइल में इंस्टाग्राम पर आए एक रिक्वेस्ट ने उसकी दुनिया बदल दी।

करीब दो साल पहले, इंस्टाग्राम पर उसकी पहचान छत्रपाल सिंह सिंगौर नाम के युवक से हुई। बातचीत बढ़ी, नंबर एक्सचेंज हुए और जल्द ही रायपुर के महादेव घाट पर पहली मुलाकात हुई। छत्रपाल ने बताया कि वो कुंवारा है और शादी करना चाहता है। सुनीता ने भी अपने दिल की बात बताई कि वो विधवा है, बेटा है, लेकिन जिंदगी से उम्मीद बाकी है।

बातचीत मुलाकातों में बदली, मुलाकातें भरोसे और फिर शारीरिक रिश्तों में। छत्रपाल हर बार कहता "बस अगले महीने शादी करेंगे" और हर बार कोई बहाना बनाकर बात टाल देता। पर सुनीता का भरोसा नहीं डगमगाया। उसे यकीन था कि एक दिन उसका बेटा काव्यांश छत्रपाल को "पापा" कह पाएगा। पर यहीं वो गलत थी।

घर में बाघ घुसने की आशंका

लोगों ने बाहर से बंद किया दरवाजा, गांव में मची अफरा-तफरी, निषेधाज्ञा लागू

रांची, 25 जून (एजेंसियां)। रांची जिले के सिल्ली-मुरी ओपी क्षेत्र के मारदू गांव में एक घर में बाघ के घुस आ जाने के खबर से पूरे गांव में आतंक का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक बुधवार अहले सुबह 4:30 बजे पुरन चंद्र महतो की पुत्री सनिका कुमारी बकरी बांधने अपने घर बाहर निकली थी, उसी समय एक बाघ कमरे में घुस गया और छिप कर बैठ गया। उसने अंदर कमरे में सो रहे पिता को इसकी सूचना दी और हल्ला करना शुरू किया। पिता ने हल्ला करने मना करते हुए अंदर कमरे का दरवाजा बंद कर दिया मगर अंदर कमरे का खिड़की खुली थी जिससे बाघ अंदर कमरे में प्रवेश कर गया। इतना देखते पुरंदर अपनी बेटी एवं घर में आई एक अन्य रिश्तेदार की बेटी को लेकर कर कमरे से निकल बाहर की ओर भागा आया। बाहर में लगे लोहे के दरवाजे को बंद कर दिया। इधर खबर फैलते ही आसपास से ग्रामीण काफी संख्या में उमड़ पड़े। सूचना पाकर प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, गांव के मुखिया वार्ड सदस्य, वन विभाग के वनरक्षी एवं ओपी पुलिस भी घटना स्थल पहुंची। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सभी आपस में चर्चा कर रहे थे कि आखिर कौन सा जानवर हो सकता है। लोग इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं है कि जानवर बाघ ही है। वहीं किसी ने घर के वेंटिलेटर से फोटो लिया जिसमें बाघ जैसा दिखाई दे रहा है।

हालांकि जब तक वन विभाग के पदाधिकारी नहीं आ जाते हैं और बाघ को घर से नहीं निकालते हैं तब तक कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

खुले में कर रहे थे नशापान, कोडरमा पुलिस ने पकड़ा

पान गुमटी में मिल रहा था गांजा, राशन दुकान में शराब, कई लोग हिरासत में लिए गए

कोडरमा, 25 जून (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत मंगलवार की देर रात कोडरमा जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से तिलैया थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। इस विशेष अभियान का नेतृत्व एसडीओ रिया सिंह ने किया। छापेमारी झुमरीतिलैया शहर के प्रमुख स्थलों जैसे झंडा चौक, स्टेशन रोड, राजगढ़िया रोड, सीएच स्कूल रोड और बजरंग नगर इलाके में की गई। इस दौरान पुलिस ने कई दुकानों और गुमटियों की जांच की। छापेमारी के दौरान मादक पदार्थों की बिक्री और उसके सेवन में शामिल लोगों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने कई प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों से शराब का सेवन कर रहे दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया और थाने भेजा। अभियान के दौरान सीएच स्कूल रोड में स्थित एक गुमटी से प्लास्टिक के पैकेट में गांजा की कई पुड़िया बरामद की गईं।

इस सिलसिले में गुमटी संचालक सुभाष मोदी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इसी तरह बजरंग नगर में एक राशन की दुकान से दर्जनों शराब की बोतलें बरामद हुईं। दुकानदार को मौके से हिरासत में लेकर थाने लाया गया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि इस दुकान में अवैध शराब की बिक्री कब से हो रही थी और इसमें और कौन-कौन शामिल हैं। छापेमारी के संबंध में डीएसपी रतीभान सिंह ने बताया कि कोडरमा पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार सघन अभियान चला रही है।

नाटो समिट में ट्रम्प के एजेंडे का विरोध

स्पेन ने रक्षा खर्च बढ़ाने से इनकार किया, फ्रांस, इटली और कनाडा भी सहमत नहीं

हेग, 25 जून (एजेंसियां)। नीदरलैंड के द हेग शहर में आज से नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) समिट का आज दूसरा दिन है और सदस्य देशों के प्रमुखों की मीटिंग होगी। इस बार की बैठक को नाटो के इतिहास की सबसे अहम बैठकों में माना जा रहा है। यह ऐसे समय हो रही है जब मिडिल ईस्ट में ईरान-इजराइल जंग का 12 दिनों बाद सीजफायर हुआ है

इस बार की मीटिंग का एजेंडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांग पर यूरोपीय देशों के रक्षा खर्च में हिस्सेदारी को बढ़ाने का रखा गया है। ट्रम्प चाहते हैं कि सभी सदस्य देश अपने जीडीपी का 5% रक्षा पर खर्च करें, हालांकि वर्तमान में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है और जीडीपी का केवल 2% है।

ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नाटो को बहुत पैसा देता है और बाकी देश अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे। हालांकि, स्पेन ने पहले ही रक्षा खर्च बढ़ाने से इनकार कर दिया है। वहीं, फ्रांस, इटली और कनाडा भी इससे सहमत नहीं हैं। वहीं, इससे पहले मंगलवार को संगठन में मतभेद गहराते नजर आए। समिट में

सबसे बड़ी चिंता नाटो देशों के बीच रक्षा खर्च को लेकर आपसी मतभेद की रही। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि संगठन यूक्रेन जैसे मुद्दों से निपट सकता है, लेकिन ट्रम्प ने नाटो की सबसे अहम संधि आर्टिकल 5 (एक-दूसरे की रक्षा का वादा) पर सीधा समर्थन देने से इनकार कर दिया।

ट्रम्प के इस कदम के बाद आज की मीटिंग में दूसरे देशों की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती है। वहीं, रक्षा बजट पर भी ट्रम्प के रुख से नाराज चल रहे यूरोपीय देश कोई निर्णय ले सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांगों को ध्यान में रखते हुए नाटो महासचिव मार्क रूटे ने समिट का एजेंडा तय किया है। बैठक में मुख्य जोर यूरोपीय देशों द्वारा रक्षा खर्च बढ़ाने पर है, जिसे ट्रम्प लंबे समय से मांगते आ रहे हैं।

नाटो में चल रहे मतभेदों के बीच महासचिव मार्क रूटे ने एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, सदस्य देशों को अपनी जीडीपी का 3.5% सीधे सेना और हथियारों पर खर्च करना होगा और 1.5% ऐसे कामों पर जो रक्षा से जुड़े हों।

प्रस्ताव में 1.5% खर्च की परिभाषा बहुत खुली रखी गई है। इसका मतलब यह है कि हर देश इसे अपने तरीके से समझ सकता है और किसी भी खर्च को 'रक्षा खर्च' बता सकता है। कुछ देश जैसे पोलैंड, एस्टोनिया और लिथुआनिया (जिन्हें रूस से खतरा ज्यादा है) इस लक्ष्य को पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

बाकी यूरोपीय देश इस खर्च को पूरा करने में अभी काफी पीछे हैं। कई देशों के लिए यह खर्च बहुत बड़ा है और वे शायद 2032 या 2035 तक भी इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएंगे।

महासचिव मार्क रूटे ने भरोसा जताया था कि सभी 32 देश इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। रूस की ओर से खतरे को देखते हुए पोलैंड, जर्मनी, नीदरलैंड्स और स्कैंडिनेवियाई देश इस प्रस्ताव को समर्थन दे भी रहे हैं।

वहीं, स्पेन ने साफ कर दिया कि वह अपनी जीडीपी का 5% रक्षा खर्च पर नहीं लगा सकता। स्पेन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वो 2.1% से ज्यादा खर्च नहीं करेगा। सांचेज की सरकार पहले ही भ्रष्टाचार और राजनीतिक दबाव में है, और ऐसे में खर्च बढ़ाना और मुश्किल हो गया है। फ्रांस, इटली, कनाडा और बेल्जियम जैसे देश भी इतना खर्च करने को लेकर सहज नहीं हैं।

बीते कुछ नाटो समिट का केंद्र रूस रहा करता था। इस बार ट्रम्प के साथ टकराव से बचने के लिए रूस के खिलाफ रणनीति पर चर्चा को इस समिट से हटा दिया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को तो न्योता तो भेजा गया है, लेकिन उन्हें मेन समिट में नहीं बुलाया गया। उन्हें सिर्फ एक प्रीसम्मेलन डिनर तक सीमित रखा गया।

अमेरिका नाटो के पूर्वी हिस्से से कुछ सैनिक हटाने की योजना बना रहा है, जिससे यूरोपीय देशों में चिंता और बढ़ गई है।

प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या

तीन महीने पहले हुई थी युवक की शादी

जांजगीर चांपा, 25 जून (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम धनेली के खड़खोड़ी तालाब के पास लगे बबूल के पेड़ पर प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वहीं दोनों मृतकों की पहचान है जिसमें युवक की पहचान अमोरा निवासी शैलेंद्र केवट 24 वर्ष और महिला की पहचान राजकुमारी सिंह 36 वर्ष निवासी सोहागपुर कोरबा जिले की रहने वाली है।

मिली जानकारी अनुसार, आज बुधवार की सुबह ग्रामीण ने देखा कि दो अज्ञात लोगों की पेड़ पर फांसी से लटका हुआ लाश देखने पर गांव के कोटवार को घटना की जानकारी दी गई। जिसपर पामगढ़ पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से नीचे उतरा गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वहीं मृतक युवक की पहचान शैलेंद्र केवट अमोरा निवासी होने पर परिजनों को सूचना दी गई। इस दौरान मृतक युवक के पिता ने बताया कि शैलेंद्र केवट की 3 माह पहले शादी हुई थी।

संघर्ष विराम के अगले ही दिन मोसाद से जुड़े तीन कैदियों को फांसी

अब तक इजरायल से जुड़े 700 लोग गिरफ्तार

तेहरान, 25 जून (एजेंसियां)। संघर्ष विराम के अगले ही दिन ईरान ने इजरायल के जासूसों से निपटना शुरू कर दिया। बुधवार को ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में मोसाद से जुड़े तीन और कैदियों को फांसी दे दी। जबकि इजरायल से जुड़े 700 से अधिक लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है। अब तक ईरान छह लोगों को फांसी की सजा दे चुका है।

बुधवार को ईरान के पश्चिमी अजरबैजान प्रांत के उर्मिया जेल में आजाद शोजाई, एड्रिस आली और इराकी नागरिक रसूल अहमद रसूल को फांसी दी गई। ईरान की न्यायपालिका के मुताबिक इन लोगों पर देश में हत्या उपकरण लाने का आरोप था।

ईरान ने इजरायल के साथ संघर्ष के दौरान करीब छह लोगों को फांसी दे दी है। कार्यकर्ताओं को डर है कि और अधिक लोगों को फांसी दी जाएगी। वहीं अब तक 700 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस बीच ईरान में लोग अपने सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश करने लगे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान की राजधानी तेहरान के बाहर कैस्पियन सागर क्षेत्र और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक है, क्योंकि लोग शहर की ओर लौट रहे हैं।

इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष 13 जून को शुरू हुआ था, जब इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू करके ईरान की परमाणु और सैन्य सुविधाओं पर बड़ा हवाई हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3' शुरू किया और इजरायल ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। फिर अमेरिका ने भी दोनों के युद्ध में एंट्री ली और ईरान के तीन परमाणु ठिकानों-फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सटीक हमले किए।

मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को ट्रंप ने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा की। यह तब हुआ जब ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में कतर और ईराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला किया था। हालांकि, ट्रंप की घोषणा के कुछ देर बाद ही इजरायली वायु सेना (आईडीएफ) ने तेहरान के उत्तर में एक ईरानी रडार ठिकाने पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने इजरायल पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

आपातकाल के 50 वर्ष: छह माह तक जेल में रहे मनीलाल ने खाई थी लाठी

महासमुंद, 25 जून (एजेंसियां)। भारत में आपातकाल के 50 वर्ष आज पूरे हुए हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में इस आपातकाल को काले दिन की भी संज्ञा दी गई है। जब इमरजेंसी के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी छीन ली गई थी। जिसके विरोध में विपक्ष और आंदोलनकारियों को नसबंदी से लेकर जेलबंदी तक कि लड़ाई लड़नी पड़ी थी।

आज हम आपको इमरजेंसी के दौरान लड़ी गई उसी लड़ाई की एक सच्ची कहानी बताने जा रहे हैं। यह कहानी है छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के वन क्षेत्र में बसे ग्राम खम्हरिया निवासी मनीलाल चंद्राकर की। जिन्होंने आपातकाल के दौरान लाठियां भी खाई और जेल भी गए। अपने आंदोलन के दौरान खून से लथपथ शर्ट को यादों के रूप में मनीलाल आज भी 50 साल से संजोए हुए है। क्या है मनीलाल चंद्राकर की कहानी, जानिए विस्तार से। 25 जून 1975 को भारत में आपातकाल की घोषणा हुई, जिसे स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है। यह तब लागू हुआ जब इलाहाबाद हाईकोर्ट के द्वारा उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अमान्य घोषित किया गया था। भारत में आपातकाल लगाए हुए आज 50 वर्ष पूरे हो गए है।

25 जून 1975 को देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्देश पर तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देश में इमरजेंसी लागू कर दी थी।

21 माह तक चला यह आपातकाल 21 मार्च 1970 को यह समाप्त हुआ। इस 21 महीने की अवधि में मौलिक अधिकारों को निलंबित किया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया।

तालिबान के हमले में पाकिस्तानी मेजर मारा गया

2019 में मुनीर अब्बास ने विंग कमांडर अभिनंदन को पकड़ने का दावा किया था

इस्लामाबाद, 25 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना के मेजर रैंक के अधिकारी मोइज अब्बास को मंगलवार को दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमले में मारा गया।

मोइज अब्बास वही पाकिस्तानी अधिकारी है जिसने फरवरी 2019 में भारतीय वायु सेना के पायलट विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने का दावा किया था।

पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि इस मुठभेड़ में टीटीपी के 11 आतंकियों को भी मार गिराया गया, जबकि 2 अन्य सैनिक भी मारे गए।

पाकिस्तानी मीडिया ने बुधवार को मोइज अब्बास की मौत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ एक सीक्रेट ऑपरेशन

को लीड कर रहा था। इस दौरान पाकिस्तानी सेना के जवानों पर टीटीपी ने घात लगाकर हमला किया। इसमें अब्बास मारा गया। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के दो अन्य अधिकारी भी मारे गए हैं।

मोइज अब्बास का नाम 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद सामने आया था। जब भारतीय पायलट अभिनंदन का प्लेन पीओके में क्रैश हो गया था। दावा किया गया था कि गया कि भारतीय पायलट अभिनंदन को पकड़ने वाले वो पहले पाकिस्तानी अधिकारी था। मोइज अब्बास ने बाद में कई इंटरव्यू भी दिए थे। इंटरव्यू में उसने बताया थे कि किन परिस्थितियों में उनका सामना अभिनंदन वर्धमान हुआ था।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 9 मई को बलूचिस्तान के पंजगुर जिले में पाक सेना की गाड़ी पर हमला किया था। इसमें 14 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। बीएलए ने 14 मई को सेना का काफिले पर हमले का एक वीडियो भी जारी किया। बलूच आर्मी ने पाक सेना के खिलाफ अपने हमलों को ऑपरेशन हेरोफ नाम दिया है।

पाकिस्तान अक्सर आरोप लगाता है कि पाकिस्तानी तालिबान अफगानिस्तान के जमीन का इस्तेमाल करके उस पर आतंकी हमले करता है।

हालांकि पाकिस्तान के इन आरोपों को अफगानिस्तान ने खारिज करता रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति लुंगु के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद जारी

दक्षिण अफ्रीका की अदालत में याचिका दाखिल

जोहान्सबर्ग, 25 जून (एजेंसियां)। जाम्बिया की सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति एडगर लुंगु के निजी अंतिम संस्कार को रोकने के लिए अदालत में याचिका दाखिल की। दक्षिण अफ्रीका में उनके अंतिम संस्कार से करीब एक घंटे पहले याचिका पर सुनवाई हुई। जाम्बिया सरकार चाहती है कि लुंगु को देश में राजकीय सम्मान के साथ दफनाया जाए। हालांकि, लुंगु का परिवार इसके लिए मना कर रहा है, क्योंकि लुंगु और मौजूदा राष्ट्रपति हकाईंडेहिचिलेमा के बीच कड़ी सियासी लड़ाई थी।

अंतिम संस्कार के लिए काले कपड़े पहने लुंगु के परिवार के सदस्य प्रिटोरिया (दक्षिण अफ्रीका की प्रशासनिक राजधानी) की एक अदालत में सुनवाई के लिए पहुंचे। अभी यह साफ नहीं है कि जज इस पर कब फैसला सुनाएंगे। लुंगु 2015 से 2021 तक जाम्बिया के नेता रहे। पांच जून को दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल में अज्ञात बीमारी के कारण 68 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

जाम्बिया में उनके राजकीय अंतिम संस्कार को दो बार रद्द किया गया, क्योंकि अंतिम संस्कार को लेकर मतभेद थे। परिवार और उनके वकीलों का कहना था कि हिचिलेमा अंतिम संस्कार में शामिल न हों। जबकि जाम्बिया सरकार का कहना है कि राजकीय अंतिम संस्कार की अध्यक्षता हिचिलेमा ही करेंगे। जाम्बिया के अटॉर्नी जनरल मुलिलो काबेशा ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका की अदालत में याचिका दायर की, जिसमें बुधवार को होने वाले अंतिम संस्कार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। अदालत के दस्तावेजों में कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति को जाम्बिया में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ दफनाया जाना चाहिए। ऐसा जाम्बिया के कानून में भी है।

ताहो झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहा था परिवार

अचानक आया तेज तूफान, आठ लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, 25 जून (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया की ताहो झील में बड़ा हादसा हुआ। अचानक आए तूफान ने एक परिवार की खुशियां काफूर कर दीं। तूफान के चलते झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहे एक परिवार के चार लोगों समेत आठ की मौत हो गई। जबकि दो लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया।

उत्तरी कैलिफोर्निया के रेडवुड सिटी 73 वर्षीय टेरी पिक्सल ताहो झील में अपने बेटे सैन फ्रांसिस्को निवासी 37 वर्षीय जोश पिक्सल की नाव पर अपनी पत्नी 71 वर्षीय पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। इस दौरान अचानक आए तेज तूफान में नाव पलट गई। हादसे में जोश पिक्सल, उनके पिता टेरी पिक्सल, मां पाउला बोजिनोविच और लिंकन निवासी उनके चाचा 72 वर्षीय पीटर बेयस की मौत हो गई। जोश पिक्सल की

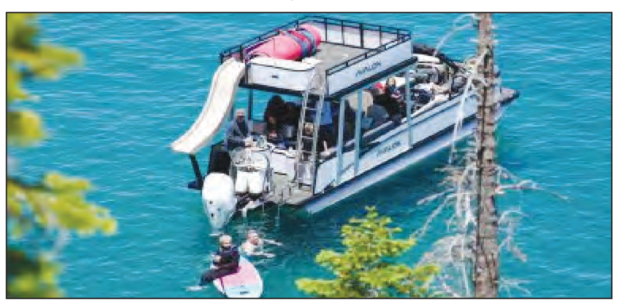

पत्नी जॉर्डन सुगर-कार्ल्सगार्ड ने कहा कि हम उस दर्द और पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं जो हमें यह जानकर महसूस हो रहा है कि झील पर आनंदमय समय बिताने के दौरान उनकी जान चली गई। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गवां दी। परिवार के प्रवक्ता सैम सिंगर ने बताया कि सभी लोग पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। जबकि जोश पिक्सल की पत्नी अपनी सात महीने की बेटी की देखभाल के लिए घर पर ही रहीं। उन्होंने बताया कि जोश और जॉर्डन की शादी 2023 में हुई थी। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में कई टेक कंपनियों में काम किया। जोश डोरडैश में और जॉर्डन एयरबीएनबी में काम करते थे। वे अपना समय खाड़ी क्षेत्र और ताहो झील के पास बने घर में बिताते थे। डोरडैश के मुख्य वित्तीय अधिकारी रवि इनुकोंडा ने कहा कि जोश लगभग सात साल से कंपनी में काम कर रहे थे। वह अपनी टीम से प्यार करते थे और उन सभी के लिए प्रेरणा थे जिन्हें उन्हें जाना। हमारी संवेदनाएं उनकी पत्नी, उनकी बेटी, उनके परिवार और उनके करीबी सभी लोगों के साथ हैं। अमेरिकी तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि 27 फुट (8 मीटर) लंबे क्रिस-क्राफ्ट नाव पर दस लोग सवार थे। शनिवार दोपहर को तूफान के कारण ऊंची लहरें उठीं और नाव झील के दक्षिण-पश्चिमी किनारे पर डीएल ब्लिस स्टेट पार्क के पास पलट गई। लहरें इतनी बड़ी थीं कि पानी नाव पर आ गया और नाव भरने लगी। इंजन बंद हो गया। अफसरों ने बताया कि हादसे में ऑबर्न, कैलिफोर्निया निवासी 71 वर्षीय टिमोथी ओलेरी, हनीओय, न्यूयॉर्क निवासी 66 वर्षीय थेरेसा गिउल्लारी और 69 वर्षीय जेम्स गुक और स्प्रिंगवाटर, न्यूयॉर्क निवासी 63 वर्षीय स्टीफन लिंडसे की भी मौत हो गई।

अमेजन संस्थापक जेफ बेजोस की शाही शादी का विरोध

प्रदर्शनकारी बोले- ये बढ़ रही असमानता का सबूत

वेनिस, 25 जून (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक और अरबपति कारोबारी जेफ बेजोस इस हफ्ते शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। हालांकि उनकी जिंदगी का यह खास दिन विरोध में फंस गया है। दरअसल जेफ बेजोस इटली के वेनिस में एक भव्य तरीके से शादी करने जा रहे हैं, लेकिन वेनिस के सामाजिक संगठनों के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ये दुनिया में बढ़ रही असमानता का सबूत है और भव्य शादी के लिए शहर में रहने वाले लोगों की उपेक्षा की जा रही है।

प्रदर्शनकारियों ने वेनिस शहर में जगह-जगह जेफ बेजोस की शादी के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'बेजोस के लिए जगह नहीं है' लिखे बैनर लहराए। वेनिस के सेंट स्क्वायर पर भी बेजोस के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। अभी तक इन विरोध प्रदर्शनों पर जेफ बेजोस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रदर्शनकारी शनिवार को भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं और उनकी योजना उन नहरों को बाधित करने की है, जिनमें शादी के मेहमानों को लेकर नौकाएं चलेंगी। प्रदर्शन का मकसद प्रदर्शनकारियों को शादी स्थल तक पहुंचने से रोकना है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि यह विशाल और अहम, लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन होगा।

जेफ बेजोस की शादी में कई चर्चित लोग शामिल होंगे, जिनमें मिक जैगर, इवांका ट्रंप, ओप्रा विनफ्रे, कैटी पैरी और लियोनार्डो डिकाप्रियो आदि शामिल हैं। इटली का वेनिस शहर अपनी सुंदरता के चलते शादी करने की पसंदीदा जगह है और हर साल यहां सैकड़ों शादियां होती हैं। इससे पहले जॉर्ज क्लूनी ने भी 2014 में अमाल अलामुद्दीन के साथ वेनिस में ही

शादी की थी। हालांकि उस समय लोगों ने इस पर खुशी जताई थी, लेकिन बेजोस के विरोध पर लोगों का कहना है कि बेजोस अलग शख्सीयत हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जेफ बेजोस कोई हॉलीवुड सितारे नहीं हैं। वह एक अरबपति हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप के करीबी हैं। उन्होंने ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने में मदद की। जेफ बेजोस की कंपनी में श्रम संबंधी प्रक्रियाओं पर सवाल उठते रहे हैं और साथ ही जेफ बेजोस की कंपनी का यूरोपीय देशों के साथ टैक्स को लेकर भी विवाद है।

वेनिस के लोगों ने शादी का विरोध करते हुए कहा कि पहले ही शहर में प्रशासन संबंधी कई समस्याएं हैं और शाही शादी के बाद इनमें और इजाफा हो जाएगा। स्थानीय लोग शहर में बहुत ज्यादा पर्यटन से भी नाराज हैं। हालांकि ऐसे भी लोग हैं, जो जेफ बेजोस के वेनिस में शादी करने के फैसले से खुश हैं। इनमें वेनिस के मेयर लुइगी बर्गनारो भी शामिल हैं।

तुर्की के पाकिस्तान प्रेम को सिर्फ इस्लाम के आधार पर तौलना गलत

अंकारा, 25 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने पाकिस्तान की मदद करके अपना खेमा तय कर लिया है। भारत में तुर्की को लेकर काफी गुस्सा है। ज्यादातर भारतीयों का मानना है कि तुर्की का पाकिस्तान को समर्थन इस्लामिक वजहों से है। इसके अलावा कई लोगों का मानना है कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन फिर से ऑटोमन साम्राज्य कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। इन धारणाओं में भी सच्चाई है, लेकिन ये सच अधूरा है। असल में, तुर्की की रणनीति कहीं ज्यादा जटिल और वैश्विक है। यह सिर्फ मुस्लिम 'उम्मा' की एकता नहीं, बल्कि तुर्की की उस महत्त्वाकांक्षा का हिस्सा है जिसमें वह हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में एक स्थायी शक्ति बनना चाहता है, बिल्कुल चीन और अमेरिका की तरह। तुर्की और पाकिस्तान पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से मित्र और साझेदार हैं, जबकि अंकारा और नई दिल्ली के बीच सामान्य संबंध और व्यापारिक साझेदारी रही है। पिछले कुछ वर्षों से तुर्की ने लगातार पाकिस्तान का कश्मीर मुद्दे पर समर्थन किया है। जो असल में अंकारा की पाकिस्तान के साथ मिलकर हिंद महासागर प्लान का हिस्सा है। जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट एन साथिया मूर्ति ने फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट में लिखा है कि असल में तुर्की की हिंद महासागर को लेकर महत्वाकांक्षाएं शायद चीन से भी पुरानी हैं। चीन भी हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में कम से कम एक टुकड़ा तो चाहता ही है। जबकि अमेरिका के पास पहले से ही हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डा रहा है और अमेरिका निश्चित तौर पर हिंद महासागर में तब तक शक्ति बना हुआ है, जब तक ये एयरबेस उसके कंट्रोल में रहता है। ब्रिटेन ने हाल ही में चागोस द्वीपसमूह को मॉरीशस का हिस्सा माना है।

कौन हैं जोहरान ममदानी जो बन सकते हैं न्यूयॉर्क के पहले भारतवंशी और मुस्लिम मेयर

न्यूयॉर्क, 25 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में पहली बार किसी भारतवंशी के मेयर बनने की संभावना प्रबल हो गई है। भारतीय-अमेरिकी जोहरान ममदानी ने मंगलवार रात को न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की है। उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से प्रतिद्वंद्वी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को मात दे दी। समर्थकों को संबोधित करते हुए ममदानी ने कहा, 'आज रात हमने इतिहास रच दिया।' वहीं, कुओमो ने हार स्वीकार करते हुए कहा, 'आज की रात हमारी नहीं थी। ये उनकी रात है।' कुओमो ने बताया कि उन्होंने

ममदानी को फोन करके जीत की बधाई दी है।

न्यूयॉर्क शहर के चुनाव बोर्ड के अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, जोहरान ममदानी ने कुओमो की तुलना में अधिक समर्थन हासिल किया, जिसमें दसियों हजार से अधिक मतदाताओं के लिए दूसरी पसंद के उम्मीदवार के रूप में शामिल थे। हालांकि, आखिरी नतीजे रैंक चॉइस काउंट से तय किए जाएंगे, लेकिन 3 वर्षीय ममदानी एक मजबूत स्थिति में हैं। अगर ममदानी चुने जाते हैं, तो वे शहर के पहले मुस्लिम और भारतीय-अमेरिकी मेयर होंगे। खास बात ये है कि एक साल पहले तक वे राजनीतिक हलकों के बाहर लगभग गुमनाम थे।

जोहरान ममदानी भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था, जहां उनकी मां की मुलाकात उनके पिता से हुई थी। जोहरान के पिता महमूद ममदानी युगांडा के निवासी हैं और उनकी जड़ें गुजरात में जुड़ी हुई हैं। वे 7 साल की उम्र में परिवार के साथ न्यूयॉर्क चले गए और वहीं पले-बढ़े। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, भारतीय मूल के अमेरिकी नेताओं ने सांप्रदायिक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है।

जोहरान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निंदा की और 2002 के गुजरात दंगों को लेकर उनकी तुलना इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से की। यह विवाद 15 मई के एक कार्यक्रम के बाद शुरू हुआ, जिसमें ममदानी ने यह कहकर सभी को हैरान कर दिया कि वे गुजराती मुस्लिम हैं।

जेनिफर राजकुमार ने ममदानी की टिप्पणी की आलोचना की और कहा कि विभाजनकारी राजनीति की न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में कोई जगह नहीं है, खासकर जब स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत हो।

सीएम भजनलाल को हटाने की हो रही साजिश
गहलोत का सनसनीखेज दावा

जोधपुर, 25 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल को लेकर बुधवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके पद से हटाने की साजिश उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा दिल्ली और जयपुर में रची जा रही है।

अशोक गहलोत ने कहा कि यह षड्यंत्र पूरी तरह तैयार हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री इस खतरे को समझ नहीं पा रहे हैं। बता दें गहलोत अपने पांच दिवसीय जोधपुर दौरे पर हैं।

आगे उन्होंने कहा कि मैं बार-बार मुख्यमंत्री को आगाह कर रहा हूं, लेकिन वह हमारी बात को गंभीरता से नहीं ले रहे। अगर वह भ्रम में रहे, तो उन्हें ही नुकसान होगा। गहलोत ने जोर देकर कहा कि पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाना एक बड़ा फैसला है, जिसे बदलना ठीक नहीं।

उन्होंने सवाल उठाया कि बार-बार मुख्यमंत्री बदलने से क्या फायदा होगा? एक युवा और नए नेता को मौका मिला है, इसे बरकरार रखना चाहिए। गहलोत ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि भजनलाल शर्मा अपना कार्यकाल पूरा करें, लेकिन उनकी पार्टी के कुछ लोग इसके खिलाफ काम कर रहे हैं।

बंगाल के लोगों को उठाया मुद्दा

इस दौरान अशोक गहलोत ने भाजपा पर हमला बोला और पश्चिम बंगाल में लोगों को बांग्लादेशी बताने के मुद्दे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग पश्चिम बंगाल में बंगाली बोलने वालों को, खासकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को, बांग्लादेशी कहकर निशाना बनाते हैं। इससे लोगों में नफरत और हिंसा भड़कती है।

गहलोत ने धार्मिक आधार पर देश को बांटने के प्रयासों को देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी हिंदू-मुस्लिम के नाम पर हिंसा का समर्थन नहीं किया।

आपातकाल पर भी दी ये प्रतिक्रिया

आपातकाल के मुद्दे पर भाजपा की बार-बार की टिप्पणियों पर गहलोत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तत्कालीन परिस्थितियों में आपातकाल लागू किया था, जिसे बाद में कांग्रेस ने गलत निर्णय माना। पार्टी ने इसका खामियाजा भी भुगता। बार-बार इस मुद्दे को उठाना ठीक नहीं है।

उदयपुर घटना पर जताई चिंता

पीसी में अशोक गहलोत ने उदयपुर में एक फ्रांसीसी महिला के साथ हुए दुष्कर्म की घटना पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल ही में अमेरिका ने छह राज्यों के लिए यात्रा एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें राजस्थान का नाम शामिल नहीं था। लेकिन ऐसी घटनाओं से राजस्थान की छवि खराब हो सकती है और इसका नाम भी उन राज्यों में शामिल हो सकता है।

वक्त और जगह तय करें, हम बहस के लिए तैयार हैं- नेता प्रतिपक्ष ने लिया सीएम का चैलेंज

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में अब खुले मंच पर बहस की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा कांग्रेस सरकार के 5 साल बनाम भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यों की तुलना पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दिए जाने के बाद अब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस चुनौती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि वे किसी भी सार्वजनिक मंच पर बहस को तैयार हैं, बस सरकार की ओर से समय और स्थान तय कर सूचित किया जाए।

टीकाराम जूली ने यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने लिखा- मुख्यमंत्री जी, सोमवार को आपके भाषण का अंश मीडिया में देखा जिसमें आपने कांग्रेस सरकार के 5 वर्षों और भाजपा सरकार के डेढ़ वर्ष की तुलना पर सार्वजनिक बहस की बात कही। हमने भी बार-बार सरकार से सवाल किए लेकिन जवाब नहीं मिला। अब जब आप खुद बहस चाहते हैं तो मैं बताना चाहता हूं कि बतौर नेता प्रतिपक्ष मैं आपकी यह चुनौती स्वीकार करता हूं। आप स्थान और समय तय करके हमें सूचित करें। जूली ने भाजपा सरकार पर पलटवार करते हुए कहा कि जितनी पारदर्शिता और जवाबदेही कांग्रेस शासन में देखने को मिली, उतनी आज नहीं दिखती। कांग्रेस सरकार ने बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर योजनाएं चलाकर जमीनी स्तर पर काम किया। भाजपा सरकार केवल घोषणाओं और इवेंटबाजी तक सीमित है। इससे पहले सोमवार को ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी मुख्यमंत्री की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा था कि यदि मुख्यमंत्री चाहें तो अल्बर्ट हॉल के बाहर किसी सार्वजनिक मंच पर बहस हो सकती है। जनता खुद देखेगी कि किस सरकार ने कितना काम किया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा मुख्यालय में श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर कहा था कि कांग्रेस के 5 वर्षों में जितना काम नहीं हुआ, उतना हमने अपने डेढ़ साल में कर दिखाया है। अगर कांग्रेस को लगता है कि उन्होंने बेहतर किया तो खुले मंच पर बहस के लिए आ जाएं। अगर भाजपा सरकार का काम भारी नहीं पड़े तो कहना।

मुख्यमंत्री की इस चुनौती ने राज्य की राजनीति में नई बहस को जन्म दे दिया है। कांग्रेस इसे अवसर मान रही है ताकि भाजपा सरकार को उसके कामकाज को लेकर घेरा जा सके, जबकि भाजपा को विश्वास है कि उसका डेढ़ साल का रिपोर्ट कार्ड कांग्रेस के 5 वर्षों पर भारी पड़ेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बहस यदि सच में सार्वजनिक मंच पर होती है तो यह राज्य में राजनीतिक संवाद की नई मिसाल बन सकती है। हालांकि इस बहस के लिए किसी तारीख और स्थान की अभी घोषणा नहीं हुई है लेकिन दोनों दलों की सहमति ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति में गर्माहट और बढ़ने वाली है।

गहलोत के हाथ की सफाई में कहीं कांग्रेस ही साफ न हो जाए
भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का तीखा तंज

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों कटाक्षों का दौर चल रहा है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा मुख्यालय से कांग्रेस को खुली चुनौती दी थी, जिसे नेता प्रतिपक्ष ने स्वीकार करते हुए समय और जगह बताने के लिए कहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा व्यंग्य किया है। मदन राठौर का यह बयान उस वक्त आया, जब अशोक गहलोत अपने परिवार के साथ जयपुर में एक जादूगर के शो को देखने पहुंचे और उसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा किया, जिसमें उन्होंने जादू और कला के महत्व पर बात की।

राठौर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अशोक गहलोत खुद को जादूगर कहते हैं और बाबू लक्ष्मण जी भी एक जाने-माने जादूगर थे लेकिन गहलोत जी की हाथ की सफाई तो प्रदेश की जनता पिछले कई वर्षों से देख रही है। अब डर इस बात का है

कि नई तकनीक और ट्रिक्स सीखने के चक्कर में कहीं पूरी कांग्रेस पार्टी ही साफ न हो जाए। उन्होंने व्यंग्य करते हुए यह भी कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में जो भी विकास के वादे किए गए, वे भी गायब हो गए हैं, शायद यही असली जादू था। राठौर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की गायब होती विश्वसनीयता और जमीन से कटता जनाधार आज सबसे बड़ा राजनीतिक करतब बन गया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कांग्रेस नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब-जब जनता को जवाब चाहिए होता है, तब-तब कांग्रेस के नेता मायाजाल खड़ा कर असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

केमिकल टैंकर पलटा, धमाके के साथ लगी आग मची अफरा-तफरी, जिंदा जला ड्राइवर

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर हाइवे पर आज सुबह केमिकल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटते ही उसमें धमाके के साथ आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसके बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। मौखमपुरा पुलिया के पास यह हादसा हुआ।

टैंकर में आग लगते ही लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। हालांकि आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दमकल कर्मी सीधे टैंकर तक नहीं पहुंच पाए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया लिया गया है। आग लगने की इस घटना में टैंकर में ड्राईवर जिंदा जल गया है। आग बुझने के बाद रेस्क्यू टीम ने ड्राइवर के शव को बाहर निकाला। इसके बाद शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया है। फायर ब्रिगेड की करीब आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची। जिनमें दूदू, फुलेरा और आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त दमकलें मंगाई गई।

पुलिस ने रोके वाहन, यातायात जाम

घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन हाईवे पर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया। इससे दोनों तरफ करीब दो किलोमीटर लंबा यातायात जाम लग गया है। जाम में फंसे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच चुके हैं। राहत और बचाव कार्यों को तेज कर दिया गया है। जल्द ही यातायात को संचालित कराया जाएगा।

छह महीने पहले भांकरोटा में हुआ था दर्दनाक हादसा

बता दें कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर करीब छह महीने पहले दर्दनाक हादसा हुआ था। उस समय भांकरोटा क्षेत्र में एक टैंकर पलटने से आग लग गई थी, जिसमें करीब 20 लोगों की झुलसकर मौत हो गई थी।

डोटासरा का दावा- 100 से ज्यादा उपखंड कार्यालय खत्म करने जा रही है भाजपा सरकार

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा ने बड़ा दावा किया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार 9 जिलों और 3 संभाग खत्म करने के बाद अब 100 से ज्यादा उपखंड कार्यालय खत्म करने जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया है कि भाजपा सरकार जिले, संभाग व उपखंड कार्यालयों को खत्म करके एवं जनहित योजनाएं बंद करने को ही अपनी उपलब्धियों में गिनवाना चाहती है?

डोटासरा ने काह कि कांग्रेस सरकार ने प्रशासनिक इकाइयों का विस्तार कर जनता को राहत देने के साथ ही नए जिले, नए संभाग व उपखंड तहसील बनाकर स्थानीय प्रशासन को सशक्त करने का काम किया था।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय कार्यालय खोले गए।

कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकालय के दौरान 125 उपतहसील, 85 तहसील, 35 उपखंड कार्यालय और 13 एसडीएम कार्यालय खोले गए। यहां कर्मचारियों और अधिकारियों को नियुक्त किया गया लेकिन

सत्ता में आते ही भाजपा सरकार कांग्रेस के जनहितैषी निर्णयों को अपने द्वेषपूर्ण फैसलों की भेंट चढ़ा रही है।

डोटासरा ने कहा कि डेढ़ साल में मुख्यमंत्री भजनलाल ने सिवाय भ्रमण, भाषण और कांग्रेस सरकार की योजनाओं को बंद करने के अलावा जनहित का एक भी काम नहीं किया।

उन्होंने कहा कि क्या व्यवस्था को ध्वस्त करना भाजपा का सुशासन है? प्रशासनिक इकाइयों के पुर्नगठन के नाम पर जिस तरह से उपखंड कार्यालयों, तहसील, उप-तहसील को खत्म करने की तैयारी चल रही है, उसमें अन्य पदों के साथ-साथ मंत्रालयिक पद भी समाप्त हो जाएंगे। यदि भाजपा के लिए यही गुड गर्वनेंस है, तो यह व्यवस्था जनविरोधी और घोर निंदनीय है।

सांप ने काटा तो सांप को ही बैग में रखकर अस्पताल पहुंचा युवक

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। एक युवक सांप लेकर अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंच गया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। यह घटना 3 दिन पहले की बताई जा रही है। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवक अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर बैग से सांप रखकर लाया। इस दौरान अस्पताल के स्टाफ और मरीजों के परिजन उसे देखकर हैरान हो गए। हालांकि अस्पताल के स्टाफ ने स्थिति को संभाल लिया और युवक को भर्ती कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक को सांप ने डसा था, जिसके बाद वह सांप को लेकर अस्पताल पहुंचा था। आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल का कहना है कि 3 दिन पहले एक युवक बैग में सांप लेकर अस्पताल आया था। उसने बताया कि सांप ने उसे काट लिया है और वह जाना चाहता है कि यह सांप कितना जहरीला है। जिससे उसका उपचार किया जा सके। जिसके बाद युवक को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया।

त्रिनेत्र गणेश मार्ग पर फिर दिखा टाइगर
श्रद्धालुओं में दहशत, 20 मिनट तक टहलता रहा बाघ

सवाई माधोपुर, 25 जून (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आज एक बार फिर टाइगर मूवमेंट देखा गया। टाइगर की मौजूदगी से श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि सभी श्रद्धालु चार पहिया वाहनों में सवार थे, वरना कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

टाइगर मूवमेंट के चलते त्रिनेत्र गणेश मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। गौरतलब है कि बीते दिनों रणथंभौर में हुई तीन टाइगर अटैक की घटनाओं के बाद वन विभाग ने बाघिन टी-84 एरोहेड के तीनों शावकों को अन्य टाइगर रिजर्व में शिफ्ट कर दिया था। इसके बावजूद आज फिर टाइगर की चहलकदमी त्रिनेत्र गणेश मार्ग पर दर्ज की गई।

वन विभाग के अनुसार यह मूवमेंट टाइगर टी-120 गणेश का था, जिसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जानकारी के मुताबिक सुबह एक टाइगर जंगल से निकलकर मंदिर मार्ग पर आ गया और करीब 15 से 20 मिनट तक वहीं टहलता रहा। इस दौरान श्रद्धालु वाहनों में ही बैठे रहे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

वन विभाग द्वारा दुपहिया वाहनों की एंट्री पर रोक होने के चलते हमले की आशंका कम रही लेकिन चौपहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। आखिरकार टाइगर जंगल की ओर लौट गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। इस घटना से स्पष्ट है कि भले ही बाघिन टी-84 के शावकों को अन्यत्र भेज दिया गया हो, लेकिन त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर टाइगर का खतरा अब भी बना हुआ है। वन विभाग अलर्ट है लेकिन श्रद्धालुओं को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

बिना लाइसेंस गांवों में खाद-बीज बेचा तो खैर नहीं
कृषि विभाग ने इन 6 जिलों के लिए निकाला सख्त आदेश

भरतपुर, 25 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में गत दिनों से फर्जी खाद-बीज को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। गत दिनों ही प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कई जगहों पर नकली खाद-बीज का भंडाफोड़ भी किया है। इसे देखते हुए राजस्थान में कृषि विभाग ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने दिशा-निर्देश जारी किया है। जिसमें बिना लाइसेंस के गांव में किरानें की दुकान, दूध की डेयरी सहित अन्य विक्रेताओं की ओर से किसानों को बीज नहीं बेचने का आदेश दिया है। जिसमें बिना लाइसेंस के बीज बेचना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब किराने की दुकानों, दूध की डेयरियों या अन्य अनधिकृत विक्रेताओं को बीज बेचने की अनुमति नहीं होगी। होगी बीज अधिनियम के तहत कार्रवाईः इसके तहत आदेश जारी किए गए हैं कि अगर कोई दुकानदार ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968 और बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम किसानों को नकली बीजों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उठाया गया है।

शादीशुदा लड़की से मिलने मुंबई से गांव आया युवक, नहीं मिली तो खुद को लगाई आग

पाली, 25 जून (एजेंसियां)। पाली जिले के बाली थाना क्षेत्र के चांमुडेरी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 24 वर्षीय युवक नरेश मुंबई में कपड़े की दुकान पर काम करता है। नरेश ने एक युवती के प्यार में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इस घटना में वह 85 प्रतिशत तक झुलस गया और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सीने पर युवती का नाम टैटू भी

जानकारी के मुताबिक नरेश पिछले कुछ वर्षों से एक युवती के प्रेम में था। उसने अपने सीने पर युवती का नाम टैटू भी बनवा रखा था। तीन दिन पहले वह मुंबई से अपने गांव आया था ताकि वह उस युवती से मिल सके। लेकिन किसी कारणवश युवती उससे मिलने नहीं आई। इससे आहत नरेश ने पहले युवती को वीडियो कॉल किया और कहा कि तुझसे मिलने मुंबई से आया, अगर तुम नहीं आ सकती तो मैं मर जाऊंगा।

इसके बाद उसने एक और वीडियो कॉल की, जिसमें उसने पेट्रोल की बोतल दिखाते हुए कहा कि वह खुद को आग लगा लेगा। इसके तुरंत बाद उसने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

नरेश की मां का रो-रोकर बुरा हाल

नरेश को गंभीर हालत में पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद रात साढ़े 10 बजे उसे जोधपुर रेफर कर दिया गया। हॉस्पिटल में नरेश की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने कहा कि पता नहीं उस लड़की ने मेरे बेटे पर क्या जादू कर दिया। मैंने उसे बहुत समझाया, लेकिन वह मेरी बात नहीं सुनता। तीन दिन पहले मुंबई से आया और इधर-उधर भटकता रहा। मां ने कहा कि नरेश उस युवती के प्यार में पूरी तरह पागल हो चुका है।

पिछले पांच-छह साल से प्रेम संबंध

परिजनों ने बताया कि जिस युवती के लिए नरेश ने यह कदम उठाया, वह उनके ही समाज की है और अपने पति को छोड़कर मायके में रह रही है। नरेश का उससे पिछले पांच-छह साल से प्रेम संबंध था और वह उससे शादी करना चाहता था। इस घटना ने पूरे गांव में सनसनी मचा दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नरेश की हालत गंभीर बनी हुई है।

विदेशी महिला से दुष्कर्म का आरोपी चित्तौड़गढ़ से दबोचा

उदयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। नई दिल्ली से होकर उदयपुर घूमने आई फ्रांस की महिला पर्यटक को अपने कमरे पर ले जाकर दुष्कर्म करने के बाद फरार हुए आरोपी को पुलिस ने चित्तौड़गढ़ जिले से गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी ओर दुष्कर्म के बाद निजी चिकित्सालय में भर्ती महिला पर्यटक की हालत में सुधार है और वह अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

उदयपुर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि महिला पर्यटक उदयपुर घूमने के साथ ही विज्ञापन शूटिंग के लिए यहां आई थी। शहर के टाइगर हिल स्थित द ग्रीक फॉर्म एंड रेस्ट्रो कैफे की पार्टी में फ्रांस की युवती से मुलाकात के बाद आरोपी ने मोबाइल कंपनी का विज्ञापन शूटिंग का ऑफर उसे दिया था।

आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) लोकेशन दिखाने के नाम पर उसे अपने साथ बड़गांव थाना क्षेत्र के सुखेर स्थित अपने किराए के मकान पर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया था। वहीं महिला पर्यटक ने स्वयं एक निजी अस्पताल पहुंचकर अपना उपचार कराया। अस्पताल द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस वहां पहुंची थी, जिसके बाद यह घटना सामने आई थी।

पुलिस अधीक्षक गोयल ने बताया कि मामला सामने आने के बाद आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित की गईं, जिसमें चित्तौड़गढ़ भेजी गई टीम को सफलता मिली और आरोपी पुष्पराज को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी फिल्मों, टीवी विज्ञापनों, गानों और धारावाहिकों में कास्टिंग का काम करता है।

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 'धौलपुर' के युवक से 22 लाख ठगे, नोएडा में जी रहा था लग्जरी लाइफ; अब गिरफ्तार

धौलपुर, 25 जून (एजेंसियां)। धौलपुर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ जिला निवासी साइबर ठग गिरोह के सक्रिय सदस्य सागर चौधरी को गिरफ्तार किया है। कब्जे से 8 मोबाइल, 33 एटीएम कार्ड, 6 चेक बुक, 17 पासबुक, कैश काउंटिंग मशीन और हिसाब की डायरी को जब्त किया है। आरोपित ने धौलपुर निवासी एक व्यक्ति को स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर अच्छा मुनाफा होने का झांसा देकर करीब 22 लाख रुपए की ठगी की थी। आरोपित के बैंक खातों में करीब 28 करोड़ रुपए मामले में भी साइबर शिकायतें होना मिला है। जांच में सामने आया कि साइबर ठग सागर ऐंठी राशि से उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लग्जरी लाइफ का लुत्फ उठा रहा है।

सीओ शहर एवं थाना प्रभारी मुनेश मीणा ने बताया कि गत 11 सितबर 2024 को धौलपुर परिवादी साइबर थाने पर रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि स्टॉक (शेयर) मार्केट में निवेश के नाम पर करीब 22 लाख रुपए की उसके साथ ठगी की गई। जांच के दौरान परिवादी के जिस खाते से राशि दूसरे खातों में स्थानांतरित हुई उन्हें फ्रीज करवा कर खाताधारकों की डिटेल मंगवाई गई। जांच के दौरान आरोपितों को चिह्नित किया गया।

पुलिस ने जांच करते हुए साइबर ठग गिरोह के सदस्य सागर चौधरी पुत्र ऋषि कुमार जाट निवासी ग्राम विसारा थाना खैरा जिला अलीगढ़ यूपी को नोएडा से गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। कार्रवाई में एएसआई ओमप्रकाश, हैड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल कृष्ण कुमार, संजय नागर, नवनीत, योगेश, संजय पुरी, सुनील, राजकुमार, रामबृज व राकेश कुमार शामिल रहे।

फर्जी वेबसाइट दिखाकर करते थे ठगी

गिरोह के लोग सोशल मीडिया ग्रुपों में लोगो को जोडकर उन्हें स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहते थे। साथ ही गिरोह के कुछ सदस्य निवेश के 2 से 3 गुना रिर्टन के फर्जी स्क्रीन शॉर्ट ग्रुप में शेयर करते थे। जिस पर लोगों को भरोसा होने पर वह गिरोह के सदस्यों के बताए एकांउट में पैसा डाल देते थे। जिसके बार आरोपित लोगों को फर्जी वेबसाइट पर ले जाकर किए निवेश का कई गुना रिटर्न दिखाते और फिर ज्यादा निवेश करने को कहते। परिवादी निवेश और मुनाफे को वापस लौटने की कहता तो उसके एकाउंट और वेबसाइट भी बंद कर देते थे।

तेलंगाना में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कदम उठाएं: सीएम रेवंत

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को तेलंगाना में शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि अतिरिक्त कलेक्टरों को सप्ताह में कम से कम दो सरकारी स्कूलों का दौरा करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने बुधवार को आईसीसीसी में शिक्षा विभाग की समीक्षा की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस साल 48,000 छात्र निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में शामिल हुए हैं। रेवंत रेड्डी ने छात्रों की बढ़ी हुई संख्या को समायोजित करने के लिए नए कमरों के निर्माण का आदेश दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तुरंत सौर रसोई स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करने को भी कहा। उन्होंने अधिकारियों से 10वीं कक्षा पास करने वाले छात्रों की संख्या और इंटरमीडिएट में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या के बीच भारी अंतर के बारे में सवाल किया। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि 10वीं पास करने वाले सभी छात्रों को इंटरमीडिएट में अवश्य शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंटरमीडिएट के बाद छात्र आजीविका के लिए आवश्यक कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका जीवन खतरे में न पड़े। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सीएम के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, शिक्षा सचिव योगिता राणा, तकनीकी शिक्षा आयुक्त ए. श्रीदेवसेना, शिक्षा विशेष सचिव एम. हरिता और अन्य ने भाग लिया।

18 लाख रुपये मूल्य के 120 मोबाइल फोन पुलिस ने मालिकों को लौटाए

पेड्डापल्ली, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम कमिश्नरेट पुलिस ने बुधवार को गोदावरीखानी स्थित कमिश्नरेट कार्यालय में आयोजित मोबाइल फोन रिकवरी मेले के दौरान लगभग 18 लाख रुपये मूल्य के 120 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे।

यह मेला क्राइम कंट्रोल स्टेशन (सीसीएस) और आईटी सेल की टीमों द्वारा बरामद मोबाइल फोन को वापस करने के लिए सीसीएस इंस्पेक्टर श्री बाबू राव की देखरेख में आयोजित किया गया था। पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने व्यक्तिगत रूप से लाभार्थियों को डिवाइस सौंपी। आयुक्त ने केन्द्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के उपयोग के बारे में बताया, जो खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाने में मदद करता है। सीसीएस टीमों के अलावा, कमिश्नरेट की सीमा के हर पुलिस स्टेशन में गुम या चोरी हुए फोन को ट्रैक करने के लिए एक विशेष विंग स्थापित की गई है। अब तक रामागुंडम कमिश्नरेट के भीतर CEIR पोर्टल पर दर्ज 6,683 शिकायतों में से 2,020 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। सीसीएस और आईटी सेल की टीमों ने 120 फोन बरामद किए हैं।

तेलंगाना में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए पर्याप्त अवसर: जुपल्ली

कोल्लापुर , 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए पर्याप्त अवसर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लक्षित पहलों के कार्यान्वयन के माध्यम से इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। सोमाशिला वेलनेस एंड स्पिरिचुअल रिट्रीट नल्लामाला परियोजना के दौरे के दौरान, मंत्री ने पर्यटन विकास के अवसरों का आकलन करने के लिए सोमाशिला, अमरगिरी, कलवाकुर्ती लिफ्ट सिंचाई परियोजना, नरलापुर जलाशय, कोल्लापुर में माधवस्वामी मंदिर और जेटाप्रोलु मदनगोपाल स्वामी मंदिर सहित विभिन्न स्थानों का पता लगाया। जुपल्ली कृष्ण राव के साथ विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक क्रांति वल्लूर, जिला कलेक्टर बदावत संतोष और अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि "पूंजी निवेश के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष सहायता' योजना के माध्यम से सोमशिला वेलनेस और आध्यात्मिक रिट्रीट नल्लामाला परियोजना के लिए 68.10 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी गई है।

जुपल्ली ने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को इन निधियों के उपयोग को सोमशिला, अमरगिरी द्वीप और ईगलपेंटा के विकास को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता देनी चाहिए, जो समृद्ध पर्यावरणीय संसाधनों, जल स्रोतों, मंदिरों के साथ-साथ जल क्रीड़ा और साहसिक गतिविधियों के अवसरों का दावा करते हैं। इसके बाद, मंत्री ने कोल्लापुर कैंप कार्यालय में सोमशिला परियोजना से संबंधित प्रस्तावों और पहलों पर चर्चा करने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पर्यटन क्षेत्र प्रगति करेगा, जिसमें प्रमुख पर्यटक स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर बढ़ाने की प्रतिबद्धता है। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए चल रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सोमशिला में बोटिंग जेटी, अमरगिरी द्वीप पर बोटिंग जेटी, कॉटेज, स्विमिंग पूल, कैफेटेरिया, स्पा, वेलनेस सेंटर, इनडोर और आउटडोर गेम्स तथा अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

जीडीमेटला हत्याकांड के पीछे किशोरी और उसके प्रेमी का हाथ, पुलिस ने की पुष्टि

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस ने बुधवार को कहा कि सतला की नाबालिग बेटी अंजलि (39) ने अपने प्रेमी की मदद से अपनी नृशंस हत्या की पूर्व योजना बनाई, उसे अंजाम दिया। अपराध की सूचना मिलने के 24 घंटे के भीतर, पुलिस ने तीन लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की - पी. शिव कुमार (19), नलगोंडा का एक इंटरमीडिएट छात्र और डीजे ऑपरेटर; अंजलि की 16 वर्षीय बेटी; और शिवा का छोटा भाई, जो भी नाबालिग है। पुलिस के अनुसार, यह अपराध अंजलि की बेटी, जो कि कानून के तहत नाबालिग है, ने शिवा और उसके छोटे भाई के साथ मिलकर रचा और अंजाम दिया। बालनगर के डीसीपी के सुरेश कुमार ने कहा, 'नाबालिग लड़की कुछ समय से शिवा के साथ रिलेशनशिप में थी, जिसका अंजलि विरोध करती थी। इसके कारण उनके बीच अक्सर बहस और चेतावनी होती थी, जिसके परिणामस्वरूप नाबालिग ने शिवा के साथ मिलकर अपनी मां को खत्म करने की साजिश रची।'

23 जून की शाम को, लड़की ने अपनी छोटी बहन को शाहपुरनगर स्थित अपने घर से बाहर भेज दिया और शिवा तथा उसके छोटे भाई को बुला लिया, क्योंकि उसे पता था कि पीड़िता अकेली है। डीसीपी ने कहा, 'उन्होंने पीड़िता को जबरन पकड़ लिया, नायलॉन की रस्सी और दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया और उसे पीट-पीटकर मार डाला। हत्या के बाद नाबालिग लड़की ने घर बंद कर दिया और अपनी छोटी बहन को किसी को न बताने की चेतावनी दी। हालांकि, बच्ची ने अपनी चाची को इस बारे में बताया, जिससे अपराध का पता चला।'

पीड़िता की बहन की शिकायत के आधार पर जीडीमेटला पुलिस ने मामला दर्ज किया और वैज्ञानिक विश्लेषण की मदद से संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हत्या की बात कबूल कर ली है। शिवा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि दोनों नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। इस बीच, तेलंगाना विद्रोह के दौरान भारतीय क्रांतिकारी नेता चकली इलाम्मा की परपोती श्वेता ने स्पष्ट किया है कि सतला अंजलि इलाम्मा के परिवार की सदस्य नहीं थीं। श्वेता ने कहा, 'कुछ भ्रम के कारण, ऐसी खबरें फैल गई हैं कि अंजलि इल्मा की परपोती है। लेकिन यह सच नहीं है। वह किसी भी तरह से हमारे परिवार से जुड़ी या संबंधित नहीं है। हम उसकी दुखद मौत पर शोक व्यक्त करते हैं।'

अतिरिक्त डीजीपी स्वाति लाकड़ा ने होमगाड्र्स को ऊनी जैकेट और रेनकोट वितरित किए

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। होमगाड्र्स के लिए कल्याणकारी पहल के तहत, अतिरिक्त डीजीपी (होमगाड्र्स) स्वाति लाकड़ा ने बुधवार को डीजीपी कार्यालय, हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में ऊनी जैकेट और रेनकोट वितरित किए। ये वस्तुएं पूरे राज्य में होमगाड्र्स को प्रदान की जा रही हैं ताकि उन्हें बारिश के मौसम में आराम से ड्यूटी करने में मदद मिल सके। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक (पी एंड एल) एम. रमेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, अतिरिक्त डीजीपी स्वाति लाकड़ा ने जोर देकर कहा कि होमगाड्र्स के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में तेलंगाना कई राज्यों से आगे है।

एडीजीपी ने वेतन, परेड भत्ते और अनुग्रह लाभ में वृद्धि के बारे में याद दिलाया। उन्होंने यह भी बताया कि होमगाड्र्स के लिए आईडी कार्ड, स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अतिरिक्त डीजीपी ने सभी होमगार्डों से ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया, साथ ही किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल न होने की चेतावनी दी। आईजीपी एम. रमेश ने कहा कि तेलंगाना पुलिस ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है और होमगार्डों को भी अनुशासित सेवा के माध्यम से इस प्रतिष्ठा में योगदान देना चाहिए। आरआई श्रीनिवास राव ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से होमगार्ड प्रणाली का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। तेलंगाना क्षेत्र के होमगार्ड कमांडेंट बी. वेंकटेश्वरलू, डीएसपी (स्टोर) वेणुगोपाल और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पीजीडीएम-एबीएम के 17वें बैच का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-एनएएआरएम (नार्म) ने पीजीडीएम-एबीएम के 17वें बैच का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी ने अपने प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम अर्थात् पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट - एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट (पीजीडीएम-एबीएम) के 17वें बैच का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यवाहक निदेशक डॉ. गोपाल लाल ने विद्यार्थियों के नए बैच को संबोधित किया। एबीएम प्रभाग के प्रमुख डॉ. टी. श्रीनिवास ने तत्संबंधित प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होने कहा कि, यह 2 वर्षीय शैक्षणिक यात्रा छात्रों को सक्षम कृषि-व्यवसाय नेता बनने में सक्षम बनाएगी। उद्घाटन समारोह में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवरामने, डॉ. रंजीत कुमार, पी.सी. मीना, निर्मला, गणेश कुमार, ढांडा सहित अन्य वैज्ञानिक और कर्मचारी उपस्थित हुए।

व्यक्ति ने रेलवे ट्रैक पर की आत्महत्या

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय समस्याओं से परेशान 42 वर्षीय एक व्यक्ति ने मंगलवार शाम शहर के बाहरी इलाके घटकेसर में तेज गति से आ रही ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। राजन्ना सिरसिल्ला जिले के बोयिनपल्ली निवासी श्रीनिवास सांडे कथित तौर पर बढ़ते कर्ज के कारण परेशान थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है। राजकीय रेलवे पुलिस के अनुसार, श्रीनिवास ने घाटकेसर और बीबीनगर रेलवे स्टेशनों के बीच पटरियों पर विशाखापत्तनम एक्सप्रेस के सामने छलांग लगा दी। जीआरपी अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

सरकार और चुनाव आयोग को 3 महीने में पंचायत चुनाव कराने का निर्देश

न्यायमूर्ति टी माधवी देवी ने दिया निर्देश

एसईसी की निष्क्रियता को अदालत ने गंभीरता से लिया

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति टी माधवी देवी ने बुधवार को राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को तीन महीने के भीतर ग्राम पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया और राज्य सरकार से चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक सहायता देने को कहा। यह निर्देश तब आया जब न्यायालय ने चुनाव कराने में देरी को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, जिसे सोमवार को सुनवाई के बाद सुरक्षित रख लिया गया था। अदालत ने सोमवार को राज्य भर में ग्राम पंचायतों के चुनाव कराने में एसईसी की निष्क्रियता को गंभीरता से लिया था, जबकि उनका कार्यकाल 31 जनवरी, 2024 को समाप्त हो चुका है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि देरी संविधान के अनुच्छेद 243ई और 243के और तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम, 2018 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

उन्होंने तर्क दिया कि पंचायत निकायों के लिए उनके कार्यकाल समाप्त होने से पहले या उसके छह महीने के भीतर चुनाव कराना संवैधानिक दायित्व है।

विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या धूमधाम से मनी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अमावस्या दिन की शुरुआत गौभक्तों के द्वारा गौमाता की पूजन गौसेवा के द्वारा की गई। भजनों की प्रस्तुति दी कैलाश भाठ रूपेंद्र पुनाराम डालू सिंह रमेश भाई ने की। भोजन प्रसादी अमराराम सीरवी,दलाराम सीरवी,, राजू भाई माली,, देवारामज सीरवी, जामताराम चौधरी, गोविन्दज कुमावत, मंगलाराम कुमावत, रमेश, दिनेश, महेन्द्र कुमावत, दीपाराम, धनलक्ष्मी सीरवी रहे। हरी घास व्यवस्था के लाभार्थी महादेव डोर्स,गंडीमैसम्मा रतनाराम देवासी, एवं बाबू गोपाल दास बसंल परिवार कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष टी वी सुरेश के साथ उदय भास्कर,बालाजी,वेंकट रेड्डी,शांतिलाल सुथार, डूंगाराम सिरवी ,दिपक भाई जगदीश भाई महेंद्र सिंह एवं समस्त गौभक्तों की उपस्थिति रही।

अमावस्या पर इमलीवन गौशाला गवलीगुडा में गायों को हरा चारा खिलाते जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, एवं एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार गौतम जैन, कांग्रेस नेता पी. राजेंद्र यादव,गजानन चौधरी, नंदू चौधरी आदि।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र अग्रवाल सुरेंद्र अग्रवाल गोपाल बल्दवा, पी सी जैन इंद्रपॉल भोज रेड्डी संध्या रानी अग्रवाल विभा देवी अग्रवाल विजया रेड्डी पायल रानी। अनिता देवी डॉ राधा कृष्ण अशोक रूंगटा ने भा लिया।

मां के प्रेमी से था बेटी को भी इश्क

जबरन शादी कराई तो सुपारी देकर पति को मार डाला

अमरावती, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की एक नहर में एक शख्स का शव मिलने के बाद पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, उस शख्स की हत्या उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर की थी। पुलिस ने इस मामले में पत्नी, उसके प्रेमी और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला मेघालय में राजा रघुवंशी की हत्या के कुछ हफ़्ते बाद सामने आया है। राजा रघुवंशी की हत्या उसकी पत्नी सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने पिछले महीने मेघालय में उनके हनीमून के दौरान की थी। वहीं इस हत्याकांड में भी तेजेश्वर की हत्या उसकी पत्नी ऐश्वर्या और उसके प्रेमी तिरुमल राव ने मिलकर की।

प्रेमी के साथ मिलकर रची हत्या की साजिश

आंध्र प्रदेश के कुरनूल की रहने वाली 23 वर्षीय ऐश्वर्या ने तेलंगाना के गडवाल के 26 वर्षीय तेजेश्वर से 18 मई को शादी की थी। ऐश्वर्या ने तेजेश्वर को यह कहकर शादी के लिए मनाया था कि वह उससे प्यार करती है। शादी के एक महीने बाद ही तेजेश्वर लापता हो गया। तेजेश्वर के परिवार ने ऐश्वर्या पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस ने ऐश्वर्या और उसकी मां सुजाता को हिरासत में ले लिया। पुलिस जांच में पता चला कि ऐश्वर्या ने शादी के एक महीने के भीतर ही अपने प्रेमी तिरुमल राव के साथ मिलकर तेजेश्वर को मारने की साजिश रची थी।

प्राइवेट बैंक में मैनेजर है प्रेमी तिरुमल राव

तिरुमल राव एक शादीशुदा बैंक मैनेजर है। ऐश्वर्या ने तेजेश्वर को मारने के लिए तीन लोगों को हायर किया था। ऐश्वर्या की मां सुजाता भी उसी बैंक में काम करती थी, जहां तिरुमल राव मैनेजर था। जांच में पता चला कि तिरुमल राव ने तेजेश्वर को मारने के लिए हायर किए गए तीन लोगों को 2 लाख रुपये एडवांस दिए थे। जोगुलंबा गडवाल जिले के एसपी टी श्रीनिवास राव ने बताया कि इस मामले में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस दोनों ने मिलकर काम किया है।

ऐश्वर्या और राव सहित आठ अरेस्ट

एसपी श्रीनिवास राव ने बताया कि ऐश्वर्या और राव सहित आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सुजाता भी शामिल है। जिसे अपराध की शुरुआती जानकारी थी। राव के पिता एक रिटायर्ड हेड कांस्टेबल हैं। उनको भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अपने बेटे को पुलिस से बचाने की कोशिश की थी। राव ने सोचा था कि तेजेश्वर के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी और उसका शव कभी नहीं मिलेगा। लेकिन उसने भागने की योजना भी बना रखी थी। उसने कथित तौर पर 20 लाख रुपये का लोन लिया था और अपने और ऐश्वर्या के लिए लद्दाख भागने के लिए टिकट बुक किए थे।

पुलिस ने बताया कि राव ने पहले अपनी पत्नी को मारने की योजना बनाई थी। क्योंकि उनके कोई बच्चे नहीं थे। राव ने आठ साल पहले उससे शादी की थी। पुलिस के अनुसार, राव का ऐश्वर्या की मां सुजाता के साथ भी अफेयर था। सुजाता राव के बैंक में स्वीपर के तौर पर काम करती थी। ऐश्वर्या ने अपनी मां की अनुपस्थिति में उनकी जगह काम किया था और इसी दौरान दोनों के बीच संबंध बने। कहा जाता है कि सुजाता ने ऐश्वर्या को राव के साथ संबंध रखने से मना किया था और उस पर तेजेश्वर से शादी करने का दबाव डाला था। ऐश्वर्या इस शादी के लिए तैयार नहीं थी।

तेजेश्वर के साथ उसकी शादी 13 फरवरी को तय हुई थी, लेकिन वह कथित तौर पर गायब हो गई और बाद में उसने शादी तोड़ दी। बाद में ऐश्वर्या ने तेजेश्वर को यह कहकर मना लिया कि वह इसलिए गायब हो गई थी क्योंकि उसकी मां दहेज देने में असमर्थ थी। उसने तेजेश्वर से कहा कि वह उससे शादी करने के लिए तैयार है। तेजेश्वर उसके और राव के अफेयर की अफवाहों के बावजूद अपने परिवार की सलाह के खिलाफ उससे शादी करने के लिए राजी हो गया। 18 मई को दोनों ने शादी कर ली।

ऐश्वर्या ने प्रेमी राव को 2000 बार किया फोन

पुलिस ने बताया कि फरवरी और जून के बीच ऐश्वर्या और राव ने 2,000 बार फोन पर बात की थी। पुलिस ने यह भी बताया कि अपनी शादी के दौरान भी ऐश्वर्या लगातार फोन पर बात कर रही थी। उसके ससुराल वालों ने उसे ऐसा करने के लिए डांटा, लेकिन उसने तर्क दिया कि वह अपनी मां से बात कर रही है। अधिकारी ने बताया कि तेजेश्वर के परिवार ने 18 जून को उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब तक उसकी हत्या हो चुकी थी।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए बताया कि तेजेश्वर एक कार में बैठा था जो कुरनूल की ओर जा रही थी। एसपी श्रीनिवास ने कहा कि हत्यारे उसे जमीन का सर्वे करने के बहाने कार में ले गए। वह ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठा था। तभी उन्होंने उसका गला रेत दिया और बाद में उसके पेट में चाकू मार दिया। उन्होंने राव को फोन पर शव दिखाया और फिर उसे नहर में फेंक दिया।

एसपी ने कहा कि योजना यह थी कि वे उसे कुरनूल में जमीन के लेआउट में दफना देंगे, जहां वे सर्वे करने गए थे। लेकिन वहां कुछ लोगों को देखकर उन्होंने शव को नहर में फेंक दिया। लेकिन उसमें पर्याप्त पानी नहीं था। हमने तेजेश्वर के ठिकाने का पता लगाने के लिए सेल फोन सिग्नल का इस्तेमाल किया। जब तक हमें शव मिला, वह सड़ चुका था। उसकी बांह पर तेलुगु में अम्मा नाम का टैटू था। इससे हमें शव की पहचान करने में मदद मिली।

तेजेश्वर के लापता होने के बाद उसके परिवार को ऐश्वर्या और राव पर शक हुआ कि वे उसकी गुमशुदगी के पीछे हैं। उस समय ऐश्वर्या अभी भी अपने ससुराल वालों के साथ रह रही थी। पुलिस ने कहा कि राव की ओर से ऐश्वर्या को यह बताने के बाद कि उसके पति की हत्या कर दी गई है। ऐश्वर्या चार दिनों तक अपने ससुराल वालों के घर में रही। योजना यह थी कि वह कुरनूल में अपने घर वापस चली जाएगी और दोनों लद्दाख भाग जाएंगे।

कक्षा 10 के छात्र ने किया आत्महत्या का प्रयास

कोत्तागुडेम, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के चुंचुपल्ली मंडल के एक निजी स्कूल के 10वीं कक्षा के एक छात्र ने होमवर्क पूरा न करने पर शिक्षक द्वारा डांटे जाने के बाद बुधवार को कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। छात्र बनोथ भरत ने कथित तौर पर परेशानी के चलते कीटनाशक पी लिया। एक सहपाठी ने जब उसकी हालत देखी तो उसने तुरंत स्कूल स्टाफ को इसकी जानकारी दी। स्कूल प्रशासन ने भरत के माता-पिता को सूचित किया और उसे बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया। वह सुजातानगर मंडल के सर्वराम गांव का रहने वाला है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नीरज चोपड़ा ने 4 दिन के अंदर दूसरा टूर्नामेंट जीता

गोल्डन स्पाइक मीट में नंबर-1 रहे, 85.29 मी. भाला फेंका; पेरिस डायमंड लीग जीती थी

ओस्त्रावा, 25 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। वे लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नंबर-1 पर रहे हैं। नीरज ने 4 दिन पहले 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था।

नीरज ने चेक रिपब्लिक (ओस्त्रावा) में आयोजित इस टूर्नामेंट में 85.29 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहे। द. अफ्रीका के डोव स्मित (84.12 मीटर) पर्सनल बेस्ट के साथ दूसरे और ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (86.63 मीटर) तीसरे नंबर पर रहे। नीरज इस समय वर्ल्ड एथलेटिक्स के कॉन्टीनेंटल टूर पर हैं। इस टूर्नामेंट में 9 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने को पेरिस डायमंड लीग भी जीती थी।

तीसरे प्रयास में आया नीरज का बेस्ट थ्रो

प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा का बेस्ट थ्रो तीसरे प्रयास में आया। उन्होंने फाउल से शुरुआत की। फिर 83.45 मीटर स्कोर किया। नीरज 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वे टॉप पर आ गए। उन्होंने अगले 2 थ्रो में क्रमशः 82.17 मीटर और 81.01 मीटर स्कोर किया। आखिरी थ्रो फाउल रहा।

5 जुलाई को बेंगलुरु में क्लासिक थ्रो में भाग लेंगे

दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अब 5 जुलाई को होने वाले पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे। यह आयोजन मूल रूप से 24 मई को होने वाला था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव के कारण इसे 5 जुलाई के लिए स्थगित कर दिया गया।

2 टेस्ट से बाहर रहेंगे जसप्रीत बुमराह

लीड्स में करारी हार के बाद गौतम गंभीर ने दिया बड़ा अपडेट

खेल डेस्क, 25 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड में भारतीय टीम की शुरुआत हार के साथ हो गई है. लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 5 शतक लगाने के बावजूद टीम इंडिया को 5 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 में ये किसी भी टीम की पहली हार है. 17 जून से WTC 2025-27 की शुरुआत हो चुकी है और भारत ने अपने अभियान की शुरुआत हार के साथ की है. लीड्स टेस्ट में भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे. इसकी वजह से भारतीय टीम 371 रन के लक्ष्य को डिफेंड नहीं कर पाई. पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह दूसरी पारी में कोई विकेट नहीं ले पाए. अब हेड कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर एक बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया है. उन्होंने बुमराह के दो टेस्ट मैचों में टीम से बाहर रहने पर बड़ा खुलासा किया है.

लीड्स टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे. उन्होंने कहा कि ये

फैसला सीरीज शुरू होने से पहले ही लिया गया था और स्कोरलाइन के कारण इसमें कोई बदलाव नहीं होगा. गंभीर ने कहा, "बुमराह कौन से दो मैच खेलेंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस सीरीज में वो कुल तीन मैच ही खेलेंगे. हम उन पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहते हैं.

इससे पहले प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कप्तान शुभमन गिल ने भी बुमराह को लेकर इसी तरह की बात कही. उन्होंने कहा कि ये हर मैच के हिसाब से तय होता है. जब हम लंबे ब्रेक के बाद अगले मैच के करीब होंगे, तब हम देखेंगे. दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबेस्टन में शुरू होगा. इस टेस्ट मैच में बुमराह खेलेंगे या नहीं इसका फैसला वहां की कंडीशन को देखकर टीम मैनेजमेंट लेगी. पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट चटकाए थे. इस दौरान अगर उनकी कुछ गेंदों पर कैच नहीं छूटे होते तो उनके विकेटों की संख्या और ज्यादा होती, लेकिन दूसरी पारी में बुमराह ने टीम को पूरी तरह से निराश किया और कोई विकेट नहीं चटका पाए. इसकी वजह से भारतीय टीम को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. इस टेस्ट मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 471 रन बनाए थे. इसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 465 रनों पर सिमट गई थी. दूसरी पारी में टीम इंडिया 364 रन ही बना सकी. इसके बाद 371 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया.

पारस गुप्ता एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

सिंगापुर के खिलाड़ी को दी मात

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत के पारस गुप्ता ने एसीबीएस एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप में सनी वांग को 5-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। आगरा के 29 वर्षीय क्यू खिलाड़ी पारस ने सिंगापुर के खिलाड़ी के खिलाफ 5-0 (35-28, 44-9, 40-2, 53-12, 59-0) की आसान जीत दर्ज की।

वांग ने पाकिस्तान के पूर्व चैंपियन मोहम्मद सज्जाद को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। पारस सेमीफाइनल में हबीब सबा (बहरीन) और अली अल ओबेदली (कतर) के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। पारस ने इससे पहले सुबह के सत्र में आईबीएसएफ विश्व 6 रेड स्नूकर चैंपियन हमवतन कमल चावला को 5-2 (45-0, 63-4, 36-19, 26-35, 41-34, 25-34, 37-0) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

लीड्स टेस्ट में भारत की हार के 5 फैक्टर्स

दोनों पारियों में मिडिल ऑर्डर के बैटर्स फेल, जडेजा-ठाकुर 3 विकेट ही ले सके

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। शुभमन गिल का कप्तानी सफर हार के साथ शुरू हुआ। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पहला मैच 5 विकेट से हार गया है। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल किया।

यह मैच शुरुआती 4 दिनों तक बराबरी पर था, आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 बनाने थे। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में बेहतरीन बैटिंग करके जीत हासिल की। बेन डकेट (149 रन) और जैक क्रॉली (65 रन) ने 188 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की।

भारत की हार के 5 फैक्टर्स

फैक्टर्स-1: मिडिल-लोअर ऑर्डर का फेल होना

भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर दोनों पारियों में कोलैप्स कर गया। भारतीय टीम ने पहले पारी में

आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बैटर्स 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए।

पहली पारी में करुण नायर शून्य, रवींद्र जडेजा 11 और शार्दूल ठाकुर एक रन बनाकर आउट हुए। इससे भारत पहली पारी में 500 के पार नहीं जा सका। दूसरी पारी में करुण नायर 20, रवींद्र जडेजा 25 और शार्दूल ठाकुर 4 रन बनाकर आउट हो गए। इस बार टीम इंग्लैंड को 400 पार का टारगेट नहीं दे सकी। जबकि, टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 333 रन बना लिए थे।

फैक्टर्स-2: तीन गेंदबाजों का कमजोर प्रदर्शन

लीड्स की पिच पर इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान भारत की गेंदबाजी यूनिट खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। साथ ही मुकाबले में चौथे-पांचवें गेंदबाज का प्रदर्शन कमजोर रहा। बुमराह-प्रसिद्ध के अलावा, कोई भी गेंदबाज इंग्लिश बैटर्स को परेशान नहीं कर सका। मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 और रवींद्र जडेजा ने एक विकेट लिया।

फैक्टर-3: खराब फील्डिंग, 9 कैच ड्रॉप किए

भारत की हार की मुख्य वजह खराब फील्डिंग रही। टीम ने अहम मौकों पर 9 कैच छोड़े। इनमें से 6 कैच पहली पारी में छूटे, जबकि 3 कैच दूसरी पारी में ड्रॉप हुए। मैच में सेंचुरी लगाने वाले ओली पोप और बेन डकेट को 2-2 जीवनदान मिले। भारत की ग्राउंड फील्डिंग भी खराब रही।

फैक्टर-4: पांचवें दिन भी पिच का फ्लैट रहना

आम तौर पर किसी टेस्ट मैच में पांचवें दिन बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। तब तक पिच काफी हद तक टूट जाती है, लेकिन हेडिंग्ले में ऐसा नहीं हुआ। पांचवें दिन भी पिच में गेंदबाजों के लिए कोई मदद मौजूद नहीं थी।

फैक्टर-5: क्रॉली-डकेट की रिकॉर्ड साझेदारी

इंग्लिश टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम से बेन डकेट और ओली पोप ने शतक लगाए। हैरी ब्रूक ने 99 रन बनाए। दूसरी इनिंग में इंग्लिश ओपनर्स जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन जोड़े। यह निर्णायक साझेदारी साबित हुई। दोनों ने इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप की।

हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर मारे 9 छक्के

करीब 200 की स्ट्राइक रेट से ठोका हाहाकारी शतक

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। कहते हैं जैसी संगत, वैसा असर. अब दोस्ती ही अगर किसी की वैभव सूर्यवंशी के साथ हो, तो वो तो छक्के मारेगा ही. हम बात कर रहे हैं 9वें नंबर पर उतरकर अपनी बल्लेबाजी का बेखौफ जौहर दिखाने वाले बल्लेबाज हरवंश सिंह पंगालिया की. 18 साल के इस बल्लेबाज ने 9वें नंबर पर खेलते हुए 9 छक्के मारे. इतना ही नहीं शतक भी जमाया. हरवंश सिंह की वैभव सूर्यवंशी से दोस्ती तो है ही तगड़ी लेकिन वो खेलते भी उन्हीं के जैसे कमाल हैं. अपने उसी लाजवाब खेल का ट्रेलर उन्होंने नाबाद शतकीय पारी के दौरान दिखाया है.

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वैभव सूर्यवंशी के दोस्त हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर शतक ठोका कहां? ऐसा उन्होंने इंग्लैंड में ही किया है. दरअसल, भारत की सीनियर टीम के साथ उसकी अंडर 19 टीम भी

इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है. भारत की अंडर 19 टीम को 27 जून से 5 मैचों की वनडे सीरीज इंग्लैंड से खेलनी है. उससे पहले 24 जून को एक प्रैक्टिस मैच खेला गया, जिसमें हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर दनादन 9 छक्के बरसाए हैं और शतक जड़ा है.

हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर जिस मैच में शतक जड़ा, उसमें वैभव सूर्यवंशी भी खेल रहे थे. मगर ओपनिंग करने उतरे वैभव 130 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 13 गेंदों पर 1 छक्के के साथ सिर्फ 17 रन ही बना सके. वैभव के आउट होने के बाद देखते ही देखते ऊपर के 2-3 और बल्लेबाज आउट हो गए. मगर नीचले ऑर्डर में राहुल, कनिष्क और सबसे बढ़कर हरवंश सिंह ने जो किया, उसके बाद भारत की अंडर 19 टीम ने 50 ओवर में 444 रन का स्कोर खड़ा किया.

हरवंश सिंह ने करीब 200 की स्ट्राइक रेट से नाबाद शतक जड़ा. उन्होंने 9वें नंबर पर खेलते हुए 198.07 की स्ट्राइक रेट से 52 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के के अलावा 8 चौके शामिल रहे. अब ये हरवंश सिंह वाकई में लोअर ऑर्डर के खिलाड़ी हैं, या सिर्फ इस प्रैक्टिस मैच में इतने नीचे खेलने उतरे. जब हमने इस बारे में जाना तो पाया कि वो लोअर नहीं बल्कि मिडिल ऑर्डर के माहिर खिलाड़ी हैं. वो भारत की अंडर 19 टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं.

वैभव सूर्यवंशी और हरवंश सिंह में दोस्ती तगड़ी है. वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड पहुंचने के बाद की बस में सफर करते तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो और हरवंश एक ही जगह बैठे थे. इसके अलावा दोनों एक दूसरे को सोशल मीडिया पर भी फॉलो करते हैं.

संजय मांजरेकर की भारत को सलाह

शार्दुल की जगह नितीश नहीं कुलदीप को दें मौका

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड से 371 रन का लक्ष्य देने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत की प्लेइंग 11 को लेकर बहस छिड़ गई है। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम को सलाह दी है कि वह बर्मिंघम टेस्ट में शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप करके कुलदीप यादव को मौका दे। उन्होंने यह भी बताया कि क्यों नितीश कुमार रेड्डी को जगह नहीं दी जानी चाहिए।

हेडिंग्ले में पहली पारी में शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट चटकाए, लेकिन मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और ठाकुर से सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड ने चौथी पारी में 371 रनों का लक्ष्य पांच विकेट रहते हासिल कर लिया। इससे भारत की गेंदबाजी लाइनअप में कमी उजागर हुई।

कुलदीप यादव को वापस लाना होगा

मांजरेकर ने 'मैच सेंटर लाइव' पर कहा, "कुलदीप यादव को वापस लाना होगा। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन शार्दुल ठाकुर को बाहर होना पड़ेगा। यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। जहां तक नितीश कुमार रेड्डी का सवाल है तो मैंने ऑस्ट्रेलिया में उनके प्रदर्शन के आधार पर ही उन्हें पहले टेस्ट के लिए समर्थ किया था। यह एक अलोकप्रिय विकल्प है, क्योंकि वह आएंगे तो संतुलन थोड़ा प्रभावित होता है। वह चौथे तेज गेंदबाज की तरह गेंदबाजी नहीं करेंगे।"

भारत को एक कठोर निर्णय लेने की आवश्यकता

संजय मांजरेकर ने कहा, "भारत को एक कठोर निर्णय लेने की आवश्यकता है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में भी उन्हें गुणवत्ता वाले गेंदबाजों के साथ जाना चाहिए। इसके लिए दो स्पिनर खिलाना पड़े तो यही सही। परिस्थितियों के ध्यान में रखने के बजाय अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को चुनें। आपके पास मोहम्मद शमी या फुल स्ट्रेंथ तेज गेंदबाज की सुविधा नहीं है इसलिए मैं एक तेज गेंदबाज कम रखूंगा और कुलदीप को इलेवन में शामिल करूंगा। उन्हें खेलना ही होगा।"

मांजरेकर ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां पहले की तरह तेज गेंदबाजी के अनुकूल नहीं हैं। इससे भारत को दो मुख्य स्पिनर्स के साथ खेलने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, " हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि शायद ग्लोबल वार्मिंग के कारण अब इंग्लैंड में गर्मी का मौसम काफी हद तक ड्राई रहता है। इससे स्पिन के लिए दरवाजा खुल जाता है। एक तरह से यह ऐसा समय है कि भारत को इंग्लैंड में स्पिन खिलाने के विचार को फिर से पेश किया जाए।"

मांजरेकर ने कहा, "बेन स्टोक्स ने पहले ही कॉमन-सेंस, अग्रेसिव क्रिकेट के साथ नेरेटिव को बदला है। भारत को भी उसी स्पष्टता को अपनाने की जरूरत है। एक समय था जब भारत तीन स्पिनरों के साथ खेलता था। चाहे न्यूजीलैंड हो या इंग्लैंड। अगर कुलदीप आपकी टीम में है, तो उसे खिलाएं। सिर्फ इसलिए कि आप इंग्लैंड में खेल रहे हैं सीमर के साथ मत जाइए। मैं एक सीमर को हटाकर कुलदीप यादव को लाऊंगा।"

मुराद और अनुष्का ने फेडरेशन कप में किया शानदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। गुजरात के मुराद सिमरन ने 23वीं राष्ट्रीय जूनियर (अंडर-20) फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ में प्रतियोगिता रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुराद ने 50.75 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता और 2012 में बनाए दुर्गेश कुमार पाल के 51.26 सेकेंड के प्रतियोगिता रिकॉर्ड में सुधार किया।

मदन मोहन मालवीय खेल परिसर में तीन दिवसीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन उत्तर प्रदेश की अनुष्का यादव ने 60.46 मीटर के प्रयास से नए प्रतियोगिता रिकॉर्ड के साथ महिला तार गोला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। पिछला रिकॉर्ड 57.09 मीटर का था जो तान्या चौधरी ने 2022 में बनाया था। अनुष्का के नाम 62.89 मीटर का जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है जो उन्होंने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाया था।

क्या एशिया कप नहीं खेलेगा पाकिस्तान?

पोस्टर सामने आने के बाद उठ रहा बड़ा सवाल

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। एशिया कप पर फिलहाल संकट के बादल मंडराए हुए है, अभी तक तय नहीं हुआ है कि ये टूर्नामेंट कब खेला जाएगा? भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद काफी अटकलें लगाई जा रही थी कि एशिया कप में भारत या फिर पाकिस्तान में से कोई एक नहीं खेलेगा। वहीं अब भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच एशिया कप का एक पोस्टर सामने आया है, जिसके बाद अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट से बाहर रहेगा।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर इस बार सोनी स्पोर्ट्स है। सोनी स्पोर्ट्स ने की तरफ से एशिया कप 2026 को लेकर एक प्रोमो जारी किया गया है, जिसमें भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमों के कप्तानों की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि पाकिस्तान टीम के कप्तान या किसी भी खिलाड़ी की तस्वीर इस प्रोमो में देखने को नहीं मिली है। जिसके बाद सवाल ये उठ रहा है कि क्या इस बार पाकिस्तान एशिया कप में नहीं खेलेगा?

2 साल के बाद एशिया कप इस बार सितंबर में होने की उम्मीद है। अगले साल टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जिसको देखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसको लेकर ही सोनी स्पोर्ट्स द्वारा जारी किए गए प्रोमो में तीनों देशों की टी20 टीमों के कप्तानों की तस्वीर दिखाई गई है। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम इंडिया के कप्तान हैं। एशिया कप का ये प्रोमो लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के आखिरी दिन दिखाया गया।

टूर्नामेंट में 8 टीमें लेंगी हिस्सा

इस बार एशिया कप में 8 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं। जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग, यूएई और ओमान शामिल है, हालांकि इसमें से अभी पाकिस्तान के खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है।

सरकार रोजगार और आय पैदा करने के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देगी: भट्टी

बीसी कारीगरों के हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि राज्य सरकार भविष्य में पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने और आय बढ़ाने के लिए तेलंगाना में कुटीर उद्योगों को सक्रिय रूप से समर्थन देने का इरादा रखती है। बुधवार को यहां टैंक बंड में बीसी कल्याण विभाग के तत्वावधान में बीसी कारीगरों के हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए स्थापित स्टॉल का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कारीगरों और पारंपरिक कारीगरों द्वारा उत्पादित सामान समाज के लिए बहुत उपयोगी हैं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "राज्य सरकार स्वस्थ तेलंगाना के निर्माण के हिस्से के रूप में ऐसे हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी 25 से 29 जून तक जारी रहेगी, जिसमें न केवल हैदराबाद, बल्कि विभिन्न कुटीर उद्योगों से संबंधित अन्य जिलों के उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे। लोगों को प्रदर्शनी का भरपूर लाभ उठाना चाहिए।" उपमुख्यमंत्री ने लोगों से प्रदर्शनी देखने, अपनी पसंद के पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी उत्पाद खरीदने और पारंपरिक कारीगरों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार बीसी निगमों पर विशेष ध्यान देने के साथ समर्पित निधि आवंटित कर रही है। प्रदर्शनी में कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के बर्तन, मेदारी कारीगरों द्वारा बांस के उत्पाद, मनके की वस्तुएं और पोचमपल्ली, गडवाल और नारायणपेट के हथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इसमें गौड़ा समुदाय के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए नीरा आधारित उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया, उत्पादों के बारे में जानकारी ली और कारीगरों से बातचीत की। उन्होंने मंत्री पोन्नम प्रभाकर और वक्ति श्रीहरि के साथ मिलकर बेस्टा समुदाय के सदस्यों द्वारा तैयार मछली के व्यंजनों का भी स्वाद लिया।

होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला महिला का शव

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम के एक होटल के कमरे में एक युवती का शव लटका हुआ मिला। ऐसा माना जा रहा है कि वह वैवाहिक समस्याओं से परेशान थी और उसने आत्महत्या कर ली। नल्लागंडला की रहने वाली ब्यूटीशियन अनुषा (26) पिछले कुछ महीनों से अपने पति से अलग रह रही थी। वह अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। पुलिस के अनुसार, अनुषा 22 जून की शाम को अपने माता-पिता को यह बताकर घर से निकली थी कि वह अपने दोस्तों से मिलने जा रही है, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसके मोबाइल फोन पर बार-बार कॉल करने के बावजूद उसने कोई जवाब नहीं दिया। चिंतित परिवार के सदस्यों ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। बाद में, होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचित किया कि अनुषा मंगलवार रात को कमरे में छत के पंखे से लटकी हुई पाई गई थी। उसके परिवार के सदस्यों ने उसकी मौत की परिस्थितियों पर संदेह व्यक्त किया है तथा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रायदुर्गम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संगठित ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ , 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल ज़ोन टीम के जासूसों ने अंबरपेट पुलिस स्टेशन के साथ एक संयुक्त अभियान में एक संगठित ऑनलाइन सट्टा सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने अंबरपेट पीएस के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बातकम्माकुंटा, बाग अंबरपेट में स्थित एक किराए के फ़्लैट पर छापा मारा और अवैध गतिविधि में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अपनी अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अज्ञात मोबाइल नंबरों से जुड़ी कई फर्जी फेसबुक आईडी बनाईं। शुरुआत में, उन्होंने पीड़ितों को छोटे मुनाफे का लालच दिया। जैसे-जैसे पीड़ितों ने बड़ी रकम का निवेश किया, उन्हें सट्टेबाजी के खेल की चालाकी भरी प्रकृति के कारण नुकसान उठाना पड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में वोडेपेल्ली नवीन, पुडारी साई किरण, सोमा महेंदर, बिंगी साई किरण, बिनगी अविनाश कागज नगर, कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले, तेलंगाना के सभी मूल निवासी है। एक अन्य आरोपी सना साई प्रीतम , हुजुराबाद, करीमनगर, तेलंगाना की मूल निवासी है। पुलिस उपायुक्त आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि आरोपियों के पास से एक कार, एक बाइक, 17 सेलफोन, एक लैपटॉप मिलाकर करीब 20 लाख की संपत्ति मिली है।

उन्होंने बताया कि कागज नगर के मूल निवासी और दोस्त होने के कारण सभी छह आरोपियों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और सट्टा/मटका संचालन के बारे में जानकारी हासिल की। आसानी से पैसे कमाने की चाहत में, उन्होंने दो महीने पहले बाग अंबरपेट में 14,000 प्रति माह के हिसाब से एक फ़्लैट किराए पर लिया और लैपटॉप और मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके अपना संचालन शुरू कर दिया। उन्होंने सट्टा मटका कल्याण रिजल्ट, अश्विन नायक, तीर शिलांग काउंटर, अर्जुन सरकार और विशाल के जैसे नामों से कई फेसबुक अकाउंट बनाए और उन्हें असत्यापित फोन नंबरों से लिंक किया। उन्होंने इन प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल उन अनजान व्यक्तियों को आकर्षित करने के लिए किया, जिन्हें ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजी और सट्टा मटका सट्टेबाजी में भाग लेने की आदत थी।

प्रत्येक सट्टेबाज को सट्टा सट्टेबाजी में संख्या की भविष्यवाणी के लिए 1,000 से 2,000 तक का पंजीकरण शुल्क देने के लिए कहा गया था। इसके अलावा, आरोपियों ने फर्जी प्रचार वीडियो बनाए, जिसमें उनमें से एक ने छोटे निवेश से बड़ी रकम जीतने का दावा करते हुए सट्टेबाज के रूप में काम किया, जिससे सट्टेबाजी साइट का प्रचार हुआ और अधिक पीड़ितों को बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आरोपियों ने क्यूआर कोड स्कैनर, गूगल पे, फोनपे और अन्य यूपीआई प्लेटफ़ॉर्म सहित ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से पैसे एकत्र किए। उन्होंने पीड़ितों को अंततः अपना निवेश खोने के लिए सुनिश्चित करने के लिए अपनी साइटों पर होस्ट किए गए गेम के परिणामों में हेरफेर किया। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल ज़ोन टीम ने अंबरपेट पीएस के साथ मिलकर छह आरोपियों को पकड़ा और उपरोक्त सामग्री जब्त की। गिरफ्तार व्यक्तियों और जब्त की गई संपत्ति को आगे की जांच के लिए अंबरपेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ को सौंप दिया गया है।

आसिफाबाद, मंचेरियल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, किसान उत्साहित

कुमराम भीम आसिफाबाद/मंचेरियल, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद और मंचेरियल जिलों के कई हिस्सों में मंगलवार सुबह से बुधवार सुबह तक हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे दैनिक जीवन में अस्थायी व्यवधान उत्पन्न हुआ। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में 43.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। आसिफाबाद मंडल में सबसे अधिक 61.9 मिमी वर्षा हुई, उसके बाद कागजनगर मंडल में 60 मिमी वर्षा हुई। लिंगपुर, रेबेना, तिरयानी, कौटाला, दहेगांव और चिंतलामनेपल्ली मंडलों में 40 मिमी से 55 मिमी के बीच वर्षा दर्ज की गई।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए आरक्षण के मुद्दे पर प्रतिबद्ध है। बुधवार को गांधी भवन में एक प्रेस वार्ता के दौरान, टीपीसीसी नेता ने जोर देकर कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव अदालत के निर्देश के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे और कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों के लिए बीसी आरक्षण लागू करने पर निर्णय लेने के लिए चर्चा करेगी। उन्होंने कांग्रेस के 18 महीने के शासन को तेलंगाना के लिए स्वर्णिम काल बताया और बीसी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा नेताओं की चुप्पी की आलोचना की।

महेश कुमार गौड़ ने यह भी उल्लेख किया कि आगामी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों की रणनीति के लिए बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों और जुबली हिल्स में उपचुनाव के लिए योजनाएँ बनाई जा रही हैं। टीपीसीसी प्रमुख ने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। रैतु भरोसा विजयोत्सव सभा के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि राज्य सरकार तेलंगाना में प्रगति और सिंचाई पहल के बारे में कांग्रेस नेतृत्व के डेढ़ साल के साथ-साथ बीआरएस शासन के पिछले दशक पर चर्चा करने के लिए तैयार है, उन्होंने याद दिलाया। महेश कुमार गौड़ ने बीसी विधेयक पर बीआरएस एमएलसी कविता का समर्थन करने के लिए भाजपा के राज्यसभा सदस्य आर कृष्णैया पर भी हमला किया, उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें पिछड़े वर्गों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि पिछली सरकार ने बीआरएस शासन के दस वर्षों के दौरान उनके लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने बीआरएस पार्टी पर गलत सूचना के साथ सोशल मीडिया में हेरफेर करने और सच्चाई को विकृत करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। टीपीसीसी प्रमुख ने लोगों से इस तरह के हानिकारक प्रचार से बचने का आग्रह किया।

निरंजन रेड्डी ने सीएम को सिंचाई परियोजनाओं पर विधानसभा सत्र आयोजित करने की चुनौती दी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर गंभीर हमला किया है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या सीएम रेवंत रेड्डी महान भगीरथ केसीआर जैसे हैं?

तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए निरंजन रेड्डी ने कहा कि चुनावी राजनीति में हार-जीत स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी तीसरी बार भाजपा से प्रधानमंत्री बने हैं, जिसके पास शुरुआत में केवल दो सांसद थे। रेवंत जीतने वाली पार्टी में शामिल हो गए और सीएम बन गए। मुझे नहीं पता कि सीएम कल कांग्रेस पार्टी में होंगे या नहीं? यह कहने का क्या मतलब है कि केसीआर को हर चीज में आना चाहिए? क्या सीएम कोई सड़क पर लड़ाई करेंगे? सीएम लोगों के लिए क्या करेंगे? वे लोगों को क्या देंगे।, उन्होंने स्पष्ट किया कि केसीआर ने भरी विधानसभा में तेलंगाना परियोजनाओं और केंद्र के तरीके के बारे में विस्तार से बताया। फिर कांग्रेस पार्टी विधानसभा से भाग गई। केटीआर, हरीश राव या गंगुला कमलाकर, वेमुला प्रशांत रेड्डी जैसे बीआरएस पार्टी के विधायक जो विधानसभा में हैं, वे सीएम द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देंगे। आइए देखें कि लोग उनके द्वारा बताए गए मुद्दों से आश्वस्त होते हैं या नहीं। सीएम कितने घंटे बोलेंगे? अगर सीएम में हिम्मत है, तो माइक काटे बिना उन्हें उतना ही समय दें।

15 घंटे के बचाव प्रयास के बाद कुएं से निकाला गया बच्चे का शव

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 15 घंटे की खोज के बाद, मैलारदेवपल्ली में अपने घर के पास एक कुएं में गिरने के बाद लापता हुए 5 वर्षीय लड़के प्रिंस का शव बुधवार सुबह बरामद किया गया। प्रिंस मंगलवार दोपहर लक्ष्मीगुड़ा स्थित राजीव गृहकल्प स्थित अपने घर के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था, तभी वह गलती से पानी से भरे कुएं में गिर गया और डूब गया। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने हाइड्रा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन विभाग के कर्मियों के साथ मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया जो रात तक जारी रहा। मंगलवार को लड़के का शव नहीं मिल पाने के कारण ऑपरेशन को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था और बुधवार सुबह फिर से शुरू किया गया, जब शव को आखिरकार बरामद कर लिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया।

छात्रों को नशीली पदार्थ के खतरे से आगाह किया गया

नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एच-न्यू) ने एचसीएससी (हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल) एंटी नारकोटिक्स फोरम के साथ मिलकर हैदराबाद के नारायणगुडा में केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि छात्रों को नारकोटिक्स पदार्थों के खतरों के बारे में शिक्षित किया जा सके और नशा मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम के दौरान वाई.वी.एस. सुधींद्र, पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स/ एच-न्यू ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों और शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे प्रभावों से दूर रहने के तरीके के बारे में बताया। डीसीपी ने बताया कि कैसे नशीली दवाओं का दुरुपयोग छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को बर्बाद करता है और उन्हें इसके कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, डीसीपी ने छात्रों को नशीली दवाओं के जाल में न फंसने और मादक द्रव्यों के सेवन को बढ़ावा देने वाली दोस्ती से बचने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल ने हैदराबाद नारकोटिक्स इंफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) और एचसीएससी की पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को सूचित निर्णय लेने, नशीली दवाओं के सेवन के परिणामों को समझने और स्वस्थ जीवन शैली बनाने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण हैं। हैदराबाद नारकोटिक्स इंफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) और एचसीएससी के एंटी नारकोटिक्स फोरम ने युवाओं को नशीली दवाओं के खतरे से बचाने और हैदराबाद को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में नियमित जागरूकता अभियान चलाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस कार्यक्रम में हैदराबाद नारकोटिक्स इंफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) के पुलिस उप-निरीक्षक सी. वेंकट रामुलु और उनकी टीम, एचसीएससी के एंटी-नारकोटिक फोरम के संयुक्त सचिव श्री केजीएसएस श्रीकांत और एचसीएससी के प्रोजेक्ट मैनेजर जी. सत्यनारायण ने भी भाग लिया।

कांग्रेस पार्टी ने लोकतंत्र को कमजोर किया: डीके अरुणा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद डीके अरुणा ने आज कांग्रेस पार्टी पर लोकतंत्र को कमजोर करके भारतीय संविधान की बात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 25 जून देश के इतिहास का एक काला दिन था। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने वाले सीएम रेवंत रेड्डी को आपातकाल के बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में स्थानीय निकाय चुनाव में जाने का साहस नहीं है। नलगोंडा में मीडिया से बात करते हुए डीके अरुणा ने कहा कि आपातकाल के नाम पर कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई अराजकता के बारे में सभी को पता होना चाहिए और आरोप लगाया कि पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद-352 का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी को उस समय की गई गलतियों के लिए खेद व्यक्त करना चाहिए। कई विपक्षी नेताओं और लाखों लोगों को जेल भेजा गया। कांग्रेस ने संविधान में संशोधन करके देश पर अपना एजेंडा थोपने का कदम उठाया। आरएसएस, जनसंघ और एबीवीपी के नेताओं को जेल में डाला गया और उन पर अत्याचार किए गए। लोकतंत्र को कमजोर करने के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा संविधान की बात करना शर्मनाक है।' अरुणा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश में देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपमानजनक बातें करके नासमझी की। 'हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की ताकत दिखाई है। प्रधानमंत्री की आलोचना करने वाले रेवंत रेड्डी को आपातकाल के बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने चुनाव से पहले कई वादे किए और उनमें से कोई भी पूरा नहीं किया। कांग्रेस में स्थानीय निकाय चुनाव में जाने की हिम्मत नहीं है। कांग्रेस नेताओं को पता नहीं है कि वे राज्य के किसानों को ऋतु भरोसा योजना का लाभ जारी करने के नाम पर जश्न क्यों मना रहे हैं? यहां तक कि जिनके पास दो एकड़ जमीन है, उन्हें भी अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है।' अरुणा ने दावा किया कि सभी भाजपा नेता सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले के पीड़ित हैं और उन्होंने आश्चर्य जताया कि फोन टैपिंग मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने यह भी आश्चर्य जताया कि कालेश्वरम परियोजना अनियमितताओं और फोन टैपिंग मामले में सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं की जा रही है?

हाथी के दांत की तस्करी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बरामद हाथी दांत की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तीन करोड़ रुपये

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष अभियान दल, एलबी नगर जोन, राचकोंडा के अधिकारियों ने वन रेंज अधिकारियों, हयात नगर, रंगारेड्डी जिले के साथ मिलकर हाथी के दांत की तस्करी करने वाले एक आरोपी गिरफ्तार किया है। बरामद हाथी दांत की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपी अवैध रूप से हाथी के दांत (दांत) बेचने की कोशिश कर रहा था और उसके कब्जे से दो हाथी दांत और एक मोबाइल फोन जब्त किया। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बताया कि आरोपी रेकुलकुंता प्रसाद, राजुला कॉलोनी, रायचोटी, अन्नामैया जिला, आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से 2 हाथी हाथी दांत, वजन: 5.62 किलोग्राम बरामद किया गया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी व्यक्ति रेकुलकुंता प्रसाद आंध्र प्रदेश के रायचोटी का रहने वाला है और बुरी आदतों का आदी है, गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देकर आसानी से पैसा कमाने का आदी है। इससे पहले वह आरएसएएसटीएफ (रेड सैंडर्स एंटी-स्मगलिंग टास्क फोर्स) पीएस, तिरुपति जिला द्वारा रेड सैंडर्स लॉग तस्करी मामले में शामिल था। (एपी) और फरवरी 2025 के महीने में तिरुपति उप-जेल में बंद था। एक अन्य आरोपी लोकेश्वर रेड्डी को भी टास्क फोर्स पुलिस द्वारा रेड सैंडर्स लॉग तस्करी मामले में गिरफ्तार किया गया था और उसी जेल में रखा गया था, जहां जेल में रहने के दौरान दोनों का परिचय हुआ था।

जेल से रिहा होने के बाद, दोनों आरोपियों ने गलत और भारी मुनाफे के लिए हाथी दांत बेचने की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार लोकेश्वर रेड्डी आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के शेषाचलम जंगल में गया और यानादुला आदिवासियों से दो हाथी दांत खरीदे। हाथी दांत मिलने के बाद, उसने प्रसाद को हैदराबाद में अत्यधिक कीमत पर बेचने के लिए बताया। तदनुसार, वे दोनों अवैध रूप से प्राप्त हाथी दांत के साथ एक निजी ट्रैवल बस में सवार हुए और बुधवार की सुबह दोनों हाथी दांत संभावित खरीदारों को बेचने के लिए एलबी नगर, हैदराबाद पहुंचे। सूचना के आधार पर एसओटी एलबी नगर टीम ने हयात नगर वन अधिकारियों के साथ मिलकर आरोपी रेकुलकुंटा प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से हाथी दांत और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। एक अन्य आरोपी लोकेश्वर रेड्डी मौके से भाग गया। फरार आरोपी लोकेश्वर रेड्डी का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार व्यक्ति के पिछले आपराधिक इतिहास की भी पुष्टि की जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.